डाक पंजीयन नं. 99/2021-23

E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com

website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

खेलः धोनी लेने जा रहे हैं संयास, खेल रहे...

आधुनिक समाचार

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

सिनेमा :आखिर क्यों पर्दे पर रोमांस करते...

वर्ष -09 अंक -51 | प्रयागराज, मंगलवार 25 अप्रैल, 2023 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 2.00 रूपये

संक्षिप्त समाचार

कश्मीर में बदला माहौल देख कर घाटी लौटे फिल्मवाले, बड़ी संख्या में शूटिंग होने से स्थानीय लोग भी खुश

श्रीनगर। कश्मीर को धरती का स्वर्ग कहा जाता है। एक समय यहां की खूबसूरती को हिंदी फिल्मों में खूब दिखाया जाता था लेकिन बाद में निर्माता निर्देशक विदेशी लोकेशनों पर शूटिंग करने लगे क्योंकि कश्मीर के हालात ठीक नहीं थे। लेकिन अनुच्छेद 370 हटने के बाद जम्मू-कश्मीर के माहौल में भी सुधार आया और सरकार ने 2021 में जारी की गयी नई फिल्म पॉलिसी के जरिये निर्माता निर्देशकों के लिए कई सहूलियतों की भी घोषणा की। इसके बाद से कश्मीर में फिल्मों, एड फिल्मों, वेब सीरीज और म्यूजिक एल्बम्स की शूटिंग करने वालों की अच्छी खासी भीड़ लगने लगी है। देखा जाये तो कश्मीर की फिल्म पॉलिसी जहां निर्माता-निर्देशकों को भा रही है वहीं कलाकार भी यहां का रोमानी माहौल देखकर खुश हो रहे हैं। कश्मीर में बड़ी संख्या में शूटिंग होने से स्थानीय लोगों को भी रोजगार मिल रहा है।

'अमृतपाल को देखकर राहत मिली, कानूनी लड़ाई लड़ेंगे'

नई दिल्ली। पंजाब के मोगा जिले से रविवार सुबह गिरफ्तार किए गए खालिस्तान समर्थक अमृतपाल सिंह के परिवार के सदस्यों ने कहा कि एक महीने से अधिक समय के बाद उसे देखकर उन्हें राहत मिली है और वे अपनी कानूनी लड़ाई लड़ेंगे। अमृतपाल के चाचा सुखचैन सिंह ने अमृतसर में कहा, ''हमें मीडिया के जरिए सुबह सवा सात बजे पता चला कि उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। आज, उसे देखकर परिवार चिंता मुक्त महसूस कर रहा है।'' एक सवाल के जवाब में अमृतपाल के चाचा ने कहा कि परिवार असम के डिब्रूगढ़ जाएगा और उससे मिलेगा। सुखचैन ने कहा, ''पुलिस ने कहा कि अमृतपाल को गिरफ्तार कर लिया गया, जबकि अकाल तख्त के पूर्व जत्थेदार जसबीर सिंह रोडे ने कहा कि उसने आत्मसमर्पण कर दिया है। यह एक दो दिन में स्पष्ट हो जाएगा।'' पंजाब पुलिस ने रविवार तड़के मोगा के रोडे गांव में अमृतपाल को गिरफ्तार कर लिया। आतंकवादी जरनैल सिंह भिंडरावाले रोडे गांव से था और अमृतपाल को पिछले साल इसी गांव में आयोजित एक कार्यक्रम में 'वारिस पंजाब दे' संगठन का प्रमुख नियुक्त किया गया था।

पीएम मोदी बोले-देश को विकसित बनाने के लिए कर रहे काम,पहले की सरकारों ने पंचायतों से भेदभाव किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज मध्य प्रदेश के दौरे पर हैं। मध्य प्रदेश के रीवा में पंचायती राज दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने 2300 करोड़ रुपए से अधिक की विभिन्न रेल परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। इसके अलावा उन्होंने एक प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया। अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने कहा कि हर देश को विकसित बनाने के लिए काम कर रहे हैं। अपने भाषण की शुरूआत में उन्होंने कहा कि आप सभी को, देश की 2.5 लाख से अधिक पंचायतों को 'राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस' की बहुत-बहुत शुभकामनाएं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि आज आपके साथ 30 लाख से अधिक पंचायत प्रतिनिधि भी हमारे साथ वर्चुअली जुड़े हुए हैं। ये निश्चित रूप से भारत के लोकतंत्र की बहुत ही सशक्त तस्वीर है। उन्होंने कहा कि हम सभी जनता के प्रतिनिधि हैं। हम सभी इस देश के लिए, इस लोकतंत्र के लिए समर्पित हैं।

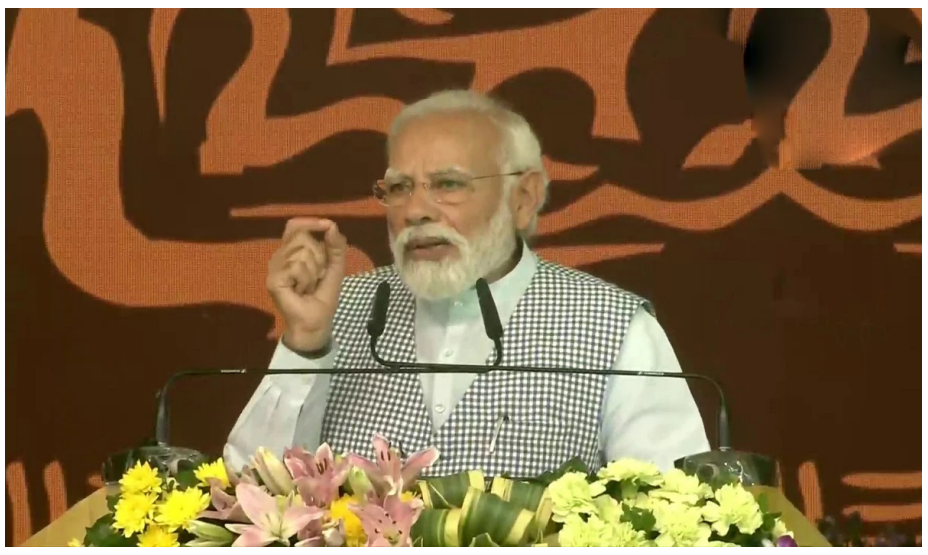

मोदी ने साफ तौर पर कहा कि काम के दायरे भले ही अलग हों, लेकिन लक्ष्य एक ही है- जनसेवा से राष्ट्रसेवा। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार देश में पंचायती राज व्यवस्था को मजबूत करने के लिए लगातार काम कर रही है। उन्होंने कहा कि आजादी के इस अमृतकाल में हम सभी देशवासियों ने विकसित भारत का सपना देखा है और उसे पूरा करने के लिए दिन-रात मेहनत कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत को विकसित बनाने के लिए भारत के गांवों की सामाजिक व्यवस्था को विकसित करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि पहले की सरकारों ने कैसे पंचायतों से भेदभाव किया और उनसे उल्टा कैसे हम उन्हें सशक्त कर रहे हैं, ये देश के लोग देख रहे हैं।

प्रदानमंत्री ने कहा कि भारत को विकसित बनाने के लिए भारत के गांवों की आर्थिक व्यवस्था को विकसित करना जरूरी है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि भारत को विकसित बनाने के लिए भारत के गांवों की पंचायती व्यवस्था को भी विकसित करना जरूरी है। इसी सोच के साथ हमारी सरकार देश की पंचायत व्यवस्था को मजबूत करने के लिए लगातार काम कर रही है। उन्होंने कहा कि 2014 से पहले के 10 वर्षों में केंद्र सरकार की मदद से 6,000 के आस पास ही पंचायत भवन बनवाए गए थे। पूरे देश में करीब-करीब 6,000 पंचायत घर ही बने थे। हमारी सरकार 8 वर्ष के अंदर-अंदर ही 30 हजार से ज्यादा नई पंचायतों का निर्माण करवा चुकी है।

मोदी ने कहा कि आज ई-ग्राम स्वराज-जेम इंटीग्रेटेड पोर्टल का शुभारंभ किया गया है। इससे पंचायतों के माध्यम से होने वाली खरीद की प्रक्रिया सरल और पारदर्शी बनेगी। उन्होंने कहा कि देश के गांवों को जब बैंकों की ताकत मिली है, तो खेती-किसानी से लेकर व्यापार कारोबार तक, सब में गांव के लोगों की मदद हो रही है। हमने जनधन योजना चलाकर गांव के 40 करोड़ से ज्यादा लोगों के बैंक खाते खुलवाए। हमने ध्र्ी ड्डेू ईंअसूँहव्के माध्यम से गांवों तक बैंकों की पहुंच बढ़ाई। मोदी ने कहा कि आजादी के बाद जिस दल ने सबसे ज्यादा समय तक सरकार चलाई, उसने ही हमारे गांवों का भरोसा तोड़ दिया। गांव में रहने वाले लोग, गांव के स्कूल, गांव की सड़कें, गांव की बिजली, गांव में भंडारण, गांव की अर्थव्यवस्था... कांग्रेस सरकार के दौरान इन सबको सरकारी प्राथमिकताओं में सबसे निचले पायदान पर रखा गया।

इस दौरान मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि केवल सड़क कनेक्टिविटी नहीं रेल कनेक्टिविटी देने भी प्रधानमंत्री मोदी यहां आए हैं। नए एयरपोर्ट की सौगात भी हमें मिल रही है। आज प्रधानमंत्री मोदी जल जीवन मिशन की सौगात देने आए हैं। उन्होंने कहा कि रीवा में गेहूं का उत्पादन 4.5 गुना हो गया है। धान का उत्पादन 5.5 गुना हो गया है। सरसों का उत्पादन 35 गुना हो गया है। मध्य प्रदेश में किसानों की आय दोगुनी से ज्यादा हुई है

दिल्ली में रोड रेज का मामला आया सामने, स्कूटर से रास्ता रोकने पर डिलीवरी मैन की पीट-पीट कर हत्या

नई दिल्ली। दिल्ली में एक काफी हैरान करने वाला मामला सामने आया है। दिल्ली में रोड रेज के एक मामले में दो युवकों ने बेरहमी दिखाते हुए एक डिलीवरी कर्मचारी को पीट-पीटकर मौत के घाट उतार दिया। घटना मध्य दिल्ली के राजेंद्र नगर की बताई जा रहा है जहां झगड़े में दो युवकों ने 39 वर्षीय व्यक्ति की हत्या कर दी। इस मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस द्वारा मिली जानकारी के मुताबिक मृतक व्यक्ति की पहचान पंकज ठाकुर के रुप में हुई है जो कि एक दुकान में सहायक का काम करते थे। इसके साथ ही वो दुकान से सामान डिलीवरी भी किया करते थे। वहीं इस घटना को अंजाम देने वालों को भी पुलिस गिरफ्तार कर चुकी है जिनकी पहचान मनीष कुमार (19) और लालचंद (20) के तौर पर हुई है। पुलिस द्वारा मिली जानकारी के अनुसार घटना 22 अप्रैल की देर रात पुलिस को फोन आया कि शादीपुर गांव के पास एक युवक अचेत अवस्था में पड़ा है। पुलिस के अनुसार घटना उस समय हुई जब मृतक पंकज ठाकुर एक दुकान के बाहर खड़े थे। इस दौरान आरोपी कैब से उस दुकान पर किसी काम से पहुंचे। आरोपियों ने पंकज को बाइक हटाने को कहा, जिसे लेकर ठाकुर ने मना कर दिया। इसके बाद दोनों गुस्साए युवकों ने डिलिवरी बॉय के साथ मारपीट की और उसे पीट पीट कर मौत के घाट उतार दिया। अधिकारी के मुताबिक दोनों के बीच पार्किंग की जगह को लेकर बहस हुई। आरोपियों ने मृतक को वहां से जाने को कहा, जब वो मोटरसाइकिल पर बैठा तो आरोपियों ने उसे धक्का मारा और उसके साथ मारपीट की। इस मारपीट में मृतक पंकज काफी गंभीर रुप से घायल हुआ और लहूलुहान हो गया। दोनों आरोपी घायल अवस्था में ही उसे छोड़कर फरार हो गए। वहीं ठाकुर को अस्पताल ले जाया गया जहां उसने दम तोड़ दिया। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज की मदद से आरोपियों को पकड़ने में सफलता पाई है। पुलिस के मुताबिक आरोपियों में एक पर पहले बी दो आपराधिक मामले दर्ज है। वर्तमान में रोड रेज और मौत के मामले में भी पुलिस ने जांच शुरु कर दी है। पुलिस ने बताया कि मृतक के शरीर पर कई चोटों के निशान भी मिले है।

कर्नाटक चुनाव में एनसीपी की स्टार प्रचारक की लिस्ट से गायब अजित पवार का नाम

नई दिल्ली। कर्नाटक विधानसभा चुनाव में शरद पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की भी एंट्री हो गई है। ण्इ ने उम्मीदवारों की लिस्ट जारी कर दी है। इसके अलावा ण्इ पार्टी ने स्टार प्रचारकों के नाम भी बता दिए हैं। हालांकि ण्इ की इस लिस्ट में चौंकाने वाली बात यह है कि इस में अजित पवार का नाम गायब है। बता दें कि इससे पहले हुए ण्इ के अधिवेशन में भी अजित पवार शामिल नहीं हुए थे। ऐसे में अंदाजा लगाया जा रहा है कि भाजपा में शामिल होने की अफवाहों ने सीनियर पवार भी अपने भतीजे से खफा हैं।

बता दें कि ण्इ की लिस्ट में 9 उम्मीदवारों की घोषणा की गई है। ण्इ की यह लिस्ट नामांकन का समय खत्म होने के बाद सामने आई है। पार्टी ने जिन उम्मीदवारों का ऐलान किया है, वह पहले ही नामांकन दाखिल कर चुके हैं।

ण्इ ने उम्मीदवारों के साथ ही स्टार प्रचारकों की लिस्ट भी जारी कर दी है। इस लिस्ट में महाराष्ट्र के पूर्व डिप्टी सीएम और शरद पवार के भतीजे अजित पवार गायब है। इस स्टार प्रचारक की लिस्ट में सबसे पहला नाम पार्टी अध्यक्ष शरद पवार का है। इसके बाद लिस्ट

में अन्य स्टार प्रचारकों प्रफुल्ल पटेल, मोहम्मद फैजल, सुप्रिया सुले, फौजिया खान, धीरज शर्मा, सोनिया धून, सिराज मेहंदी, शिवाजीराव गरजे, आर हरी, प्रदीप कुमार, उमा महेश्वरी रेड्डी, रामाभाऊ जाधव, ब्रज मोहन श्रीवास्तव और क्लाड क्रास्तो का नाम शामिल है।

पिछले दिनों यह खबर आम थी कि अजित पवार भाजपा ज्वॉइन कर सकते हैं। हालांकि इन खबरों को बाद में अजित पवार ने अफवाह बताया था। लेकिन मुंबई में हुई ण्इ एक दिन की बैठक में भी अजित पवार शामिल नहीं हुए थे। जिसके बाद अजित पवार ने बताया था कि वह वह अपनी पूर्व प्रतिबद्धताओं के कारण उस मीटिंग में शामिल नहीं हो पाए थे। महाराष्ट्र के पूर्व डिप्टी सीएम अजित पवार की इस घोषणा ने आग में घी डालने का काम किया था।

उद्धव गुट के नेता संजय राउत ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि पार्टी प्रमुख तय करेंगे कि कि किसको बुलाना है या किसे नहीं बुलाना है। उनकी पार्टी में क्या चल रहा है वह कैसे बता सकते हैं। संजय राउत ने कहा कि अजित पवार बहुत प्यारे आदमी हैं, उन्हें कौन बदनाम करने का प्रयास कर सकता है। सब उनसे बेहद प्यार करते हैं। हालांकि ण्इ ने भी अपने एक बयान में यह साफ किया था कि पार्टी की बैठक में अजित पवार का शामिल न होने मतलब यह नहीं है कि वह पार्टी छोड़ने की योजना बना रहे हैं।

भतीजे ने कराई अमृतपाल सिंह की गिरफ्तारी? दोहराना चाहता था अजनाला कांड

नई दिल्ली। खालिस्तानी अलगाववादी अमृतपाल सिंह को पंजाब के मोगा में गिरफ्तार किए जाने के एक दिन बाद यह माना जाता है कि अकाल तख्त के पूर्व प्रमुख और जरनैल सिंह भिंडरावाले के भतीजे जसबीर सिंह रोडे ने कथित तौर पर अमृतपाल की गिरफ्तारी का मार्ग प्रशस्त किया। जसबीर ने यह सूचना मिलने के बाद कि अमृतपाल रोडेवाल गुरुद्वारे में आत्मसमर्पण करने की योजना बना रहा है, गुप्त रूप से पुलिस के साथ सूचना साझा की थी। सूत्रों के मुताबिक, अमृतपाल की योजना रोडे गांव में अपने समर्थकों की मौजूदगी में पुलिस के सामने आत्मसमर्पण करने की थी, जहां पिछले साल सितंबर में उनकी पगड़ी बांधने की रस्म हुई थी।

माना जाता है कि पुलिस अधिकारियों ने जसबीर से कहा था कि अमृतपाल को भीड़ में गिरफ्तार करने से अजनाला जैसी घटना हो सकती है।

कर्नाटक में गन्ना किसानों से राहुल गांधी ने की बात,पीएम मोदी सरकार पर लगाया बड़ा आरोप, जीएसटी को लेकर कही यह बात

नई दिल्ली। कर्नाटक में कांग्रेस अपना पूरा दम लगा रही है। कांग्रेस के प्रचार अभियान की कमान खुद राहुल गांधी ने संभाल रखी है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष बेलगावी जिले के रामदुर्ग में गन्ना किसानों से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने भाजपा की केंद्र और राज्य सरकार पर निशाना साधा। राहुल गांधी ने किसानों के साथ अपनी बातचीत में साफ तौर पर कहा कि आजकल 2-3 अरबपतियों पर ही फोकस है, लेकिन किसानों, मजदूरों और छोटे वेंडरों पर होना चाहिए। इसके साथ ही कांग्रेस नेता ने कहा कि अरबपतियों को बैंक से लोन आसानी से मिल जाता है और अगर कुछ हो जाता है तो आसानी से माफ हो जाता है लेकिन किसानों का कर्ज कभी माफ नहीं होता।

राहुल ने कहा कि उएऊ देश के अमीर लोगों की मदद करने के लिए लगाया गया है। उन्होंने कहा कि इतनी जटिल कर संरचना है कि आधे लोगों को समझ नहीं आता कि वे कब और कैसे भरें। कांग्रेस नेता ने कहा कि बड़े उद्योगों पर अकाउंटेंट होतें लेकिन छोटे व्यापारियों के पास नहीं होते जिसकी वजह से वे कर भर नहीं पाते और वे बंद हो जाते हैं। उन्होंने ऐलान करते हुए कहा कि अगर हमारी सरकार

दिल्ली में आती है तो हम उएऊ बदलेंगे। एक टैक्स होगा और कम-से-कम होगा। उएऊ में जो 5 स्लैब हैं उसको हम बदलेंगे। बाद में वह गडग में 'युवा संवाद' में हिस्सा लेंगे। गांधी इसके बाद शाम को हावेरी जिले के हंगल में एक जनसभा को संबोधित करेंगे।

वहीं, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि जैसे ही कांग्रेस सरकार कर्नाटक में गठित है, हम पहली कैबिनेट बैठक में निम्नलिखित निर्णय लेंगे। 1. गृह ज्योति- हर घर को प्रति माह 200 यूनिट मुफ्त बिजली। 2. गृह लक्ष्मी योजना- घर की प्रत्येक महिला मुखिया को 2000/माह। 3. युवा निधि- बेरोजगार स्नातकों के लिए ?3,000/माह और बेरोजगार डिप्लोमा धारकों के लिए 1500/माह। 4. अन्ना भाग्य- बीपीएल परिवारों को प्रति व्यक्ति प्रति माह 10 किलो चावल मुफ्त। उन्होंने कहा कि मैं कर्नाटक के लोगों से कांग्रेस को जीत का बड़ा अंतर देने की अपील करता हूं, क्योंकि भाजपा में विधायकों की चोरी का चलन है।

कर्नाटक में जीती भाजपा तो कौन बनेगा मुख्यमंत्री? सीएम बसवराज बोम्मई का जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने पार्टी के लिए अगला सीएम चेहरा

बनने की संभावना पर बात की है। उन्होंने मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए कहा कि 'मैंने कभी नहीं कहा कि मैं ही सीएम बनूं, ये फैसले आलाकमान लेता है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि आलाकमान सभी मुद्दों से अवगत है और परिणाम के बाद यह तस्वीर में आ जाएगा।' बसवराज बोम्मई का यह बयान तब आया है जब राज्य में 10 मई को चुनाव होने वाले हैं और 13 मई को चुनाव परिणाम घोषित होंगे।

बसवराज बोम्मई ने जगदीश शेट्टार और लक्ष्मण सावदी पर भी बात की। उन्होंने कहा कि जगदीश शेट्टार और लक्ष्मण सावदी ने भाजपा में सभी शक्तियों का आनंद लिया और वे बाद में कांग्रेस पार्टी में शामिल हो गए। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि उन्हें राज्य के लोग स्वीकार नहीं करेंगे। कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने रविवार को कर्नाटक विधानसभा चुनाव 2023 के लिए प्रचार अभियान की शुरुआत की। बोम्मई ने कई निर्वाचन क्षेत्रों में रोड शो किए। बैंगलोर में यलहंका, डोड्डाबल्लापुर नेलमंगला और तुमकुर शामिल हैं।

इससे पहले बसवराज बोम्मई ने कहा था कि जगदीश शेट्टर के भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) छोड़ने से आगामी विधानसभा चुनाव में पार्टी की संभावनाओं पर कोई असर नहीं पड़ेगा। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि वह शेट्टर के कांग्रेस में शामिल होने के फैसले से हैरान हैं। पूर्व मुख्यमंत्री शेट्टर ने हुबली-धारवाड़ (मध्य) विधानसभा सीट से चुनाव के लिए टिकट नहीं मिलने पर भाजपा छोड़ दी। वह निवर्तमान विधानसभा में इसी सीट का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। बोम्मई ने शेट्टर के इन आरोपों को खारिज कर दिया कि भाजपा में उन्हें उचित सम्मान नहीं मिला और उन्हें हटाने के लिए साजिश रची गयी।

अतीक के दफ्तर में जांच के दौरान मिले खून के धब्बे और चाकू

नई दिल्ली। वर्तमान में अतीक अहमद की मौत को लेकर लगातार जांच जारी है। आज प्रयागराज में अतीक अहमद के दफ्तर में पुलिस को जांच के दौरान खून के धब्बे और चाकू मिला। इसके बाद इएथ की टीम बुलाई गई है। एसीपी प्रयागराज सत्येंद्र प्रसाद तिवारी ने बताया कि आज ही हमें सूचना मिली की (अतीक अहमद के)चकिया स्थित कार्यालय में खून के धब्बे दिख रहे हैं। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि नीचे सीढ़ी के पास लाल रंग के खून नुमा धब्बे दिख रहे हैं और अंदर किचन के पास भी खून के धब्बे दिख रहे हैं। गौरतलब है कि गैंगस्टर से नेता बने माफिया व समाजवादी पार्टी के पूर्व सांसद अतीक अहमद (60) और उसके भाई अशरफ की 15 अप्रैल की रात को प्रयागराज में तीन हमलावरों ने उस समय गोली मारकर हत्या कर दी जब पुलिस दोनों को चिकित्सकीय परीक्षण कराने के लिए एक मेडिकल कॉलेज लेकर जा रही थी।

नीतीश ने तेज की विपक्षी एकता की कवायद, कोलकाता में ममता बनर्जी से मिले, तेजस्वी भी रहे मौजूद

कोलकाता (एजेंसी)। 2024 लोकसभा चुनाव को लेकर विपक्षी एकता की कवायद तेज कर दी गई है। बिहार के मपख्यमंत्री नीतीश कुमार विपक्षी एकता को लेकर तमाम नेताओं से मुलाकात कर रहे है। आज नीतीश कुमार पश्चिम बंगाल के दौरे पर है। कोलकता में नीतीश ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और टीएमसी नेता ममता बनर्जी से मुलाकात की। नीतीश कुमार के साथ बिहार के उपमुख्यमंत्री और राजद नेता तेजस्वी यादव भी मौजूद रहे। दोनों ने 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा से लड़ने की रणनीति बनाने के लिए एक बंद कमरे में बैठक की।

इस मुलाकात के बाद नीतीश कुमार ने कहा कि आगामी लोकसभा चुनाव के लिए सभी दलों को साथ आना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमें यह संदेश देना है कि हम सभी एक साथ हैं। नीतीश कुमार ने कहा कि अब पता नहीं, ये(भाजपा) इतिहास बदल देंगे या क्या कर देंगे? सभी को सतर्क होना है इसलिए हम सभी के साथ बातचीत कर रहे हैं। हमारे बीच बहुत अच्छी बात हुई है। आवश्यकता अनुसार हम भविष्य में अन्य पार्टियों को साथ में लाकर बातचीत करेंगे। ममता बनर्जी ने कहा कि मैंने नीतीश जी से यही

अनुरोध किया है कि जयप्रकाश जी का आंदोलन बिहार से हुआ था तो हम भी बिहार में ऑल पार्टी मीटिंग करें। हमें एक संदेश देना है कि हम सभी एक साथ हैं। मैंने तो पहले ही कह दिया है कि मुझे इससे कोई एतराज नहीं है, मैं चाहती हूं कि भाजपा जीरो बन जाए।

अब तक, विपक्ष दो समूहों में विभाजित है- एक कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए और दूसरी ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली कांग्रेस माइनस ब्लॉक। इसी दोनों ग्रुप को नीतीश एक करने की कोशिश कर रहे हैं। बनर्जी ने पिछले महीने समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव और ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक के साथ इसी तरह की बैठकें की थीं। तेलंगाना के मुख्यमंत्री केसीआर भी कांग्रेस रहित विपक्ष की बात कर रहे हैं। लोकसभा चुनाव से पहले विपक्षी दलों को एकजुट करने के लिए कुमार ने इस महीने की शुरुआत में नई दिल्ली में कांग्रेस नेता राहुल गांधी और इसके अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल से मुलाकात की थी।

कुमार ने कथित तौर पर अगले महीने क्षेत्रीय पार्टी के नेताओं के साथ अपनी बातचीत शुरू करने की अपनी योजना को संशोधित किया, जब कांग्रेस के वरिष्ठ नेता हरीश रावत ने बुधवार को पटना में उनसे मुलाकात की और उनके साथ लंबी चर्चा की। बिहार में महागठबंधन के एक वरिष्ठ नेता ने अखिलेश यादव के साथ कुमार की निर्धारित बैठक की पुष्टि करते हुए कहा कि तेजस्वी यादव के लखनऊ दौरे पर कुमार के साथ जाने की संभावना है।

माफिया अतीक के ढहाए गए मकान में मिला चाकू व खून के निशान, भारी संख्या में पुलिस मौजूद

आधुनिक समाचार सेवा

प्रयागराज।माफिया अतीक अहमद के मलबे में तब्दील मकान में खून के निशान व चाकू मिलने से हड़कंप मच गया। भारी संख्या पुलिस फोर्स मौके मौजूद है। माफिया अतीक अहमद के करबला स्थित ढहाए गए कार्यालय में खून के निशान व चाकू मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। मौके पर खुल्दाबाद पुलिस मौजूद है। कार्यालय में रखे महिला के दुपट्टे और कुर्ती में खून लगा मिला है। साथ ही दफ्तर में सीढ़ियों से लेकर छत तक खून के निशान मौजूद हैं।

पुलिस को तलाशी में खून लगा हुआ चाकू, असलहा और नकदी मिली है। अब प्रयागराज पुलिस जांच में जुटी है कि ईद के दौरान यहां पर क्या हुआ है।

अतीक-अशरफ को उमेश पाल हत्याकांड मामले में पुलिस ने रिमांड पर लिया था। हत्या वाले दिन दोनों पुलिस के साथ निशानदेही के लिए गए थे। वापसी में उनका मेडिकल काल्विन अस्पताल में हुआ था। वहां से निकलने के बाद मीडिया कर्मियों के वेश में आए अरुण मौर्य, लवलेश तिवारी और सनी ने मौका पाते ही अतीक-अशरफ को गोलियों से भून दिया था।

बसपा प्रत्याशी इलियास अहमद ने किया तूफानी जनसंपर्क

आधुनिक समाचार सेवा

फूलपुर। नगर पंचायत अध्यक्ष पद हेतु इलियास अहमद ने कई वार्डों में किया तूफानी अंदाज में जनसंपर्क ऐतिहासिक टाउन एरिया फूलपुर में लगभग 25 साल से सपा एवं भाजपा के ही प्रत्याशी विजयी होते रहे है वर्ष 2017 मैं समाजवादी पार्टी के काजमीन जहां निर्वाचित हुई थी उनके पांच वर्षों के कार्यकाल में जो भी विकास का कार्य हुआ है वह सिर्फ कागजों पर दिखाई देता है हकीकत में टाउन एरिया फूलपुर में विकास का काम बहुत पीछे रह गया है ना तो यहां महिला डिग्री कॉलेज हैं ना तो कोई पार्क की व्यवस्था है और सबसे बड़ी समस्या दूषित पेयजल का है पूर्व चेयरमैन जब मोहल्ले में जनसंपर्क करती हैं तो जनता 5 साल का हिसाब किताब मांग रही है लोगों का कहना है विकास नहीं तो वोट नहीं इस बार बसपा प्रत्याशी के रूप में इलियास अहमद जो कि

एक व्यापारी हैं इसलिए व्यापारी वर्ग में उनकी पैड बहुत अधिक है नया चेहरा है इस बार लोगों का मन उनके तरफ ज्यादा है इलियास अहमद का कहना है अगर एक बार टाउन एरिया फूलपुर के मतदाता हमें चुनकर टाउन एरिया भेजते हैं तो हम जनता के हित में बहुत ही सराहनीय कार्य करेंगे सबसे पहले हमारी प्राथमिकता है ऐतिहासिक टाउन एरिया फूलपुर में शिक्षा का स्तर को बुलंदियों तक पहुंचाना है और महिला डिग्री कॉलेज बनवाना है ताकि लड़कियों को शिक्षा लेने में कोई कठिनाई ना हो हमारी दूसरी प्राथमिकता स्वच्छ पेयजल घर-घर तक पहुंचाना है हम टाउन एरिया का चतुर्मुखी विकास करेंगे जनता के उम्मीदों पर खरे उतरेंगे इलियास अहमद बुद्धिजीवी एवं युवाओं का पुरजोर समर्थन मिल रहा है सभी वर्ग का उत्साह एवं समर्थन देखकर इलियास अहमद की की जीत दिखाई दे रही है अब देखना यह है आगामी 4 मई को होने वाले चुनाव में किस प्रत्याशी के सिर पर सेहरा बंधता है।

प्रयागराज होटल के कमरे मे फांसी के फंदे से लटका मिला डिप्टी सीएमओ का शव

आधुनिक समाचार

प्रयागराज।प्रयागराज होटल में बेडशीट के फंदे से लटका हुआ डिप्टी सीएमओ का शव पाया गया। जिससे हड़कंप मच गया। सुचना पर पंहुची इलाकाई पुलिस जांच पड़ताल मे जुट गई।

मिली जानकारी के अनुसार सोमवार सुबह करीब दस बजे प्रयागराज के होटल में वाराणसी के रहने वाले प्रयागराज के डिप्टी सीएमओ सुनील कुमार सिंह का सिविल लाइंस के होटल विट्ठल के कमरे में शव मिला है। सोमवार को सबसे पहले होटल के कर्मचारियों ने फंदे पर लटकता हुआ शव देखा। सीएमओ को फोन किया गया। प्रभारी सीएमओ डॉ. अशोक कुमार समेत अन्य अधिकारी मौके पर पहुंच गए। सुचना पर करीब साढ़े दस बजे पुलिस भी मौके पर पहुंची। होटल के कमरा नंबर 106 के दरवाजे को मास्टर चाबी से खोला गया। फोरेंसिक टीम कमरे में साक्ष्य जुटा रही है। डॉ. सुनील कुमार सिंह मूल रूप से बनारस के पांडेयपुर के रहने वाले हैं। वो संचारी रोग के नोडल अधिकारी थे। उनकी पत्नी भी पेशे से डॉक्टर हैं। शव की स्थिति को देखकर

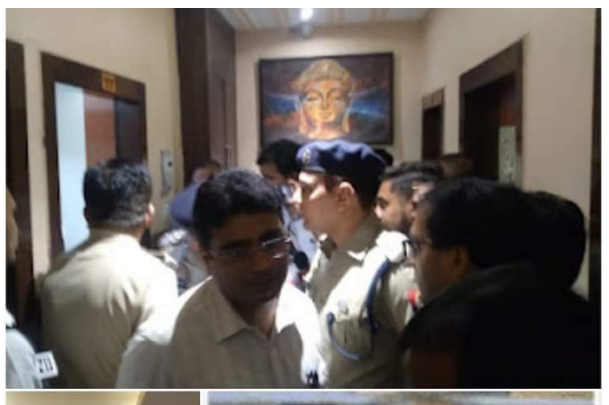

डॉ. सुनील कुमार सिंह

स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने अंदेशा जताया है कि ये सुसाइड नहीं, बल्कि हत्या है। मौके डीएम प्रयागराज संजय कुमार खत्री व डीसीपी नगर दीपक भुकर भी मौके पर पहुंचे हैं। पुलिस का कहना कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मामला स्पष्ट हो पाएगा। फिलहाल पुलिस मामले की छानबीन में जुटी हुई है।

भगवान परशुराम अवतरण समारोह का हुआ भव्य आयोजन, हजारों की संख्या में पहुँचे ब्राह्मण समाज के लोग

देव मणि शुक्ल

नोएडा। भगवान परशुराम अवतरण दिवस के शुभ अवसर पर ब्रह्मास्त्र ब्राह्मण संघ द्वारा नोएडा के सेक्टर -91 स्थित पंचशील बालक इंटर कॉलेज के ऑडिटोरियम हॉल में भगवान परशुराम अवतरण दिवस का आयोजन बड़े धूमधाम से किया गया । इस अवसर पर मुख्य अथिति के रूप में पहुँचे क्षेत्रीय सांसद डॉ0 महेश शर्मा व विशिष्ठ अतिथि के रूप में पहुँचे दिल्ली के सांसद मनोज तिवारी, अलीगढ सांसद सतीश गौतम, एमएलसी श्रीचन्द्र शर्मा, फोनरवा अध्यक्ष योगेन्द्र शर्मा, चेयरमैन जिला पंचायत दादरी गीता पंडित ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया।

वही कार्यक्रम के दौरान गाये गए भक्ति मय भजनों से सभागार में उपस्थित लोग मंत्र मुग्ध हो गए। और समस्त सभागार तालिओं की गड़गडाहट से गूंज उठा।

इस दौरान मुख्य अतिथि सहित मंचासीन सभी सम्मानित अतिथिओं ने भगवान परशुराम की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर भगवान परशुराम का आशीर्वाद लिया। इस दौरान प्रांगण में ब्राह्मण समाज के लगभग पन्द्रह सौ से अधिक प्रतिष्ठित लोग व मात्रशक्ति उपस्थित रही।

वही इस दौरान विशिष्ट अतिथि के रूप में पहुँचे भाजपा के दिल्ली सांसद व भोजपुरी गीतकार मनोज तिवारी ने सभागार में उपस्थित सभी लोगों को भगवान परशुराम जन्मोत्सव की शुभकामनायें देने के साथ साथ उन्होंने अपनी मधुर वाणी

से दिव्य गीतों का गायन कर सभागार में उपस्थिति लोगों का मन मोह लिया जिसमें प्रमुख रूप से 'ऐसा लगता हैं कि सारे संसार में मनती हैं आज भगवान परशुराम जयन्ती हैं ' मंदिर अब बनने लगा हैं, अयोध्या अब सजने लगी हैं ' आदि प्रमुख गीतों से प्रांगण में उपस्थित लोग झूमने लगे वही तालियों कि गंड़गड़ाहट से सभागार गूंज उठा। वही अंत में अभी लोगों को शुभकामनायें दे कर उन्होंने अपनी वाणी को विराम दिया।

जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में आये अलीगढ सांसद सतीश गौतम ने कहा कि ब्राम्हण समाज को अभी भी एक जुटता दिखाने कि जरुरत हैं ब्राह्मण समाज सदैव अग्रणी रहा हैं और रहेगा लेकिन कही न कही हमारी कमजोरी का अन्य लोग फायदा उठाते आ रहे हैं और ऐसे लोगों ने आपस में भिड़ाने का काम किया हैं उसे हमें समझना पड़ेगा।

इस कार्यक्रम में पहुँचे एम एल सी श्री चन्द्र शर्मा ने परशुराम भगवान के मंदिर और ब्राह्मण भवन के निर्माण हेतु फोनरवा अध्यक्ष योगेन्द्र शर्मा के प्रस्ताव का समर्थन किया। भगवान परशुराम के मंदिर के साथ साथ एक इंस्टिट्यूट के लिए एक स्थल की व्यवस्था की जाए जिसमें शिक्षा की व्यवस्था हो गरीब परिवार के योग्य बच्चों को फ्री कोचिंग की व्यवस्था की जाए और उसी में भगवान परशुराम का एल विशाल मंदिर प्रतिष्ठित हो।

वही मुख्य अतिथि के रूप में पहुँचे क्षेत्रीय सांसद डॉ महेश शर्मा ने कहा कि हम सदैव आपके सभी के साथ हैं और भविष्य में भी रहेंगे, रही बात भगवान परशुराम के मंदिर निर्माण की हैं उसके लिए हमारे छोटे भाई एम एल सी श्री चन्द्र शर्मा ने जो कहा हैं उसके लिए में तैयार हूँ इसके लिए एक ट्रस्ट को बनाने की जरुरत हैं जिसमें ब्राम्हण समाज के प्रतिष्ठित व संभरान्त लोगों को जोड़कर एक टीम बनाई जाए और साफ छवि के लोगों को इसमें रखा जाए। अंत में क्षेत्रीय सांसद डॉ महेश शर्मा ने ब्राह्मण भवन और भगवान परशुराम के मंदिर लिए बनने वाले ट्रष्ट को 21 लाख रुपये की धनिराशि देने की घोषणा की । वही भव्य भवन निर्माण के लिए त्रिवेणी अलमीरा के सी एम डी वरुण तिवारी ने 11 लाख रुपये के अलावा लॉरेट बिल्डर के चेयरमैन राजीव शर्मा आदि ने भी विशेष योगदान देने की घोषणा की। आयोजक ब्रह्मास्त्र ब्राह्मण संघ द्वारा ब्राह्मण गौरव सम्मान से 1. तेजस्वी कुमार शर्मा (तीन बार के विश्व योग विजेता) 2. निशा शर्मा (योग में विशिष्ट उपलब्धि के साथ एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड में स्थान)

3. ओजस्वी शर्मा (क्रिकेट में अंडर 16 यूपी टीम में चयनित)

4. निशा पांडेय (नीट परीक्षा में सामान्य वर्ग में 99.97 प्रतिशत के साथ भारत में अंडर 100 में चयनित, वर्तमान में केजीएमसी लखनऊ में एमबीबीएस प्रथम वर्ष में अध्ययन रत)

5. सर्वेश उपाध्याय (योग शिक्षक,विश्व विजेता तेजस्वी शर्मा एवम निशा शर्मा के गुरु) की प्रमाण पत्र और प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

ब्रह्मास्त्र ब्राह्मण संघ के महासचिव डी डी तिवारी, उपाध्यक्ष अनुपम शर्मा, कोषाध्यक्ष सुभाष चंद्र पांडे, पुनीत पांडे, सचिव अनुभव शर्मा, जितेंद्र मिश्रा, महेश काशव,चंद्रेश शर्मा, संगठन सचिव राहुल द्विवेदी, प्रतुल पांडेय,अनुज त्रिपाठी, अभिनव पांडेय, मुकुल बाजपेयी आदि ने उपस्थित हुए शहर के गणमान्य विप्रजनों का स्वागत सम्मान किया।

कार्यक्रम आयोजन समिति के संयोजक त्रिलोक शर्मा, प्रधान मुकेश शर्मा, अखिल शर्मा, हरिदत्त शर्मा, एस सी मिश्रा, टी सी गौर, अशोक शर्मा, विनोद शर्मा, आदि को सफल आयोजन के लिए सभी ने बधाई दी।

रेणुपावर प्राथमिक पाठशाला में ईको क्लब की स्थापना

पर्यावरण संरक्छन हेतु ज्यादा से ज्यादा पौधरोपण करे ---परेश

आधुनिक समाचार सेवा

अनपरा (सोनभद्र)।रेणुपावर प्राथमिक पाठशाला में विद्यालय की प्रधानाध्यापिका डा0 पूनम वार्ष्णेय के देख रेख में ईको क्लब की स्थापना की गई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित ई0आर0 प्रमुख परेश ढोले द्वारा फीता काट कर ईको क्लब का उद्घाटन किया गया ,मुख्य अतिथि सम्मान में विद्यालय के बच्चों द्वारा स्वागत गीत प्रस्तुत किया ततपश्चात विद्यालय की छात्रा कुमारी आराग्या गुप्ता एवं अर्पिता ने सुन्दर कविता पाठ किया ! विद्यालय की प्रधानाध्यापिका ईको क्लब के महत्व एवं उद्देस्य पर प्रकाश डालते हुए बच्चो की सहभागिता सुनिश्चित करने एवं समाज को जागरूक करने का आह्वान किया ! इसी क्रम में मुख्य अतिथि परेष ढोले एवं अधिकारी राजेश राय द्वारा फलदार एवं औषधीय पौधो का पौधरोपण विद्यालय परिसर में किया गया , मुख्य अतिथि ने अपने उद्बोधन में कहा कि धरती के प्राकृतिक सम्पत्ति को बचाने के लिए आज के दिन प्रत्येक वर्ष पृथ्वी दिवस को पूरी दुनिया मनाती है , आज के दिन हम धरती के पर्यावरण तथा उसकी वन सम्पदा संरक्छन को बेहतर बनाने के लिए विश्व पृथ्वी दिवस मनाते है, यदि समय रहते हम पर्यावरण के प्रति गंभीर नहीं होते है तो हमारी आने वाली पीढ़ी को शुद्ध हवा व पानी मिलना मुश्किल होगा , उन्होंने उपस्थित सभी से अधिक से अधिक पौधरोपण के लिए आह्वान किया । अंत में विद्यालय की प्रधानाध्यापिका द्वारा मुख्य अतिथि परेश ढोले एवं अधिकारी राजेश राय को स्मृति चिन्ह के रूप एक एक में पौधा भेट किया गया। ईको क्लब के सदस्य क्रमश संगीता जोशी , मन्जू पाण्डेय के साथ नीलम सिंह, एम0 कुट्टी पापू ने सहयोग किया ! कार्यक्रम को सफल बनाने में मो0 उनीब खान , के0के0त्रिपाठी , शैलेन्द्र कुमार सिंह, सीमा श्रीवास्तव , अशोक कुमार सहित विद्यालय के सभी अध्यापको का सक्रिय सहयोग रहा ! कार्यक्रम का संचालन व समापन सुरुचि सिंह ने किया !

विधायक के आफिस पर भाजपा नेत्री रुक्मिणी सिंह के नेतृत्व में विशाल धरना-प्रदर्शन

आधुनिक समाचार

नोएडा दिल्ली आर के पुरम, सेक्टर -5 स्थित आप पार्टी की क्षेत्रीय विधायक प्रमिला टोकस के खिलाफ क्षेत्र के मज़लूम और गुरवत तथा मुफलिसी के मारे लोगों ने अपने ऊपर ढाए जा रहे सितम के खिलाफ मोर्चा,उस समय खोल दिया।जब दिल्ली शहरी आश्रय सुधार बोर्ड द्वारा आर के पुरम दिल्ली के मोहम्मदपुर गांव की आदर्श बस्ती के बस्ती विकास केन्द्र में,'अनुभव एजूकेशन एंड सोशल वेलफेयर सोसायटी'द्वारा संचालित हो रहे सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र की मान्यता रद्द कर दी गई/ बंद करने के आदेश जारी कर दिया गया,तो मजबूर होकर उन महिलाओं ने भाजपा की युवा नेत्री रुक्मिणी सिंह के नेतृत्व में 22 और 23 अप्रैल को प्रमिला टोकस विधायक के ऑफिस के बाहर विशाल- धरना का आयोजन किया।भाजपा नेत्री व अनुभव एजूकेशन एंड सोशल वेलफेयर सोसायटी की प्रमुख रूक्मिणी सिंह ने हमें बताया कि कोरोना काल में गरीब महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने हेतु हमारी संस्था द्वारा आर के पुरम के मोहम्मदपुर गांव में स्थित आदर्श बस्ती के बस्ती विकास केन्द्र में मुफ्त सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र की शुरुआत की।जिसमें अभी तक 300 से ज्यादा महिलाएं प्रशिक्षित होकर आत्मनिर्भर बन चुकी हैं और आज भी उक्त केन्द्र में लगभग 100 से ज्यादा महिलाएं प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए आती हैं,किंतु हमारी क्षेत्रीय विधायिका द्वारा उक्त सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र को खाली करने का आदेश जारी कर दिया गया है।जब कि उक्त केन्द्र के किराये आदि सभी प्रकार के प्रभारों का भुगतान किया जाता रहा है।

रचित चौहान के हत्यारे जल्द हो गिरफ्तार- डॉ आश्रय गुप्ता

आधुनिक समाचार सेवा

नोयडा।समाजवादी पार्टी के महानगर अध्यक्ष डॉ आश्रय गुप्ता के नेतृत्व में एक प्रतिनिधि मंडल विगत दिनों हुए रचित चौहान हत्याकांड के उपरांत प्रतिनिधि मंडल ने परिजनों से मुलाकात की एवं पूरी घटना की जानकारी ली। पीड़ित परिवार ने बताया कि घटना के समय रचित दुकान से अपने घर आ रहा था घर आने के दौरान वह रास्ते मे फालूदा खाने के लिए रुका जहाँ दो अज्ञात बाइक सवारों ने उसका बैग लूट कर भागने लगे और गोली चला दी जिससे रचित की मौत हो गयी। डॉ आश्रय ने बताया कि समाजवादी पार्टी पीड़ित परिवार के साथ खड़ी है और परिवार की हर सम्भव मदद पार्टी करेगी। पुलिस प्रशासन जल्द से जल्द हत्यारों को गिरफ्तार करे नही तो समाजवादी पार्टी आंदोलन करेगी।प्रतिनिधि मंडल में विपिन अग्रवाल,हर्ष चौहान,अक्षय दुबे,सोनू शर्मा,अतुल सिंह मौजूद थे।

दुद्धी से भाजपा व बसपा ,रेनुकूट व पिपरी से भाजपा अनपरा से भाजपा व सपा उम्मीदवार ने किया नामांकन

आधुनिक समाचार सेवा

दुद्धी/ सोनभद्र।नगर पंचायत चुनाव 2023 - 24 के नाम निर्देशन पत्रों के दाखिले के अंतिम दिन सोमवार को चारों नगर पंचायत क्रमशः दुद्धी , रेनुकूट ,पिपरी ,अनपरा से बीजेपी के उम्मीदवारों कमलेश मोहन ,निशा सिंह , दिग्विजय सिंह ,कैलास चन्द सिंधी (जैन) ने अपने अपने समर्थकों के साथ काफी जोश खरोश के साथ तहसील मुख्यालय पहुँचे और अपना - अपना नामांकन दाखिल किया । इसके अलावा अंतिम दिन दुद्धी नगर पंचायत अध्यक्ष पद हेतु बहुजन समाज पार्टी से अब्दुल खालिक ने भी अपना नामांकन दाखिल किया ।अनपरा नगर पंचायत से कांग्रेस के उम्मीदवार ज्योति प्रकाश व समाजवादी पार्टी के उम्मीदवार प्रशांत कुमार ने अपना नामांकन दाखिल किया । इसके अलावा दुद्धी नगर पंचायत अध्यक्ष पद हेतु अवधेश जायसवाल 2 सेट में , अवधेश कुमार पलटन ने 1 सेट में अपना नामांकन दाखिल किया । रेनुकूट नगर पंचायत से रामनारायण यादव ,प्रतिमा सिंह , अजय राय ,रामकुमार जायसवाल ने अपना नामांकन दाखिल किया । पिपरी से सावित्री सिंह ने एक सेट में , प्रवीण चंद्र पांडेय ने 2 सेट में ,आफताब अहमद ने एक सेट में अपना नामंकन दाखिल किया ।अनपरा नगर पंचायत से निर्दल उम्मीदवारी कर रहे उम्मीदवारों में सत्यांश शेखर ने 1 सेट में , तुलसीराम ने 1 सेट में ,धर्मेंद्र प्रसाद ने 1 सेट में , सुमित कुमार ने 2 सेट में , मुनीराज शाह ने 1 सेट में ,नागेंद्र ने 1 सेट में , अंजनी कुमार ने 1 सेट में , उदय भारती ने 1 सेट में , रामशकल ने 1 सेट में , राजेश कुमार ने 1 सेट में , सरोज यादव ने 1 सेट में ,इम्तियाज शेख ने 1 सेट में अपना नामांकन दाखिल किया ।वहीं नगर पंचायत दुद्धी के विभिन्न वार्डों से 34 , रेनुकूट के विभिन्न वार्डों से 11 ,पिपरी के विभिन्न वार्डों से 16,अनपरा से विभिन्न वार्डों से 45 लोगों ने अपना नामांकन दाखिल किया।

इस मौके पर क्षेत्रीय विधायक रामदुलार सिंह गोंड चुनाव प्रभारी अरविंद पाण्डेय ,संयोजक रामेश्वर राय, दुध्दी मण्डल प्रभारी सोनाबच्चा अग्रहरि, पूर्व जिला मंत्री दीपक सिंह, जिला महामंत्री जीत सिंह खरवार युवा मोर्चा जिला उपाध्यक्ष सुमीत सोनी, जिला मंत्री आशीष अग्रहरि मौजूद रहें।

दुद्धी के विभिन्न वार्डों के भाजपा प्रत्याशियों ने किया नामंकनः स्थानीय नगर पंचायत के वार्ड नं 1 से निरंजन कुमार , वार्ड नं 2 से रंजना देवी ,वार्ड नं 3 से सरोज देवी ,वार्ड नं 4 से दशरथ घसिया , वार्ड 5 से चमेली देवी ,वार्ड 6 से प्रेमनारायण सिंह ,वार्ड 7 से कुमारी पूजा ,वार्ड 8 से धीरज जायसवाल ,वार्ड नं 9 से काननबाला ,वार्ड 10 से वरुण जौहरी वार्ड 11 से इस्तियाक ने भारतीय जनता पार्टी से सोमवार को अपना नामंकन दाखिल किया।

राजनीतिक दलों ने नामांकन के अंतिम दिन किया शक्ति प्रदर्शनः नामांकन के अंतिम दिन विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रत्याशियों ने अपने अपने समर्थकों के साथ नामांकन के बहाने जुलूस निकाल कर शक्ति प्रदर्शन भी किया जिससे समूचा क़स्बा भीड़ मय रहा और जगह जगह जाम की स्थिति भी बनी रही ,इस दौरान प्रदेश में लागू धारा 144 की जमकर धज्जियां उड़ी ,प्रशासन बेबस व लाचार दिखी , चारों नगर पंचायत के विभिन्न उम्मीदवार अपने अपने समर्थकों के साथ नामांकन दाखिला हो जाने तक क़स्बे में जमे रहे।

एनटीपीसी सिंगरौली में आयोजित बाल भवन के वार्षिक उत्सव में बच्चों ने बिखेरा विविध रंग

आधुनिक समाचार सेवा

सिंगरौली। बच्चों का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित करने के उद्देश्य से एनटीपीसी सिंगरौली, वनिता समाज द्वारा संचालित बाल भवन के वार्षिक उत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बच्चों ने रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किया एवं सभी अभिभावकगण ने बच्चों का हौसला बढ़ाया। कार्यक्रम का शुभारंभ, श्री राजीव अकोटकर मुख्य अतिथि के अभिनंदन दीप प्रज्ज्वलन एवं एनटीपीसी गीत से किया गया।

अपने स्वागत सम्बोधन में श्रीमती आरती बेहरा, बाल भवन प्रभारी, वनिता समाज ने कहा कि बाल भवन इस क्षेत्र का काफी प्रसिद्ध एवं पुराना विद्यालय है जो नन्हें-मुन्ने बच्चों को प्रारम्भिक एवं गुणात्मक शिक्षा प्रदान करता है। इस विद्यालय द्वारा अभी तक कुल हजारों बच्चों को शिक्षा प्रदान की गई है एवं वर्तमान में 70 बच्चे शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। श्रीमती आरती बेहरा ने सभी अविभावकगण के प्रति आभार प्रकट किया एवं बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

तदुपरान्त स्वागत नृत्य, तितली नृत्य, श्री कृष्ण नृत्य, स्टेट डांस, नाट्य मंचन, कार्टून आदि की रंगारंग प्रस्तुति से बच्चों द्वारा सभी का का मन मोह लिया गया । इस अवसर पर श्रीमती वंदना यादव, सचिव बाल भवन द्वारा बाल भवन की वार्षिक रिपोर्ट भी प्रस्तुत की गई।

इस अवसर पर विचार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री राजीव अकोटकर, परियोजना प्रमुख ने बच्चों के प्रस्तुति कौशल को सराहा एवं एनटीपीसी प्रबंधन द्वारा निरंतर सहयोग प्रदान करने का आश्वासन दिया एवं सभी बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई । श्रीमती ईरा, बाल भवन समिति सदस्या द्वारा सभी उपस्थित जनों के प्रति आभार ज्ञापन एवं राष्ट्र गान के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया।

इस अवसर पर श्री सतीश कुमार गुजरानिया, महाप्रबंधक (प्रचालन एवं अनुरक्षण), श्रीमती पीयूषा अकोटकर, अध्यक्षा, वनिता समाज, श्रीमती भानुमती गुजरानिया, उपाध्यक्षा, वनिता समाज, श्री एलके बेहरा, महाप्रबंधक (प्रोजेक्ट), श्री प्रबोध कुमार, महाप्रबंधक (ईंधन प्रबंधन), श्री अशोक कुमार सिंह , महाप्रबंधक (प्रचालन), श्रीमती रंजू कुमारी सिंह, वरिष्ठ सदस्या, वनिता समाज, श्री अमरीक सिंह भोगल, महाप्रबंधक (अनुरक्षण), श्रीमती नील कमल भोगल, कल्याण प्रभारी, श्री जोसफ बास्टियन, महाप्रबंधक (ऐश डाइक प्रबंधन), श्री सिद्धार्थ मण्डल, मानव संसाधन प्रमुख, बाल भवन-वनिता समाज की वरिष्ठ सदस्याएं, एनटीपीसी सिंगरौली के वरिष्ठ अधिकारीगण, बाल भवन बच्चों के अभिभावकगण आदि उपस्थित रहें।

एनटीपीसी सिंगरौली में हर्षोल्लास से मनाया ईद का त्योहार

आधुनिक समाचार सेवा

एनटीपीसी सिंगरौली। शक्तिनगर द्वारा हर्षोल्लास के साथ ईद-उल-फितर मनाई गई। इस अवसर पर एनटीपीसी सिंगरौली द्वारा सभी के लिए इफ्तारी का भव्य आयोजन किया गया एवं सभी ने एक दूसरे को गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री राजीव अकोटकर, परियोजना प्रमुख, एनटीपीसी सिंगरौली रहे। श्री राजीव अकोटकर द्वारा सभी को ईद के मौके पर शुभकामनाएं दी एवं सभी के सुख, शांति एवं समृद्धि की कामना की गयी।

इस अवसर पर श्री सतीश कुमार गुजरानिया, महाप्रबंधक (प्रचालन एवं अनुरक्षण), श्री एलके बेहरा, महाप्रबंधक (प्रोजेक्ट), श्री प्रबोध कुमार, महाप्रबंधक (ईंधन प्रबंधन), श्री अशोक कुमार सिंह, महाप्रबंधक (प्रचालन), श्री अमरीक सिंह भोगल, महाप्रबंधक (अनुरक्षण), श्री जोसफ बास्टियन, महाप्रबंधक (ऐश डाइक प्रबंधन), श्री सिद्धार्थ मण्डल, मानव संसाधन प्रमुख, यूनियन एवं एसोशिएशन के पदाधिकारिगण आदि ईद समारोह में शामिल हुए। कार्यक्रम का आयोजन एनटीपीसी सिंगरौली की ईद मिलन समिति द्वारा किया गया।

मिर्जापुर में आरएसएस में 16 वर्ष की अवस्था में जुड़ने के साथ ही अपना जीवन और जवानी संगठन को देने वाले भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य मनोज श्रीवास्तव ने रविवार को बगावत का बिगुल फूंक दिया। वह नगर पालिका परिषद अध्यक्ष पद के लिए सोमवार को नामांकन दाखिल करेंगे। बजरंग दल, विश्व हिंदू परिषद और भाजपा में सेवा करते हुए श्रीरामजन्म भूमि आंदोलन से जुड़े रहे । मनोज श्रीवास्तव के बागी तेवर के चलते बाजी पलट सकती हैं।

भारतीय जनता पार्टी के दो उम्मीदवार राबर्ट्सगंज से रुबी प्रसाद एवं चुर्क से मीरा यादव ने नामांकन किया

आधुनिक समाचार सेवा
चिन्ता पान्डेय

सोनभद्र/जनता पार्टी सोनभद्र के एक मात्र नगर पालिका परिषद राबर्ट्सगंज से भाजपा के अधिकृत उम्मीदवार रुबी प्रसाद व नगर पंचायत चुर्क से मीरा यादव ने नामांकन किया।

राबर्ट्सगंज नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष पद के लिए रुबी प्रसाद व चुर्क नगर पंचायत से मीरा यादव ने तहसील मुख्यालय राबर्ट्सगंज पहुंचकर अपना अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। नामांकन दाखिल के पूर्व भारी संख्या में कार्यकर्ता भाजपा जिला कार्यालय राबर्ट्सगंज पर पहुंचे और प्रत्याशी के साथ नामांकन स्थल पर पहुंचकर नामांकन दाखिल कराया साथ में महिला मोर्चा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व राज्यसभा सांसद दर्शना सिंह जी काशी क्षेत्र के महामंत्री/जिला प्रभारी सोनभद्र अशोक चौरसिया जी भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत चौबे, घोरावल विधायक डॉ0 अनिल कुमार मौर्या, सदर विधायक भूपेश चौबे, पूर्व विधायक तिरथराज जी, अनुसूचित मोर्चा के क्षेत्रीय अध्यक्ष सदर ब्लॉक प्रमुख अजीत रावत, नगवां ब्लॉक प्रमुख आलोक सिंह, पूर्व जिलाध्यक्ष धर्मवीर तिवारी, जिला उपाध्यक्ष ई. रमेश पटेल, अशोक मौर्या, ओमप्रकाश दूबे, उदयनाथ मौर्या, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष अमरेश पटेल, जिला पंचायत सदस्य मनोज सोनकर, रविन्द्र केशरी, कृष्णमुरारी गुप्ता, जिला मिडियाप्रभारी अनूप तिवारी सहित नगर के संभ्रांत व्यवसायी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

100% Placement

सीधे प्रवेश

15% Fee Concession

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र

(भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त)
(पहले आओ पहले पाओ)

❖ प्रशिक्षण में उत्तीर्ण होने वाले छात्रों को रोजगार पाने का पूर्ण अवसर
❖ हाइस्कूल में 60% से उपर अंक लाने वाले छात्रों को प्रशिक्षण शुल्क में 15% प्रतिशत की छूट दी जायेगी।

➢ कम्प्युटर आपरेटर (कोपा)
➢ डेटा इंट्री आपरेटर
➢ फायर सेफ्टी
➢ कम्प्युटर टीचर ट्रेनिंग
➢ इलेक्ट्रीशियन
➢ सीएनसी प्रोग्रामिगं
➢ इलेक्टिक मैकेनिक

फिटर
वेल्डर
सीसीए
रेफ्रीजरेटर एवं ए.सी.
सिक्योरिटी सर्विस
बेसिक कम्प्युटर
कम्प्युटर हाडवेयर

Apply Online: www.nainiiti.com | Mail us at – info@nainiiti.com

प्रवेश हेल्पलाइन नं0
8081180306 , 9415608710 , 8103021873

⇨ इण्डियन कॉफी हाउस के सामने तुलसीयानी प्लाजा , तीसरी मंजिल , सिविल लाइन , प्रयागराज।

चश्मा हटाने के लिए अपनाएं ये उपाय

आजकल हर उम्र के लोगों को चश्मा पहने देखा जाता है। अधिक समय तक कंप्यूटर पर काम करना, टीवी देखना या फिर मोबाइल यूज़ करना इनसे हमारी आंखे दर्द करने लगती है। आंखों की रोशनी

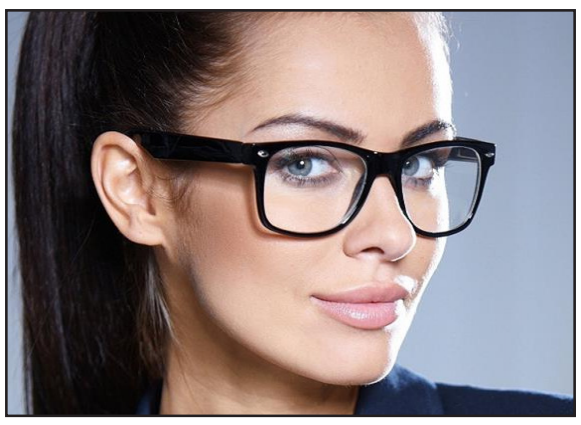

कम होने पर चश्मा चढ़ जाता है। कम उम्र में चश्मा चढ़ जाना एक मुसीबत बन जाता है। आज हम आपको कुछ घरेलू उपाय बताएंगे, जिससे आप चश्मे से छुटकारा पा सकते हैं। कुछ लोगों में चश्मा चढ़ने की समस्या जेनेटिक भी होती है। खराब खान पान, उम्र बढ़ने और ज्यादा तनाव की वजह से भी चश्मा चढ़ता है। एक पेंसिल को आंखों के सामने एक हाथ की दूरी पर रखें और उसे लगातार देखते रहें। अब धीरे-धीरे नाक के पास लाएं। जैसे-जैसे पेंसिल पास आएगी, उतना ही इससे फोकस खत्म होगा। ऐसा दिन में कम से कम 10 बार दोहराएं। आंखों को कुछ सेकेंड के लिए क्लॉकवाइज और एंटी क्लॉकवाइज घुमाएं। ऐसा दिन में 4 से 5 बार दोहराएं।आंखों को आंवला के पानी से धोएं। इससे आंखे स्वस्थ रहती है। रात को 7-8 बादाम भिगोकर रख दें। सुबह उठकर इन्हें पीसकर पानी में डालकर खाएं।

इन तीन कारणों से थायराइड रोग का हो सकते हैं आप शिकार,शरीर देता है ऐसे संकेत

थायरॉइड गले में तितली के आकार का ग्लैंड होता है। यह गले में ठीक सामने की ओर मौजूद होता है। थायरॉयड ग्लैंड हार्मोन बनाता है, जो व्यक्ति के शरीर के मेटाबॉलिज्म (हम जो भोजन खाते हैं, यह उसे ऊर्जा में बदलने का काम करता है) को बढ़ाने का काम करता है। साथ ही यह बॉडी सेल्स को कंट्रोल करने का काम करता है। शरीर की सभी प्रक्रियाओं को थायरॉइड हार्मोन नियंत्रित करता है। जब इस ग्लैंड में गड़बड़ी हो जाती है तो व्यक्ति को थायरॉइड से संबंधित रोग होते हैं।

आज हम आपको इस आर्टिकल में बताएंगे कि थायरॉइड किन चीजों से बढ़ने लगता है। इस बारे में न्यूट्रिशनिस्ट मनोली मेहता जानकारी दे रही हैं। बता दें कि न्यूट्रिशनिस्ट मनोली मेहता डायबिटीज शिक्षक और वेट मैनेजमेंट स्पेशलिस्ट हैं। लेकिन उससे पहले हले थायरॉइड बढ़ने के लक्षणों के बारे में जानकारी होना जरूरी है।

लक्षण

मसल्स में कमजोरी और दर्द
दिल की धड़कन बढ़ना
पीरियड्स में गड़बड़ी
बालों का झड़ना
ज्यादा भूख लगना
ज्यादा पसीना आना
चिड़चिड़ापन
वेट लॉस
घबराहट
अनिद्रा

सेलेनियम की कमीः हाशिमोटो (यह एक ऑटोइम्यून विकार है, जो थायरॉयड सेल्स को नष्ट कर देता है) से पीड़ित व्यक्तियों में सेलेनियम की कमी सबसे आम पोषक तत्व की कमी होती है। बता दें कि यह

पोषक तत्व थायरॉइड के कामों के लिए काफी महत्वपूर्ण है। इसलिए इसके सप्लीमेंट लेने से न सिर्फ ऑटोइम्यून रोग के ट्रिगर्स से बचने में सहायता मिलती है। बल्कि थायरॉइड एंटीबॉडी के हाई लेवल को भी कम करने का काम करता है। सेलेनियम ग्लूटाथियोन का उत्पादन करता है, जिसके कारण थायरॉयड ग्लैंड को सूजन से बचाता है। यह एक एंटीऑक्सीडेंट के तौर पर काम करता है। साथ ही यह बालों को झड़ने से भी रोकता है।

ग्लूटेन का सेवनः ग्लूटेन में पाए जाने वाले प्रोटीन को ग्लियाडिन कहा जाता है। इसकी मॉलिक्यूलर संरचना थायरॉइड के जैसी होती है। इसलिए जब भी ग्लूटेन वाले खाने को खाया जाता है, तो यह ब्लडस्ट्रीम में प्रवेश कर जाता है। ब्लडस्ट्रीम में जाने पर यह खाने को पचाने की जगह उस पर हमला करना शुरू कर देता है। साथ ही ग्लूटेन के सेवन से शरीर में एलर्जी और सूजन की समस्या भी हो सकती है।

कॉर्ब्स से भरपूर ब्रेकफास्टः हर व्यक्ति को डाइट में कम से कम कार्बोहाइड्रेट वाली चीजों को शामिल करना चाहिए। क्योंकि इनमें कैलोरी की मात्रा अधिक पाई जाती है। अधिक कैलोरी थायरॉइड के काम में रुकावट पैदा करती है। इसके साथ ही कार्ब्स के सेवन से मेटाबॉलिक रेट धीमा हो जाता है। इसलिए आपको अपने दिन की शुरूआत अच्छी गुणवत्ता वाले प्रोटीन कॉम्प्लेक्स कार्ब्स आदि से करनी चाहिए। अपनी डाइट में आप एवोकाडो, अंडे, ग्लूटेन फ्री ब्रेड या ओट्स, अखरोट, ब्लूबेरी और बादाम के दूध को शामिल कर सकते हैं।

रोज खाएं अमरूद, रहें कई परेशानियों से दूर

अमरूद में विटामिन सी, विटामिन ए, विटामिन बी2, ई और के, फाइबर, कैल्शियम, आयरन तत्व काफी मात्रा में मौजूद होते है। इसीलिए तो अमरूद को सूपर फ्रूट कहा जाता है। अमरूद का सेवन करने से कई बीमारियां और परेशानियां दूर होती है। आइए जानते है अमरूद हमे कौन-कौन सी परेशानियों से बचाता है।

आंखों की रोशनी तेज

आंखों की रोशनी के लिए विटामिन ए आवश्यक तत्व है और अमरूद में यह तत्व भरपूर होता है। इसलिए रोजाना अमरूद का सेवन करना चाहिए। इससे रतौंधी का खतरा काफी कम होता है और आंखों की रोशनी तेज होती है। आप अमरूद का जूस बना कर भी पी सकते है।

दमकती त्वचा

कम उम्र में ही त्वचा पर झुर्रियां पड़ने की शिकायत होने लगती है और चेहरे पर कालापन आने लगता है। ऐसे में लाल रंग का अमरूद त्वचा के लिए काफी सहायक होता है। इसमें मौजूद एंटीआक्सीडेंट हमारी त्वचा को नुकसान पहुंचाने से रोकते है।

थॉयराइड प्रॉबल्म

अमरूद में मौजूद कॉपर थायराइड के लिए आवश्य तत्व है। अमरूद वजन कंट्रोल करने में भी मददगार साबित होता है। इसलिए थॉयराइड मरीजों को रोजाना अमरूद का सेवन करना चाहिए और साथ ही अमरूद के पत्तों को चाय के रूप में सेवन करें।

हृदय संबंधी बीमारियां

कम उम्र से लेकर उम्रदराज लोग हृदय संबंधी बीमारियों से ग्रस्त होने लगे हैं। ऐसे में नियमित अमरूद के सेवन से रक्तचाप में कमी आती है और वसा भी कम होता है।

कैंसर से बचाव

अमरूद में कैंसर रोधी और ट्यूमर रोधी तत्व मसलन लाइकोपीन, विटामिन सी, पोलिफेनोल्स मौजूद हैं, जो कैंसर और ट्यूमर के खतरे को कम करते है। इसके अलावा अमरूद ब्रेस्ट, मुंह, त्वचा, पेट आदि कैंसरों में भी लाभकारी होता है।

1 गिलास पानी देता हैं किडनी मरीजों को जीवनदान

किडनी हमारे शरीर का एक ऐसा अंग है, जिसकी मदद से हानिकारक टॉक्सिन्स यूरिन के जरिए शरीर से बाहर निकलते है लेकिन लाइफस्टाइल के बदलने से हमारे खानपान में भी बदलाव आ गया है। इसीं के कारण हम स्वस्थ खाना नहीं खाते और अपनी किडनी का ध्यान नहीं रख पाते, जिसकी वजह से किडनी संबंधी कई समस्याएं होने लगती है।

किड़नी की बीमारी को साइलेंट किलर कहा जाता है। इस बीमारी का पता शुरूआत में पता नहीं लगता। इसलिए इस बात का ख्याल रखना चाहिए कि हमारी किडनी पर हमारी जीवनशैली का कोई प्रवाभ ना पड़े। क्या आप जानते किडनी फैल होने का सबसे बड़ा कारण पानी की कमी का होना है। अगर किडनी का मरीज एक ग्लास पानी पीएं तो वह उसके लिए बरदान साबित हो सकता है। आइए जानते है कैसे...

शरीर में पानी की कमी से बॉडी डिहाइड्रेट हो जाती है जिससे ऑर्गन फेल होने का खतरा होता है।

किडनी शरीर में से हानिकारक टॉक्सिन्स को यूरिन के जरिए बाहर निकालता है। अगर शरीर में पानी ही नहीं होगा तो किडनी पर दबाव ही पड़ेगा। एक शोध के मुताबिक करीब 13 हजार मरीज किडनी फेल हो जाने की वजह से अस्पतालों में दम तोड़ देते हैं और इसके लिए पानी की कमी को सबसे बड़ा कारण माना जाता है।

कई बार पानी की कम मात्रा लेने से किडनी के अंदर घाव बन जाते हैं, जो किडनी को डैमेज कर देता है।

ज्यादा उम्र के लोगों, दिल के मरीजों और डायबिटीज के मरीज़ों को किडनी की बीमारी होने का खतरा सबसे ज्यादा होता है। इसलिए जरूरी है कि अधिक से अधिक पानी पीया जाएं।

कहा जाता है किसी बीमारी का इलाज करने से बेहतर है आपकी सतर्कता। अगर आप अपनी किडनी को सेहतमंद बनाना चाहते है तो अधिक से अधिक पानी का सेवन करें क्योंकि एक ग्लास पानी हजारों लोगों को दें सकता है जीवन।

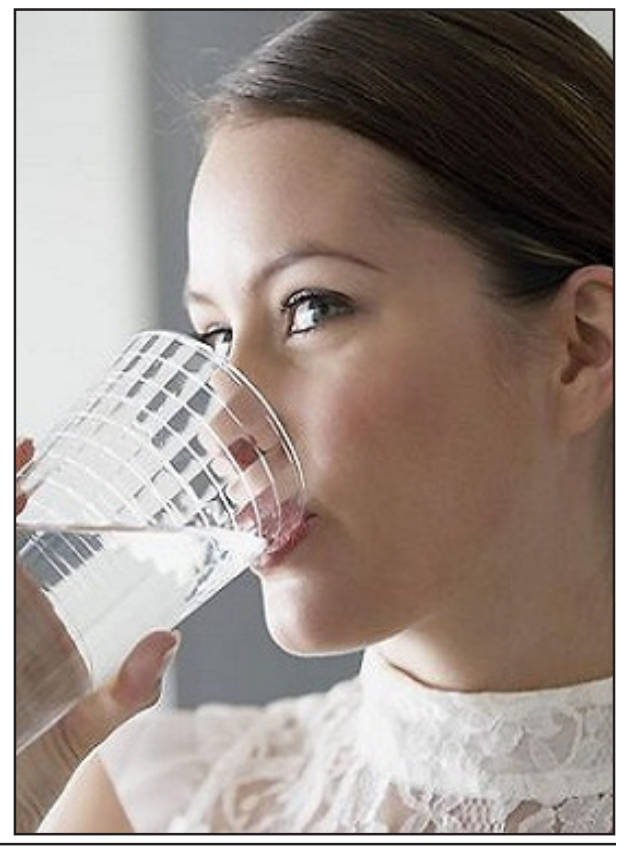

ई-कॉमर्स दुनिया को बनाएं अपना ग्राहक

ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म से जुड़कर आप घर बैठे अपने व्यापार को नई ऊंचाइयों तक पहुंचा सकते हैं, साथ ही अपनी आमदनी में भी अच्छा-खासा इजाफा कर सकते हैं। आपने गौर किया होगा कि अकसर अखबारों के पहले ही पन्ने पर किसी ऑनलाइन कंपनी का पूरे पेज का विज्ञापन नजर आता है। टीवी चालू करने पर अमेजन, फ्लिपकार्ट जैसी कंपनियों की साड़ी, जूते-चप्पल, किचन और घर-गृहस्थी से जुड़े एक से बढ़कर एक स्टाइलिश सामानों पर आकर्षक ऑफरों की भरमार लगी होती है। ये लुभावने विज्ञापन देखकर लोग घर पर बैठे-बैठे हजारों की शॉपिंग कर डालते हैं। अगर आप किसी प्रोडक्ट के उत्पादक हैं, व्यवसायी हैं या घर पर ही छोटे स्तर पर सामान बनाते हैं तो अपने सामान को ऑनलाइन उपलब्ध कराकर दुनियाभर में अपने ग्राहक बना सकते हैं। यहां आपको अपने उत्पाद की ज्यादा कीमत मिल जाती है और अगर आपके उत्पाद ने किसी बड़े बिजनेस समूह का ध्यान आकर्षित कर लिया तो आपके वारे-न्यारे हो सकते हैं। पिछले साल भारत में ऑनलाइन शॉपिंग का बाजार सवा लाख करोड़ रुपए का था, जिसके दिसंबर 2016 तक 2.1 लाख करोड़ रुपए हो जाने की उम्मीद है। ऑनलाइन शॉपिंग का बाजार काफी तेजी से बढ़ रहा है, यही वजह है कि व्यापारियों के लिए इसमें मुनाफा भी ज्यादा है और भविष्य के लिए बेहतर संभावनाएं भी हैं। रांची, मेरठ, देहरादून जैसे शहरों में ई-कॉमर्स का विस्तार काफी तेजी से हो रहा है।

फायदे का सौदाः ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर आने का सबसे बड़ा फायदा ये है कि आपका व्यापार चाहे किसी भी शहर में हो, लेकिन आप अपने ग्राहक दुनिया के किसी भी कोने में बना सकते हैं। दुनिया के दूसरे छोर पर बैठा शख्स भी आपके उत्पाद को सिर्फ माउस के एक क्लिक पर खरीद सकता है, जिससे आपकी कमाई तो बढ़ती ही है, साथ ही आपको और आपके उत्पाद को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान भी मिलती है। केंद्र सरकार के डिजिटल इंडिया अभियान के तहत गांव-गांव तक इंटरनेट पहुंचाया जा रहा है। ऐसे में ऑनलाइन शॉपिंग का भविष्य उज्ज्वल है और आप भी इसका जमकर फायदा उठा सकते हैं। विश्व प्रसिद्ध खुर्जा पॉटरी और क्रॉकरी अमेजन, फ्लिपकार्ट, शॉपक्लूज, शॉपगाथा, इंडियामार्ट जैसी दर्जनों ऑनलाइन वेबसाइटस पर उपलब्ध हैं। झारखंड की टसर सिल्क साड़ियां हों या बिहार के भागलपुर की ताना-बाना साड़ियां,उत्तर प्रदेश के भदोही के कालीन हों या मुरादाबाद का पीतल का सामान, ये सब सामान ऑनलाइन शॉपिंग के जरिए आसानी से बेचे जा रहे हैं। इसी तरह आप भी अपना सामान ऑनलाइन बेचकर अपना बिजनेस बढ़ा सकते हैं। **ऑनलाइन लिस्टिंगः** ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म से जुड़ने के लिए कुछ प्रक्रियाओं को पूरा करना पड़ता है। मसलन अमेजन या स्नैपडील जैसी ऑनलाइन कंपनियों पर अपना सामान बेचने के लिए आपकी कंपनी रजिस्टर्ड होनी जरूरी है। कंपनी के रजिस्ट्रेशन के लिए पैन कार्ड, वैट, टिन (टैक्स पेयर आइडेंटिटी नंबर) या सीएसटी (सेंट्रल सेल्स टैक्स नंबर) आदि का ब्यौरा होना चाहिए। नोएडा में स्नैपडील से रजिस्टर्ड चार्टर्ड अकाउंटेंट रजत कुचल का कहना है, /पैन, वैट, टिन या सीएसटी जैसे दस्तावेज बनवाने की फीस हर राज्य में अलग-अलग होती है। अगर उत्तर प्रदेश की बात करें तो यहां ये दस्तावेज बनवाने के लिए फीस लगभग 25 हजार रुपए लगती है, जो 2 या 3 सालों में रीफंड हो जाती है। लेकिन अगर कोई व्यापारी दो वैट रजिस्टर्ड लोगों की गारंटी देता है तो उसे ये फीस नहीं देनी पड़ती। इस काम को करने के लिए सीए अपनी प्रोफेशनल फीस 10 हजार रुपए के लगभग लेते हैं। यानी यूपी में आप लगभग 35 हजार रुपए में अपने व्यापार को ऑनलाइन ले जा सकते हैं। एक बार आपके पास पैन, वैट, टिन या सीएसटी नंबर आ जाता है तो उसके बाद आप अपना प्रोडक्ट बेचने के लिए किसी भी ऑनलाइन कंपनी से संपर्क कर सकते हैं। आजकल ज्यादातर ऑनलाइन

कंपनियां बड़े पैमाने पर सामान बेचने के लिए व्यापारियों को आमंत्रित कर रही हैं। एक बार रजिस्टर होने के बाद आप अपने असीमित उत्पाद ऑनलाइन लिस्ट कर सकते हैं। इसके बाद जैसे ही ग्राहक आपके उत्पाद को ऑनलाइन खरीदेगा, कंपनी आपको अलर्ट भेज देगी। कंपनी आपको उत्पाद की पैकिंग के दिशा-निर्देश देगी और उसकी तरफ से प्रोडक्ट की डिलिवरी ग्राहक तक करवाई जाएगी। एक बार ऑर्डर प्लेस होने के बाद एक-दो हफ्ते में कंपनी की तरफ से आपकी बकाया राशि का भुगतान कर दिया जाता है।**लिस्टिंग से जुड़े सवालों के जवाबः** ई-कॉमर्स पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन होने के बाद कंपनी की तरफ से उत्पाद को ऑनलाइन लाइव करने का काम किया जाता है। वेंडर तकनीकी मदद के लिए सर्विस प्रोवाइडर नेटवर्क (सीपीएन) से मदद मांग सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए कंपनी के कस्टमर केयर में बात की जा सकती है। सीपीएन बिक्री बढ़ाने से जुड़ी सेवाओं के बारे में भी बताता है, जैसे कि उत्पाद को होमपेज या टॉप लिस्ट में दिखने पर ज्यादा ऑर्डर मिलने की संभावना होती है। **कितनी है कमाईः** अब सबसे महत्वपूर्ण बात है कमाई की। आपका सामान तो ग्राहक तक पहुंच गया, लेकिन उसमें आपकी आमदनी कितनी हुई। उदाहरण के तौर पर हैंडीक्राफ्ट या कांच का सामान 1000 रुपए का बिका। इन 1000 रुपयों में से करीब 150 रुपए ई-कॉमर्स कंपनी सभी टैक्स मिलाकर काट लेती है और शेष बचने वाले 850 रुपए 15 दिनों के अंदर आपके बैंक खाते में जमा कर दिए जाते हैं। यानी उत्पाद की कीमत का करीब 15 फीसदी ई-कॉमर्स कंपनी अपने पास रखती है। इसमें आपके उत्पाद को वेबसाइट पर लिस्ट करने की फीस, डिलिवरी चार्जेज और सर्विस टैक्स शामिल होते हैं। **स्टोरेज की व्यवस्थाः** अगर आपके पास स्टोरेज की समस्या है तो ई-कॉमर्स कंपनियों ने इसके लिए अपने वेयरहाउस भी खोल रखे हैं, जहां आप अपने उत्पाद सुरक्षित रख सकते हैं। लेकिन इसके लिए आपको अतिरिक्त पैसे खर्च करने होंगे। स्टोरेज के लिए आमतौर पर ये कंपनियां करीब 15 रुपए प्रति क्यूबिक फीट की दर पर चार्ज करती हैं। इसके अलावा प्रोडक्ट का पैंकग चार्ज अमूमन 10 से 30 रुपए के लगभग हो सकता है। इस तरह ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर आने के बाद आप अनगिनत कंपनियों के साथ जुड़कर अपने बिजनेस को नई ऊंचाइयों तक पहुंचा सकते हैं। **कुछ उपयोगी टिप्सः** अगर आपके उत्पाद की बिक्री हो रही है तो टर्नओवर की बढ़त के अनुसार आप ई-कॉमर्स कंपनी के साथ प्रॉफिट शेयरिंग में हिस्सा बढ़ाने के लिए मोलभाव कर सकते हैं। मांग के हिसाब से वेंडर अपनी ओर से पहल कर अपनी बिक्री बढ़ा सकते हैं। मसलन, तीज का त्योहार आने वाला है। ऐसे में साड़ी बेचने वाले वेंडर साड़ियों के साथ सुहाग का सामान और इससे जुड़ी एक्सेसरीज का बास्केट बनाकर कंपनी को दे सकते हैं। ऑनलाइन इन सामानों की उपलब्धता होने पर खरीददार इनकी इकट्ठी खरीदारी करने को भी तैयार होते हैं।ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर पुराने स्टॉक या सीजनल स्टॉक के क्लियरेंस के लिए टाई-अप कर सकते हैं। इसके तहत ई-कॉमर्स कंपनियां ग्राहक को एक के साथ एक फ्री या टू प्लस वन जैसे ऑफर देकर खरीदारी के लिए लुभाती हैं। **ई-कॉमर्स से जुड़ी महत्वपूर्ण बातेंः** वेंडर की लोकेशन बहुत मायने रखती है। जिस इलाके से कंपनी को ज्यादा ऑनलाइन ऑर्डर मिलते हैं, कंपनी वहीं वेंडर बनाने को वरीयता देती है, क्योंकि इससे शिपिंग चार्जेज में बचत होती है और प्रोडक्ट की डिलिवरी भी जल्दी हो जाती है। इस संबंध में जरूरी पड़ताल कर लें। हर कंपनी की व्यवसाय संबंधी और पेमेंट नीति अलग-अलग होती हैं। वेंडर कंपनी को कितना क्रेडिट दे पाता है, यह भी मायने रखता है। कंपनी और वेंडर का मुनाफा प्रॉफिट-शेयरिंग पर और उत्पाद की मांग पर निर्भर करता है। अगर एक वेंडर के पास अलग-अलग ब्रांड में कई वैरायटी का सामान उपलब्ध है तो कंपनी उसी के साथ जुड़ना पसंद करेगी। ज्यादा वेंडर बनाने पर कंपनी को अपना मुनाफा भी बांटना पड़ता है, जिससे उसका शुद्ध लाभ कम हो जाता है।

बीयर पीने के वो फायदे जो आपको कोई नहीं बतायेगा

बीयर या एल्कोहल (शराब) पीने को सामान्य तौर पर लोग बुरी आदत के तौर पर देखते हैं। कहा जाता है कि बीयर से पेट निकल जाता है और आदमी एल्कोहल का एडिक्ट भी बन जाता है। लेकिन आज हम आपको बीयर पीने से होने वाले उन फायदों के बारे में बताने जा रहे हैं जो शायद कोई भी आपको नहीं बताएगा..

बीयर पीने की आदत है और आपको इसकी तलब लगती है तब तो ये चिंता की बात है लेकिन अगर आप इसे सिर्फ शौक के लिए या दोस्तों के साथ पार्टी करने के दौरान पी रहे हैं तो चिंता की बिलकुल कोई बात नहीं है। इसका एक संतुलित सेवन आपके स्वास्थ्य के लिए बढ़िया है और ये नुक्सान नहीं पहुंचाती है। कई रिसर्च में ये सामने आ चुका है कि संतुलित मात्रा में पीने वाले, ज्यादा पीने वालों या बिलकुल ही न पीने वालों की अपेक्षा अधिक लंबा जीवन जीते हैं। बीयर संतुलित मात्रा में पीने के लिए उपयुक्त है। इसमें एल्कोहल की मात्रा वाइन और व्हिस्की के मुकाबले कम होती है।

शायद आप नहीं जानते लेकिन बीयर भी किसी फ्रूट जूस के जितनी ही नेचुरल होती है। वैज्ञानिकों के मुताबिक बीयर में भी वही सारे गुण मौजूद होते हैं जो कि ओरेंज जूस में मौजूद होते हैं। बीयर में किसी भी तरह के प्रिजरवेटिव की ज़रुरत नहीं होती इसमें एल्कोहल और होप्स होता है जो कि दोनों ही नेचुरल हैं। बीयर को बिलकुल वैसे ही बनाया जाता है जैसे ब्रेड तैयार की जाती है। वैज्ञानिकों की माने तो जिन लोगों को कोलेस्ट्रोल की समस्या है उनके लिए बीयर काफी फायदेमंद साबित हो सकती है। संतुलित मात्रा में बीयर पीना गुड और बेड कोलेस्ट्रोल की मात्रा को नियंत्रित करता है। एक रिसर्च के मुताबिक रोज़ एक बीयर पीने से गुड कोलेस्ट्रोल की मात्रा में वृद्धि होती है। अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन के मुताबिक इस बात का कोई साक्ष्य नहीं है कि वाइन,

बीयर के मुकाबले ज्यादा फायदेमंद है। ब्रिटिश मेडिकल जर्नल की 1999 में छपी एक रिपोर्ट के मुताबिक रोजाना तीन ड्रिंक पीना दिल की बीमारियों के खतरे को 24।7 फीसदी तक कम कर सकती है।

रिसर्च में सामने आया है कि अनफिल्टर या लाइट बीयर, बहुत ज्यादा पौष्ट?क होती है। इस तरह की बीयर में विटामिन बी काफी मात्रा में पाया जाता है। इसमें फ़ॉलिक एसिड होता है जो हार्ट अटैक से दूर रखता है। इसमें घुलनशील फाइबर भी होता है जो आपको रोजमर्रा के कामों में चुस्त-तंदरुस्त बनाए रखता है। यही फाइबर शरीर में जमा अतिरिक्त फैट को भी शरीर से बाहर निकालने में सहायक होता है। बीयर ही आपके शरीर में मैग्नीशियम और पोटेशियम की मात्रा को बढ़ाने में मदद करती है।

बीयर को पानी जितना ही सुरक्षित माना जाता है। कई देशों में तो लोग पानी की जगह बीयर का ही इस्तेमाल करते हैं और ये पानी से ज्यादा फायदेमंद भी है। बीयर को उबालकर बनाया जाता है। इसके बाद सीलबंद होने तक इसमें स्वच्छता का पूरा ध्यान रखा जाता है। बीयर में किसी तरह के बैक्टीरिया या गंदगी का मिलना काफी मुश्किल होता है।

बीयर आपको कैंसर से भी दूर रखती है। बीयर बनाने में इस्तेमाल होने वाले पौधे होप्स में एक्सनथोहूमोल (हूप्दफ्ल्स्दत) पाया जाता है, जो कैंसर से लड़ने में मदद करता है। यह एंटी-ऑक्सीडेंट केवल और केवल बीयर में ही मिलता है। इसके आलावा यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ लंदन और इंस्टीट्यूट क्लीनिक की एक रिसर्च में ये भी सामने आया है कि पेट निकलने और बीयर के सेवन के बीच कोई रिश्ता नहीं है।

किडनी में स्टोन है तो डॉक्टर बीयर पीने की सलाह देते हैं। इसके आलावा बीयर में कैलोरी और कार्बोहाइड्रेट बहुत कम होते हैं। इसमें वसा या कोलेस्ट्रोल न की मात्रा में होते हैं। शोध में यह बात निकलकर आई कि 40 इ बीयर पीने वाले लोगों में किडनी स्?टोन होने का खतरा उन लोगों के मुकाबले काफी घट गया था जो बीयर नहीं पीते थे। शोध में ये भी सामने आया है कि अगर आप अपनी हड्ड?यां मजबूत बनाना चाहते हैं, तो आपको बीयर का सेवन करना चाहिये। बीयर में पाये जाने वाला सिलिकॉन, हड्ड?यों के लिए बहुत फायदेमंद होता है।

आईपीएल 2023 में पर्पल कैप और ऑरेंज कैप के मुख्य दावेदार, विदेशी खिलाड़ियों का है बोलबाला

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 16वें सीजन में ऑरेंज और पर्पल कैप की रेस काफी दिलचस्प हो रही है। रविवार को खेले गए डबल डेकर मुकाबलों के बाद लगातार इन दोनों खास कैप को लेकर जंग लगातार रोमांचक होती जा रही है। एक मुकाबले में कैप किसी खिलाड़ी के सिर सजती है तो वहीं दूसरे मुकाबले में कैप अन्य खिलाड़ी के पास पहुंच जाती है।

जानकारी के मुताबिक इस बार आईपीएल में भारत के खिलाड़ियों से अधिक विदेशी खिलाड़ी धूम मचा रहे है। अगर ऑरेंज कैप की बात करें तो सर्वाधिक रन बनाने वालों की सूची में टॉप पांच खिलाड़ियों में से तीन विदेशी खिलाड़ी शामिल है। वहीं पर्पल कैप (सर्वाधिक विकेट लेने वाले) के लिए टॉप पांच खिलाड़ियों की सूची में से चार भारतीय खिलाड़ी शामिल है। बता दें कि आईपीएल के इस सीजन में पांच खिलाड़ियों में से चार विदेशी खिलाड़ियों ने सर्वाधिक अर्धशतक जड़े है।

आईपीएल में ऑरेंज कैप के उम्मीदवारः आईपीएल में ऑरेंज कैप पाने वाले उम्मीदवारों में सबसे पहले रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के ओपनिंग खिलाड़ी फाफ डुप्लेसिस का नाम शामिल है। वो अब तक आईपीएल के इस सीजन में सात पारियां खेलने के बाद 405 रन बना चुके है। दूसरे नंबर पर चेन्नई सुपर किंग्स के ओपनर बल्लेबाज डेवन कॉन्वे का नाम शामिल है, जो सात मुकाबले खेलने के बाद 314 रन बना चुके है। तीसरे नंबर पर खराब हालत वाली टीम दिल्ली कैपिटल्स के बल्लेबाज डेविड वॉर्नर हैं जो छह मुकाबलों के बाद 285 रन बना सके है। वहीं चौथे नंबर पर रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के विराट कोहली हैं जिन्होंने सात मुकाबले खेलने के बाद 279 रन बनाए है। वहीं पांचवे स्थान पर चेन्नई सुपर किंग्स के ओपनर रुतुराज गायकवाड़ का नाम शामिल है जिन्होंने 270 रन बनाए है। **आईपीएल में पर्पल कैप के उम्मीदवारः** आईपीएल में जितना अहम ऑरेंज कैप का खिताब है उतना ही अहम पर्पल कैप का खिताब भी है। वर्तमान में पर्पल कैप रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के ही खिलाड़ी मोहम्मद सिराज के सिर पर सजी हुई है। सात मुकाबले खेलने के बाद वो 13 विकेट चटका चुके है। वहीं पंजाब किंग्स के तेज गेंजबाज अर्शदीप सिंह भी मोहम्मद सिराज की बराबरी पर ही है। राजस्थान रॉयल्स के स्पिनर युजवेंद्र चहल भी धमाकेदार फॉर्म में हैं जिन्हें सात मुकाबले खेलने के बाद 12 विकेट मिले है। गुजरात टाइटंस टीम का हिस्सा राशिद खान भी सात मुकाबले खेलने के बाद 12 विकेट हासिल कर चुके है। चेन्नई सुपर किंग्स के पेसर तुषार देशपांडे सात मुकाबलों में 12 विकेट हासिल कर चुके हैं।

ऑरेंज कैप

फाफ डु प्लेसिस (आरसीबी) - 405 रन

डेवन कॉन्वे (सीएसके) - 314 रन

डेविड वार्नर (दिल्ली कैपिटल्स) - 285 रन

विराट कोहली (आरसीबी) - 279 रन

रुतुराज गायकवाड़ (सीएसके) - 270 रन

पर्पल कैप

मोहम्मद सिराज (आरसीबी)- 13 विकेट

अर्शदीप सिंह (पंजाब किंग्स) - 13 विकेट

युजवेंद्र चहल (राजस्थान रॉयल्स) - 12 विकेट

राशिद खान (गुजरात टाइटंस)- 12 विकेट

तुषार देशपांडे (सीएसके) - 12 विकेट

भारतीय पुरुष रिकर्व टीम को रजत, धीरज को व्यक्तिगत वर्ग में कांस्य

नई दिल्ली। भारतीय पुरूष रिकर्व टीम को रविवार को यहां तीरंदाजी विश्व कप पहले चरण में शूट आफ में चीन से मिली पराजय के बाद रजत पदक से संतोष करना पड़ा। भारतीय टीम की नजरें 2010 के बाद विश्व कप में पहले स्वर्ण पदक पर थी। तरूणदीप राय, अतनु दास और धीरज बोम्मादेवरा की भारतीय टीम ने 0 . 4 से पिछड़ने के बाद बराबरी की और मुकाबले को शूटआफ में खींचा। तीनों हालांकि 4 . 5 (54 . 55, 50 . 56, 59 . 58, 56 . 55, 28 . 28) से हार गए। चीन की टीम ने स्वर्ण पदक जीता जिसमें लि झोंगयुआन, कि शयांगशुओ और वेइ शाहोक्सू शामिल थे।

धीरज ने इसके बाद विश्व कप में पदार्पण करते हुए दूसरा पदक जीता जब सेना के 20 साल के इस निशानेबाज ने व्यक्तिगत रिकर्व वर्ग में कजाखस्तान के इलफत अब्दुलिन को 7 . 3 (28 . 28, 29 . 26, 28 . 29, 29 . 27, 29 . 27) कांस्य पदक अपने नाम किया। धीरज को हालांकि मलाल रहेगा कि वह रजत पदक नहीं जीत पाए क्योंकि मालदोवा के डेन ओलारू के खिलाफ 4 . 0 की बढ़त बनाने के बावजूद उन्हें सेमीफाइनल में 4 . 6 से हार झेलनी पड़ी। भारत ने इस

तरह अपने अभियान का अंत दो स्वर्ण, एक रजत और एक कांस्य पदक के साथ किया।

टीम स्पर्धा में भारत का दूसरे सेट में प्रदर्शन खराब रहा जिसमें भारतीय तिकड़ी 60 में से 50 अंक ही बना सकी जबकि चीन ने छह अंक के अंतर से सेट जीता और 4 . 0 की बढ़त बनाई। भारत की शुरुआत धीमी रही और चीन ने एक अंक से पहला सेट जीता। तीसरे सेट में भारत ने वापसी करके पांच बार दस का स्कोर किया। भारत ने चौथा सेट भी एक अंक से जीता। भारतीय टीम 2014 में भी मेडेलिन में दूसरे चरण और व्रोक्लॉ में चौथे चरण में विश्व कप जीतने के करीब पहुंची थी लेकिन हार गई। भारत ने पुरूषों के रिकर्व वर्ग में पांच स्वर्ण पदक जीते हैं। भारत ने आखिरी बार पुरूषों के रिकर्व वर्ग में विश्व कप स्वर्ण पदक 2010 में शंघाई में जीता था। उस टीम में सेना के तरूणदीप राय भी थे जबकि उनके साथ जयंत तालुकदार और राहुल बनर्जी ने जापान को फाइनल में हराया था।

आईपीएल 2023 में 50 लाख में बिका ये खिलाड़ी कर रहा धमाल, धोनी ने भरोसा जताकर बनाया स्टार

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग के 16वें सीजन में चेन्नई सुपर किंग्स की टीम ने रविवार को कोलकाता नाइट राइडर्स को 49 रनों की पारी खेली। इस मुकाबले में रहाणे की दमदार पारी की बदौलत ही चेन्नई इस सीजन का सबसे बड़ा स्कोर (235 रन) खड़ा कर सकी।

रनों के बड़ अंतर से हराने के बाद पॉइंट्स टेबल में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया है। इसके बाद प्लेऑफ में पहुंचने का चेन्नई का रास्ता साफ हो गया है। चेन्नई की टीम को जीताने में अजिंक्या रहाणे ने काफी अहम भूमिका निभाई है।

कोलकाता के खिलाफ उसी के होम ग्राउंड में खेलते हुए अजिंक्य रहाणे ने 29 गेंदों में 6 चौके और 5 छक्कों की मदद से शानदार 71 अजिंक्य रहाणे की इस शानदार पारी के लिए उन्हें मैन ऑफ द मैच पुरस्कार से भी नवाजा गया। गौरतलब है कि रहाणे लंबे समय से खराब फॉर्म से जूझ रहे थे मगर इस सीजन में वो धमाकेदार बल्लेबाजी का जौहर दिखा रहे है। ये सब अजिंक्य रहाणे सिर्फ महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में रहते हुए कर पा रहे है। वहीं कोलकाता के खिलाफ खेली गई विस्फोटक पारी ने रहाणे को स्टार खिलाड़ी बना दिया है। हर तरफ अजिंक्य रहाणे की चर्चा हो रही है। अजिंक्य रहाणे पर ऑक्शन में किसी टीम ने अधिक भरोसा नहीं जताया मगर सीएसके ने उन्हें सिर्फ उनके 50 लाख रुपये के बेस प्राइस पर ही टीम में शामिल किया। मगर टूर्नामेंट में उनका बल्ला जमकर ना सिर्फ बोल रहा है बल्कि वो मैच विनर भी साबित हो रहे है। बता दें कि अजिंक्य रहाणे चेन्नई सुपर किंग्स के साथ जुड़ने से पहले कोलकाता नाइट राइडर्स की टीम के साथ जुड़ चुके है। कोलकाता नाइट राइडर्स ने अजिंक्य रहाणे को एक करोड़ रुपये में खरीदा था मगर उन्होंने कोलकाता के साथ खेलते हुए 7 मुकाबलों में 19 की औसत से महज 133 रन बनाए थे। वहीं चेन्नई सुपर किंग्स के साथ जुड़ते ही रहाणे के बल्ले में अलग ही पॉवर देखने को मिल रही है। चेन्नई सुपर किंग्स में शामिल होते ही अजिंक्य रहाणे का बल्ला रनों की बौछार कर रहा है। उन्होंने 5 मुकाबलों में 199.05 की स्ट्राइक रेट और 52.25 की औसत से 209 रन बनाए है। लीग में अब तक रहाणे दो अर्धशतक दर्ज कर चुके है।

रहाणे और शिवम दुबे की दमदार पारी की बदौलत सीएसके ने बनाया सबसे बड़ा स्कोर

केकेआर को 47 रनों से मिली मात

कोलकाता (एजेंसी)। आईपीएल के 33वें मुकाबले में चेन्नई सुपर किंग्स की टीम ने कोलकाता नाइट राइडर्स को 49 रनों से मात दे दी है। इस जीत के हीरो अजिंक्य रहाणे, शिवम दूबे रहे, जिन्होंने दमदार प्रदर्शन किया। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए चेन्नई ने 20 ओवर में चार विकेट गंवाकर 235 रन बनाए। ये इस सीजन का सबसे बड़ा स्कोर था जिसे कोलकाता नाइट राइडर्स अपने होम ग्राउंड में भी चेज करने में सफल नहीं हो सकी। चेन्नई की टीम द्वारा बनाया गया आईपीएल में ये तीसरा सबसे बड़ा स्कोर है।

बड़े स्कोर को चेज करने उतरी कोलकाता नाइट राइडर्स की टीम की शुरुआत बेहद ही खराब रही। पहले ही ओवर में कोलकाता को झटका लगा। सुनील नरेन शून्य के स्कोर पर ही बोल्ड हुए, जिसे आकाश सिंह ने अपना शिकार बनाया। इसके बाद कोलकाता को दूसरा झटका नारायण जगदीशन के तौर पर लगा जिसे तुषार पांडे ने अपना शिकार बनाया। वो मात्र एक रन पर रवींद्र जडेजा को कैच थमा बैठे। इसके बाद कप्तान नीतीश राणा और वेंकटेश अय्यर ने पारी को संभालने की कोशिश की। कोलकाता को तीसरा झटका वेंकटेश अय्यर ने 20 ओवर में 20 रन बनाकर आउट हुए जिन्हें मोइन अली ने एल्बीडब्ल्यू आउट किया।

इसके बाद चौथा झटका कप्तान नीतीश राणा के तौर पर लगा जो टीम की पारी को संभालने में जुटे हुए थे। रवींद्र जडेजा ने कप्तान नीतीश राणा को ऋतुराज गायकवाड़ के हाथों कैच कराया। नीतीश ने 20 गेंदों में 27 रनों की पारी खेली। 71 रन पर ही कोलकाता के चार बल्लेबाज पवेलियन लौट गए।

हालांकि पारी को जेसन रॉय ने संभालने की कोशिश की। उनका साथ दूसरे छोर पर रिंकू सिंह ने दिया।

अजिंक्य रहाणे और शिवम दुबे के अर्धशतक और दोनों के बीच तेजतर्रार अर्धशतकीय साझेदारी से चेन्नई सुपरकिंग्स ने इंडियन प्रीमियर लीग में रविवार को यहां कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ चार विकेट पर 235 रन बनाए। रहाणे ने 29 गेंद में पांच छक्कों और छह चौकों से नाबाद 71 रन की पारी खेलने के अलावा दुबे (21 गेंद में 50 रन, दो चौके, पांच छक्के) के साथ तीसरे विकेट के लिए सिर्फ 32 गेंद में 85 रन की साझेदारी की जिससे टीम ईडन गार्डन्स पर टी20

क्रिकेट का सबसे बड़ा स्कोर खड़ा करने में सफल रही। इन दोनों की पारियों की बदौलत टीम ने अंतिम आठ ओवर में 126 रन जुटाए। इन दोनों के अलावा सलामी बल्लेबाज डेवोन कॉनवे (56) ने भी अर्धशतक जड़ा।

कोलकाता के कप्तान नितीश राणा ने टॉस जीतकर सुपरकिंग्स को बल्लेबाजी का न्योता दिया जिसके बाद कॉनवे और गायकवाड़ (35) ने 7.3 ओवर में 73 रन जोड़कर एक बार फिर टीम को तेज शुरुआत दिलाई। दोनों ने पावर प्ले में बिना विकेट खोए 59 रन जोड़े। गायकवाड़ ने उमेश यादव की मैच की पहली गेंद पर चौके से खाता खोला और फिर इस तेज गेंदबाज के अगले ओवर में छक्का जड़ा। कॉनवे ने भी डेविड वाइसी और वरूण चक्रवर्ती की गेंद को दर्शकों के बीच पहुंचाया। गायकवाड़ ने सुनील नारायण का स्वागत लगातार गेंदों पर चौके और छक्के के साथ किया लेकिन अगले ओवर में सुयश शर्मा की गेंद पर बोल्ड हो गए। उन्होंने 20 गेंद का सामना करते हुए दो चौके और तीन छक्के मारे। कॉनवे ने नारायण पर छक्के और सुयश पर एक रन के साथ 34 गेंद में लगातार चौथा अर्धशतक पूरा किया।

अजिंक्य रहाणे एक बार फिर अच्छी लय में दिखे। उन्होंने सुयश के लगातार ओवरों में चौके मारे। टीम के रनों का शतक 11वें ओवर में पूरा हुआ लेकिन अगले ओवर में कॉनवे वरूण चक्रवर्ती की गेंद पर बड़ा शॉट खेलने की कोशिश में लांग ऑफ पर वाइसी को कैच दे बैठे। उन्होंने 40 गेंद का सामना करते हुए चार चौके और तीन छक्के मारे। शिवम दुबे ने 13वें ओवर की अंतिम दो गेंद पर चक्रवर्ती पर छक्के मारे जबकि उमेश के अगले ओवर की शुरुआती तीन गेंद पर रहाणे ने दो छक्के और एक चौका जड़ा। इसी ओवर में दुबे ने भी चौका मारा। दुबे ने वाइसी की लगातार गेंदों पर छक्के और चौके के साथ 15वें ओवर में टीम का स्कोर 150 रन के पार पहुंचाया। रहाणे ने आंद्रे रसेल की गेंद पर चौके के साथ 24 गेंद में अर्धशतक पूरा किया जबकि दुबे ने खेजरोलिया पर छक्के के साथ सिर्फ 20 गेंद में यह उपलब्धि हासिल की। दुबे हालांकि खेजरोलिया की अगली गेंद पर एक और छक्का जड़ने की कोशिश में लांग ऑफ पर जेसन रॉय को कैच दे बैठे।

उन्होंने 21 गेंद का सामना करते हुए दो चौके और पांच छक्के मारे। रहाणे ने मोर्चा संभाले रखा। उन्होंने 19वें ओवर में चक्रवर्ती की लगातार गेंदों पर दो छक्के और एक चौका मारा रविंद्र जडेजा (18) ने अंतिम ओवर में खेजरोलिया पर दो छक्के मारे लेकिन फिर पवेलियन लौट गए। सुयश ने किफायती गेंदबाजी करते हुए 29 रन देकर एक विकेट चटकाए लेकिन बाकी गेंदबाजी काफी महंगे साबित हुए। खेजरोलिया (44 रन पर दो विकेट) सबसे सफल गेंदबाज रहे।

समिति की रिपोर्ट सार्वजनिक करने की मांग

नई दिल्ली। बजरंग पूनिया और विनेश फोगाट सहित देश के शीर्ष पहलवान रविवार को विरोध प्रदर्शन के लिए फिर से जंतर मंतर पहुंचे और सरकार से डब्ल्यूएफआई (भारतीय कुश्ती महासंघ) के प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोपों की जांच करने वाली निगरानी समिति की रिपोर्ट को सार्वजनिक करने की मांग की। बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों के बीच पहलवानों ने डब्ल्यूएफआई प्रमुख के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने की भी मांग की। इन पहलवानों ने इस साल जनवरी में पहली बार धरना प्रदर्शन कर महासंघ को भंग करने की मांग की थी। बृजभूषण शरण सिंह ने हालांकि इन आरोपों को खारिज कर दिया था।

दिग्गज मुक्केबाज एमएस मेरीकॉम की अध्यक्षता वाली छह सदस्यीय निगरानी समिति ने अप्रैल के पहले सप्ताह में अपनी रिपोर्ट सौंपी थी लेकिन सरकार ने अभी तक इसे सार्वजनिक नहीं किया है। विश्व चैंपियनशिप की पदक विजेता विनेश ने सवाल किया, ''(सरकारी) समिति को अपनी रिपोर्ट पेश करने में कितना समय लगने वाला है। पहले ही तीन महीने हो चुके हैं और हम अब भी उनकी बात सुनने का इंतजार कर रहे हैं। क्या रिपोर्ट तब आएगी जब शिकायत दर्ज कराने वाली लड़कियों की मौत हो जाएगी?''

उन्होंने कहा, ''हम सरकार से इस मामले में निष्कर्ष जारी करने के लिए कह कर थक चुके हैं। हमने कनॉट प्लेस के एक पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज की है और चाहते हैं कि बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज हो।'' उन्होंने कहा, '' हमारा (डब्ल्यूएफआई) चुनाव प्रक्रिया से कोई लेना-देना नहीं है। हम अपने करियर को लेकर अधिक चिंतित हैं। (पेरिस) ओलंपिक करीब है और हम सही दिशा में तैयारी शुरू करना चाहते हैं।'' डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष के रूप में 12 साल पूरे कर चुके सिंह ने पुष्टि की

है कि वह सात मई को होने वाले डब्ल्यूएफआई चुनाव में शीर्ष पद के लिए दावेदारी पेश नहीं करेंगे।

उन्होंने हालांकि संकेत दिया था कि वह राष्ट्रीय महासंघ के अंदर अपने लिए एक भूमिका तलाश करेंगे। विनेश ने कहा, ''आप लोग देख सकते हैं कि इतने गंभीर आरोपों के बावजूद महासंघ कौन चला रहा है। हमारे पास केवल सत्य की शक्ति है, जो मुझे लगता है कि पर्याप्त नहीं है। कम से कम सरकार यौन उत्पीड़न पर कार्रवाई कर सकती है। हम न्याय की मांग कर रहे हैं। हम विरोध जारी रखेंगे।'' देश के शीर्ष पहलवानों के आरोप लगाने के तीन महीने की अवधि के दौरान, सिंह भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) और सरकार के निरीक्षण पैनल के सामने पेश हुए।

कई सूत्रों ने पुष्टि की है कि पहलवान डब्ल्यूएफआई प्रमुख के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोपों को साबित नहीं कर सके। रियो ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता साक्षी मलिक ने कहा, ''हम जंतर-मंतर से नहीं हटेंगे।यह लड़ाई नहीं रुकेगी।'' उन्होंने कहा,'' लड़कियां (महिला पहलवान) समिति के सामने पेश हुई हैं, लेकिन रिपोर्ट नहीं आई है। महासंघ पहले की तरह चल रहा है, वह अपने राष्ट्रीय टूर्नामेंटों का आयोजन कर रहा है। तो क्या बदल गया है?''

उन्होंने कहा, '' जब हमने पहली बार विरोध किया तो हमसे जो वादे किए गए थे, उनमें से एक भी पूरा नहीं किया गया. दो दिन पहले एक नाबालिग समेत सात लड़कियों ने कनॉट प्लेस थाने में शिकायत दर्ज कराई है. इसके बावजूद वे हमें गंभीरता से नहीं ले रहे हैं, प्राथमिकी दर्ज नहीं कर रहे हैं। पता नहीं इस ढिलाई के पीछे कौन है, क्योंकि ऐसे संवेदनशील मुद्दों को तत्काल कार्रवाई होती है।'' बजरंग ने कहा कि विरोध करने वाली महिला पहलवानों के साथ खड़ा होना उनका नैतिक कर्तव्य है। तोक्यो खेलों के कांस्य पदक विजेता ने कहा, ''अगर हम इनके साथ नहीं खड़े होंगे तो और कौन खड़ा होगा?'' उन्होंने कहा, ''भले ही मुझे उनकी खातिर अपनी जान कुर्बान करनी पड़े, मैं उस हद तक जाने को तैयार हूं।

सचिन तेंदुलकर को मिला खास तोहफा, ऑस्ट्रेलिया के इस खास ग्राउंड में हुआ गेट का अनावरण

सिडनी। महान भारतीय बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के 50वें जन्मदिन के अवसर पर प्रतिष्ठित सिडनी क्रिकेट ग्राउंड (एससीजी) में सोमवार को उनके नाम पर एक गेट का अनावरण किया गया। तेंदुलकर सोमवार को 50 वर्ष के हो गए हैं। उन्होंने एससीजी में पांच टेस्ट मैचों में 157 की औसत से 785 रन बनाए जिसमें उनका उच्चतम स्कोर नाबाद 241 रहा। तेंदुलकर ने भारत के बाहर एससीजी को अपना पसंदीदा क्रिकेट मैदान करार दिया।

तेंदुलकर ने एससीजी द्वारा जारी बयान में कहा,''भारत के बाहर सिडनी क्रिकेट ग्राउंड मेरा पसंदीदा मैदान रहा है। ऑस्ट्रेलिया के 1991-92 में मेरे पहले दौरे से ही लेकर एससीजी

से मेरी कुछ खास यादें जुड़ी हैं।'' एससीजी में ब्रायन लारा के 277 रन की पारी के 30 साल पूरे होने पर वेस्टइंडीज के इस दिग्गज बल्लेबाज के नाम पर भी एक गेट का अनावरण किया गया। इन दोनों गेट का अनावरण एससीजी के अध्यक्ष रॉड मैकगियोच और सीईओ केरी माथेर तथा क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के सीईओ निक हॉक्ले ने किया। खिलाड़ी अब लारा-तेंदुलकर गेट से मैदान में प्रवेश करेंगे। इन दोनों गेट पर एक पट्टिका भी लगाई गई है जिस पर इन दोनों खिलाड़ियों की उपलब्धियां और एससीजी में उनके रिकॉर्ड का वर्णन किया गया है।

तेंदुलकर ने कहा,'' यह बड़े सम्मान की बात है कि एससीजी पर प्रवेश करने के लिए खिलाड़ी उस गेट का उपयोग करेंगे जिसका नाम मेरे और मेरे अच्छे दोस्त ब्रायन के नाम पर रखा गया है। मैं इसके लिए एससीजी और क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया का आभार व्यक्त करता हूं। जल्द ही एससीजी का दौरा करूंगा।'' लारा ने कहा, ''मैं सिडनी क्रिकेट ग्राउंड से मिली इस मान्यता से बेहद सम्मानित महसूस कर रहा हूं और मुझे पूरा विश्वास है कि सचिन भी ऐसा महसूस कर रहे होंगे। इस मैदान से मेरी और मेरे परिवार की विशेष यादें जुड़ी हैं और जब भी मैं ऑस्ट्रेलिया में होता हूं तो यहां का दौरा करने में मुझे हमेशा आनंद आता है।'' तेंदुलकर और लारा अब डोनाल्ड ब्रैडमैन, एलन डेविडसन और आर्थर मौरिस के क्लब में शामिल हो गए हैं जिनके नाम पर एससीजी में गेट हैं।

साई के नाम का दुरुपयोग, ट्रायल आयोजन करने वालो पर धोखाधड़ी का मामला दर्ज

नई दिल्ली। भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) के नाम का दुरुपयोग कर खेल गतिविधि का आयोजन करने पर 'साइ संस्था' के चेयरमैन समेत तीन लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी समेत विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। यहां की जुलाना पुलिस इस मामले की जांच कर रही है। साइ के राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र (एनसीई) के प्रभारी इंचार्ज सुरेंद्र सांगवान ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उन्हें सोशल मीडिया तथा पंपलेट के माध्यम से सूचना मिली थी कि गांव लिजवाना कलां स्थित आशा पल्ली मेमोरियल कबड्डी एकेडमी में साइ के नाम से जूनियर तथा सीनियर बालक औरग्र बालिका वर्ग के कबड्डी ट्रायल का आयोजन हो रहा है।

उन्होंने बताया कि जींद जिले में साइ का कोई अधिकृत केन्द्र नहीं है। जांच में पता चला कि आरोपितों ने साइ के नाम से अपनी संस्था बनाई हुई है। इस मामले में 'साइ संस्था' के चेयरमैन कोलकाता निवासी अभिमन्यु दास के अलावा तीन लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी समेत विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। जुलाना थाना के जांच अधिकारी रामरूप ने रविवार को बताया कि साइ की शिकायत पर तीन लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी समेत विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। फिलहाल मामले की जांच की जा रही है।

धोनी लेने जा रहे हैं संयास, खेल रहे अपना अंतिम आईपीएल सीजन, हो गया कंफर्म

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग के 16वें सीजन में 23 अप्रैल जब कोलकाता के ईडन गार्डन स्टेडियम में कोलकाता नाइट राइडर्स की टीम चेन्ई सुपर किंग्स के खिलाफ मुकाबला खेलने उतरी तो वहां काफी हैरान करने वाला माहौल दिखा। यहां पूरा स्टेडियम में फैंस पर्पल रंग की जर्सी की जगह पीली जर्सी पहने दिखे। पूरा स्टेडियम पीले रंग में रंगा दिखा, जो खासतौर से अपने पसंदीदा खिलाड़ी महेंद्र सिंह धोनी को सपोर्ट करने के लिए स्टेडियम में आए थे।

गौरतलब है कि आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स का धमाकेदार प्रदर्शन जारी है। चेन्नई सुपर किंग्स ने कोलकाता नाइट राइडर्स को 49 रनों से मात

दे दी, जिसके बाद टीम ने मजबूत स्थिति हासिल कर ली है। मैच जीतने के बाद चेन्नई सुपर किंग्स अब पॉइंट्स टेबल में सबसे ऊपर आ गई है। सात मुकाबले खेलने के बाद चेन्नई के 10 पॉइंट्स हो गए है। सात में से पांच मुकाबलों में चेन्नई को जीत मिली है। इसी के साथ साफ है कि चेन्नई की टीम अब प्लेऑफ में पहुंच जाएगी।

कोलकाता को 49 रनों के बड़े अंतर से हराने के बाद महेंद्र सिंह धोनी ने खास संकेत भी दिए है। उन्होंने बताया कि आईपीएल के 16वें सीजन के बाद वो क्रिकेट को पूरी तरह से अलविदा कह देंगे। दरअसल खेले गए मुकाबले में जिस तरह से फैंस ने महेंद्र सिंह धोनी और चेन्नई सुपर किंग्स को समर्थन दिया है वो बेहद ही खास था। वहीं मैच के बाद सेरेमनी के दौरान भी स्टेडियम में दर्शक धोनी को जोरशोर से चीयर करते दिखाई दिए।

मैच के बाद महेंद्र सिं धोनी से पूछा गया कि उन्हें ये समर्थन क्यों मिल रहा है तो उन्होंने कहा कि शायद स्टेडियम के सभी फैंस मुझे फेयरवेल देने की कोशिश कर रहे है। उनके इस साफ जवाब से पता चल रहा है कि फैंस से मिल रहा सपोर्ट काफी अहम हो गया है। दर्शक जो सपोर्ट दे रहे हैं उसके लिए शुक्रगुजार हूं। बड़ी संख्या में फैंस आए हैं जो चेन्नई को चीयर कर रहे है। उम्मीद है अगले मुकाबले में फैंस कोलकाता को चीयर करते दिखे।

गौरतलब है कि इस सीजन में ये पहला मौका नहीं है जब महेंद्र सिंह धोनी ने सन्यास लेने के संकेत दिए है। वो पहले भी कह चुके हैं कि वो क्रिकेट को अलविदा कह देंगे। बीते मुकाबले के बाद धोनी ने कहा था कि वो अपने करियर के अंतिम पड़ाव पर है।

सम्पादकीय

नहीं मिला इंसाफ

बहुचर्चित मलियाना जनसंहार के 36 साल बाद आया स्थानीय अदालत का फैसला देश के पुलिस और न्याय तंत्र के कामकाज पर कठोर टिप्पणी है। फैसले में अदालत ने सभी 39 आरोपियों को इस आधार पर बरी कर दिया कि अभियोजन पक्ष उनके खिलाफ कोई सबूत नहीं पेश कर पाया। अहम सवाल यह है कि क्या सचमुच अभियोजन पक्ष इस मामले में सबूत जुटाना चाहता था और उसने वाकई इस दिशा में गंभीरता से कोशिश की थी। ध्यान रहे, इस घटना में एक-दो नहीं, 72 लोगों की मौत हुई थी और वे सारे एक खास समुदाय के थे। घटना 23 मई 1987 की है, लेकिन उस इलाके में कुछ सप्ताह पहले से ही तनाव बना हुआ था। 14 अप्रैल 1987 को नौचंदी मेले के दौरान हुए एक हादसे को इसकी मूल वजह बताया जाता है, जिसमें पटाखा एक सिपाही को जा लगा। इसके बाद सिपाही ने गोली चला दी, जिसमें दो लोगों की मौत हो गई। इस वजह से बने तनाव के बीच ही हाशिमपुरा चौराहे पर एक धार्मिक समारोह में फिल्मी गाना बजाए जाने पर विवाद हुआ, जिसके कारण हिंदू-मुस्लिम दंगा हुआ। गौर करने की बात यह भी है कि मलियाना कांड से एक दिन पहले ही पास के हाशिमपुरा में मिलती-जुलती घटना हुई थी। पीएसी कर्मियों ने वहां से 42 लोगों को उठाया था। उन लोगों को गाजियाबाद के मुरादनगर स्थित ऊपरी गंगा नहर ले जाया गया और गोली मारकर नहर में फेंक दिया गया। हाशिमपुरा नरसंहार मामले में 2018 में दिल्ली की एक अदालत ने पीएसी के 16 पूर्वकर्मियों को दोषी करार दिया था। मगर उसी इलाके में और उसी माहौल में हुए मलियाना कांड में किसी को सजा नहीं हुई। इस कांड में कुल 93 आरोपी थे जिनमें से 23 लोगों का फैसला आने से पहले ही निधन हो गया और 31 कभी पकड़े ही नहीं जा सके। गवाहों और पीड़ितों का कहना है कि पीएसीकर्मियों की मौजूदगी में दंगाई भीड़ लूटपाट, हत्या और आगजनी को अंजाम दे रही थी, लेकिन जो मामला चला उसमें पीएसी की भूमिका का उल्लेख तक नहीं हुआ। पुलिस जांच की यह स्थिति थी कि आरोपियों की पहचान परेड तक नहीं कराई गई। इसमें दो राय नहीं कि इस घटना को लंबा अर्सा हो चुका है। तब प्रदेश में कांग्रेस के वीरबहादुर सिंह मुख्यमंत्री थे। ऐसे नरसंहार और उसकी ऐसी जांच के लिए, परदे के पीछे, दरअसल किन-किन लोगों की कैसी और कितनी भूमिका जिम्मेदार थी, यह आज पता करना मुश्किल है, लेकिन यह बात भी साफ है कि इस मामले में पीड़ितों के साथ इंसाफ नहीं हुआ है। यह हमारे न्याय तंत्र के लिए सचमुच शर्मनाक स्थिति है। इसे स्वीकार नहीं किया जा सकता। उम्मीद की जाए कि ऊपरी अदालतों में इस पर गंभीरता से विचार होगा और पुलिस ने अगर सही ढंग से जांच नहीं की है तो कम से कम उसकी जिम्मेदारी तय करने की दिशा में उपयुक्त प्रयास किए जाएंगे।

अमृतकाल का समय सोते हुए सपने देखने का नहीं

प्रो. संजय द्विवेदी

एक राष्ट्र के लिए, विशेष रूप से भारत जैसे प्राचीन देश के लंबे इतिहास में, 75 वर्ष का समय बहुत छोटा प्रतीत होता है। लेकिन व्यक्तिगत स्तर पर यह कालखंड एक जीवन-यात्रा जैसा है। हमारे वरिष्ठ नागरिकों ने अपने जीवनकाल में अद्भुत परिवर्तन देखे हैं। वे गवाह हैं कि कैसे आजादी के बाद सभी पीढ़ियों ने कड़ी मेहनत की, विशाल चुनौतियों का सामना किया और स्वयं अपने भाग्य-विधाता बने। इस दौर में हमने जो कुछ सीखा है, वह सब उपयोगी साबित होगा, क्योंकि हम राष्ट्र की यात्रा में एक ऐतिहासिक पड़ाव की ओर आगे बढ़ रहे हैं। हम सब 2047 में स्वाधीनता के शताब्दी उत्सव तक की 25 वर्ष की अवधि यानि भारत के अमृतकाल में प्रवेश कर चुके हैं।

हमारे स्वाधीनता संग्राम ने एक राष्ट्र के तौर पर भारत की नई यात्रा की रूपरेखा तैयार की थी। हमारा स्वाधीनता संग्राम उन संघर्षों और बलिदानों की अविरल धारा था, जिसने आजाद भारत के लिए कितने ही आदर्शों और संभावनाओं को सींचा था। पूज्य बापू ने हमें स्वराज, स्वदेशी, स्वच्छता और सत्याग्रह द्वारा भारत के सांस्कृतिक आदर्शों की स्थापना का मार्ग दिखाया। नेताजी सुभाष चंद्र बोस, सरदार पटेल, बाबा साहेब आंबेडकर, भगत सिंह, सुखदेव, राजगुरू, चंद्रशेखर आजाद जैसे अनगिनत स्वाधीनता सेनानियों ने हमें राष्ट्र के स्वाभिमान को सर्वोपरि रखने की शिक्षा दी। रानी लक्ष्मीबाई, रानी वेलु नचियार, रानी गाइदिन्ल्यू और रानी चेन्नम्मा जैसी अनेकों वीरांगनाओं ने राष्ट्ररक्षा और राष्ट्रनिर्माण में नारीशक्ति की भूमिका को नई ऊंचाई दी। संथाल क्रांति, पाइका क्रांति से लेकर कोल क्रांति और भील क्रांति ने स्वतंत्रता संग्राम में आदिवासी योगदान को और सशक्त किया। सामाजिक उत्थान एवं देश-प्रेम के लिए 'धरती आबा' भगवान बिरसा मुंडा जी के बलिदान से हमें प्रेरणा मिली।

हमारे पास जो कुछ भी है वह हमारी मातृभूमि का दिया हुआ है। इसलिए हमें अपने देश की सुरक्षा, प्रगति और समृद्धि के लिए अपना सब कुछ अर्पण कर देने का संकल्प लेना चाहिए। हमारे अस्तित्व की सार्थकता एक महान भारत के निर्माण में ही दिखाई देगी। कन्नड़ा भाषा के माध्यम से भारतीय साहित्य को समृद्ध करने वाले महान कवि 'कुवेम्पु' ने कहा हैः

नानु अलिवे, नीनु अलिवे
नम्मा एलु-बुगल मेले
मूडु-वुदु मूडु-वुदु
नवभारत-द लीले।
अर्थात्
'मैं नहीं रहूंगा
न रहोगे तुम
परन्तु हमारी अस्थियों पर
उदित होगी, उदित होगी
नए भारत की महागाथा।'

'कुवेम्पु' का यह स्पष्ट आह्वान है कि मातृभूमि तथा देशवासियों के उत्थान के लिए सर्वस्व बलिदान करना हमारा आदर्श होना चाहिए। इन आदर्शों को अपनाने के लिए हमें अपने देश के युवाओं से बहुत उम्मीदें हैं। ये युवा ही 2047 के भारत का निर्माण करेंगे। **'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' हो लक्ष्यः** एक संसदीय लोकतंत्र के रूप में 75 वर्षों में भारत ने प्रगति के संकल्प को सहभागिता एवं सर्व-सम्मति से आगे बढ़ाया है। विविधताओं से भरे अपने देश में हम अनेक भाषा, धर्म, संप्रदाय, खान-पान, रहन-सहन, रीति-रिवाजों को अपनाते हुए 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' के निर्माण में सक्रिय हैं। आजादी के 75वें वर्ष के अवसर पर आया ये अमृतकाल भारत के लिए नए संकल्पों का कालखंड है। भारत आज हर क्षेत्र में विकास का नया अध्याय जोड़ रहा है। कोरोना महामारी के वैश्विक संकट का सामना करने में भारत ने जिस तरह का सामर्थ्य दिखाया है, उसने पूरे विश्व में भारत की साख बढ़ाई है। हम हिंदुस्तानियों ने अपने प्रयासों से न सिर्फ इस वैश्विक चुनौती का सामना किया, बल्कि दुनिया के सामने नए मापदंड भी स्थापित किए, जिसमें भारत का कोरोना वैक्सीन की 200 करोड़ डोज़ लगाने का कीर्तिमान भी शामिल है। इस पूरी लड़ाई में भारत के लोगों ने जिस संयम, साहस और सहयोग का परिचय दिया, वो एक समाज के रूप में हमारी बढ़ती हुई शक्ति और संवेदनशीलता का प्रतीक है। भारत ने इन मुश्किल हालात में न केवल खुद को संभाला, बल्कि दुनिया की मदद भी की। कोरोना महामारी से बने माहौल में, आज दुनिया भारत को नए विश्वास से देख रही है। आज देश में स्वास्थ्य, शिक्षा और अर्थव्यवस्था तथा इनके साथ जुड़े अन्य क्षेत्रों में जो अच्छे बदलाव दिखाई दे रहे हैं, उनके मूल में सुशासन पर विशेष बल दिए जाने की प्रमुख भूमिका है। जब 'राष्ट्र सर्वोपरि' की भावना से कार्य किया जाता है, तो उसका प्रभाव प्रत्येक निर्णय एवं कार्यक्षेत्र में दिखाई देता है। यह बदलाव विश्व समुदाय में भारत की प्रतिष्ठा में भी दिखाई दे रहा है। दुनिया की आर्थिक स्थिरता के लिए, सप्लाई चेन की सुगमता के लिए, और वैश्विक शांति के लिए दुनिया को भारत से बहुत उम्मीदें हैं। इसी का परिणाम है कि भारत अपनी अध्यक्षता में उ-20 ग्रुप की मेजबानी भी कर रहा है। भारत के पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी कहा करते थे कि देश के युवा जब आगे बढ़ते हैं, तो वे सिर्फ अपना ही भाग्य नहीं बनाते, बल्कि देश का भी भाग्य बनाते हैं। आज हम इसे सच होते देख रहे हैं।

'औद्योगिक क्रांति 4.ध' की तैयारीः 'वोकल फॉर लोकल' से

लेकर डिजिटल इंडिया तक हर क्षेत्र में आगे बढ़ रहा आज का भारत विश्व के साथ कदम से कदम मिला कर 'औद्योगिक क्रांति 4.ध' के लिए पूरी तरह तैयार है। रिकॉर्ड संख्या में बन रहे स्टार्ट-अप्स में, नए-नए इनोवेशन में, दूर-सुदूर क्षेत्रों में डिजिटल टेक्नोलॉजी की स्वीकार्यता में भारत के युवाओं की बड़ी भूमिका है। बीते वर्षों में भारत ने जिस तरह महिला सशक्तिकरण के लिए निर्णय लिए हैं, नीतियां बनाई हैं, उससे भी देश में एक नई शक्ति का संचार हुआ है। हम सभी की इच्छा है कि हमारी सभी बहनें और बेटियां अधिक से अधिक सशक्त हों तथा वे देश के हर क्षेत्र में अपना योगदान बढ़ाती रहें। आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में स्त्री-पुरुष के आधार पर असमानता कम हो रही है। महिलाएं अनेक रूढ़ियों और बाधाओं को पार करते हुए आगे बढ़ रही हैं। सामाजिक और राजनीतिक प्रक्रियाओं में उनकी बढ़ती भागीदारी निर्णायक साबित होगी। आज हमारी पंचायती राज संस्थाओं में निर्वाचित महिला प्रतिनिधियों की संख्या चौदह लाख से कहीं अधिक है। आज देश के युवा न केवल अपने भविष्य का निर्माण कर रहे हैं, बल्कि भविष्य के भारत की नींव भी रख रहे हैं।

पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में विश्व का मार्गदर्शनः विकास और प्रगतिशीलता का अर्थ निरंतर आगे बढ़ना होता है, लेकिन साथ ही अपने अतीत का ज्ञान भी उतना ही आवश्यक है। आज जब पूरा विश्व एर्ंलूर्हेत ईर्ंह्लू की बात कर रहा है, तो उसमें भारत की प्राचीन परंपराओं, हमारे अतीत की एर्ंलूर्हेत थ्रीूब्ल की भूमिका और बढ़ जाती है। हम प्रकृति से जरूरी संसाधन लेते हैं और उतनी ही श्रद्धा से प्रकृति की सेवा भी करते हैं। यही संवेदनशीलता आज वैश्विक अनिवार्यता बन गई है। हमें इस बात की प्रसन्नता है कि भारत पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में विश्व का मार्गदर्शन कर रहा है। हमारा भारत अनेक विविधताओं से भरा देश है। परंतु इस विविधता के साथ ही हम सभी में कुछ न कुछ ऐसा है जो एक समान है। यही समानता हम सभी देशवासियों को एक सूत्र में पिरोती है तथा 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती है। भारत अपने पहाड़ों, नदियों, झीलों और वनों तथा उन क्षेत्रों में रहने वाले जीव-जंतुओं के कारण भी अत्यंत आकर्षक है। आज जब हमारे पर्यावरण के सम्मुख नई-नई चुनौतियां आ रही हैं, तब हमें भारत की सुंदरता से जुड़ी हर चीज का दृढ़तापूर्वक संरक्षण करना चाहिए। जल, मिट्टी और जैविक विविधता का संरक्षण हमारी भावी पीढ़ियों के प्रति हमारा कर्तव्य है। प्रकृति की देखभाल मां की तरह करना हमारी भारतीय संस्कृति का अभिन्न अंग रहा है। हम भारतवासी अपनी पारंपरिक जीवन-शैली से पूरी दुनिया को सही राह दिखा सकते हैं। योग एवं आयुर्वेद विश्व-समुदाय को भारत का अमूल्य उपहार है जिसकी लोकप्रियता पूरी दुनिया में निरंतर बढ़ रही है।

अमृतकाल का ये समय सोते हुए सपने देखने का नहीं, बल्कि जागृत होकर अपने संकल्प पूरे करने का है। आने वाले 25 साल, परिश्रम की पराकाष्ठा, त्याग, तप-तपस्या के 25 वर्ष हैं। सैंकड़ों वर्षों की गुलामी में हमारे समाज ने जो गंवाया है, ये 25 वर्ष का कालखंड, उसे दोबारा प्राप्त करने का है। इसलिए आजादी के इस अमृत महोत्सव में हमारा ध्यान भविष्य पर ही केंद्रित होना चाहिए। हमारे समाज में एक अद्भुत सामर्थ्य है। ये एक ऐसा समाज है, जिसमें चिर पुरातन और नित्य नूतन व्यवस्था है। हालांकि इस बात से कोई इंकार नहीं कर सकता कि समय के साथ कुछ बुराइयां व्यक्ति में भी, समाज में भी और देश में भी प्रवेश कर जाती हैं। जो लोग जागृत रहते हुए इन बुराइयों को जान लेते हैं, वो इन बुराइयों से बचने में सफल हो जाते हैं। ऐसे लोग अपने जीवन में हर लक्ष्य प्राप्त कर पाते हैं। हमारे समाज की विशेषता है कि इसमें विशालता भी है, विविधता भी है और हजारों साल की यात्रा का अनुभव भी है। इसलिए हमारे समाज में, बदलते हुए युग के साथ अपने आप को ढालने की एक अलग ही शक्ति है।

'आत्मनिर्भर भारत' का निर्माण

हमारे ऋषियों ने उपनिषदों में 'तमसो मा ज्योतिर्गमय, मृत्योर्मामृतं गमय' की प्रार्थना की है। यानी, हम अंधकार से प्रकाश की ओर बढ़ें। परेशानियों से अमृत की ओर बढ़ें। अमृत और अमरत्व का रास्ता बिना ज्ञान के प्रकाशित नहीं होता। इसलिए, अमृतकाल का ये समय हमारे ज्ञान, शोध और इनोवेशन का समय है। हमें एक ऐसा भारत बनाना है जिसकी जड़ें प्राचीन परंपराओं और विरासत से जुड़ी होंगी और जिसका विस्तार आधुनिकता के आकाश में अनंत तक होगा। हमें अपनी संस्कृति, अपनी सभ्यता, अपने संस्कारों को जीवंत रखना है। अपनी आध्यात्मिकता को, अपनी विविधता को संरक्षित और संवर्धित करना है। और साथ ही, टेक्नोलॉजी, इंफ्रास्ट्रक्चर, एजुकेशन, हेल्थ की व्यवस्थाओं को निरंतर आधुनिक भी बनाना है। आज भारत किसानों को समृद्ध और आत्मनिर्भर बनाने के लिए ऑर्गेनिक फार्मिंग और नैचुरल फार्मिंग की दिशा में प्रयास कर रहा है। इसी तरह क्लीन एनर्जी के और पर्यावरण के क्षेत्र में भी दुनिया को भारत से बहुत अपेक्षाएं हैं। आज क्लीन एनर्जी के कई विकल्प विकसित हो रहे हैं। इसे लेकर भी जनजागरण के लिए बड़े अभियान की जरूरत है। हम सब मिलकर आत्मनिर्भर भारत अभियान को भी गति दे सकते हैं।

प्रख्यात कवि भीम भोई जी की कविता की एक पंक्ति है-

'मो जीवन पछे नकी पड़ी थाउ,जगत उद्धार हेउ'।

अर्थात्, अपने जीवन के हित-अहित से बड़ा जगत कल्याण के लिए कार्य करना होता है। जगत कल्याण की इसी भावना के साथ हमारा कर्तव्य है कि हम सभी को पूरी निष्ठा व लगन के साथ काम करना होगा। हम सभी एकजुट होकर समर्पित भाव से कर्तव्य पथ पर आगे बढ़ेंगे, तभी वैभवशाली और आत्मनिर्भर भारत का निर्माण होगा।

सरकार पर हमला बोलने के लिए उद्योगपतियों पर क्यों साधा जाता है निशाना?

नीरज कुमार दुबे

महाराष्ट्र की राजनीति के चाणक्य माने जाने वाले एनसीपी प्रमुख शरद पवार ने अडाणी मुद्दे पर केंद्र सरकार के पक्ष का समर्थन करते हुए कहा है कि जब सुप्रीम कोर्ट ने इस मुद्दे की जांच के लिए एक कमेटी बैठा दी है तो जेपीसी की मांग पर जोर नहीं देना चाहिए। उनके इस बयान के तमाम राजनीतिक मायने भी निकाले जा रहे हैं। लेकिन अपने आपको अनुभवी नेता कहलवाने वाले पवार ने यदि यह बयान कुछ समय पहले दिया होता और विपक्षी दलों को समझाया होता तो संभवतः संसद सत्र का कीमती समय बर्बाद नहीं हुआ होता। पवार ने जेपीसी की जरूरत नहीं है, के अलावा यह भी कहा है कि एक जमाना ऐसा था जब सत्ताधारी पार्टी की आलोचना करनी होती थी तो हम टाटा-बिड़ला का नाम लेते थे। आजकल हम अंबानी-अडानी का नाम लेते हैं। यहां सवाल शरद पवार और उन तमाम विपक्षी दलों के नेताओं से है कि क्यों सरकार पर हमला बोलने के लिए उद्योगपतियों पर निशाना साधा जाता है? राष्ट्र निर्माण में उद्योगपतियों का योगदान कम नहीं बल्कि इन हंगामा करने वाले नेताओं से ज्यादा ही है। जब देश आजाद हुआ था तब यहां सुई भी नहीं बनती थी और आज हम हर चीज बना रहे हैं। यदि हम इस काबिल बने हैं तो इसका श्रेय निजी क्षेत्र को ही सर्वाधिक जाता है क्योंकि निवेश करने का जोखिम उद्योगपतियों ने ही उठाया। हमें एक बात और समझनी होगी कि उद्योगपति यदि पैसा लगायेगा तो वह चैरिटी के लिए तो लगायेगा नहीं, मुनाफा कमाने के उद्देश्य से ही लगायेगा। लेकिन हमें यह भी देखना चाहिए कि उसके मुनाफा कमाने के उद्देश्य से कितने लोगों को रोजगार मिलता है, कितने लोगों का घर चलता है। एक तरफ सरकारी नौकरियां कम होती जा रही हैं और यदि दूसरी तरफ हम निजी क्षेत्र का रास्ता रोकने लगेंगे तो नौकरियां देगा कौन? हिंडनबर्ग कौन है, कहां से आया, उसकी रिपोर्ट का आधार क्या था, यह जाने समझे बिना सभी अडाणी के पीछे पड़ गये। इस सबसे नुकसान क्या सिर्फ अडाणी का हुआ? नुकसान तो शेयरधारकों का भी हुआ। इसके अलावा हालिया विवाद के बाद अडाणी ने कई प्रोजेक्ट्स पर काम रोक दिया है। जाहिर है इससे निवेश और रोजगार के अवसर प्रभावित होंगे? इसके लिए जिम्मेदार कौन है? एक तरफ विपक्ष कहता है कि देश में बेरोजगारी बढ़ रही है और दूसरी तरफ हम कंपनियों और निवेशकों के इरादों पर पहले ही सवाल उठाते हुए उनकी राह में बाधा खड़ी करने लगते हैं जिससे रोजगार के जो अवसर पैदा होने वाले थे वह नहीं हो पाते। विपक्ष को समझना होगा कि उसके हमले टाटा बिड़ला और अडानी अंबानी तो झेल जाएंगे लेकिन विपक्ष के उद्योग विरोधी आंदोलनों से अन्य निवेशक घबराएंगे या अपने इरादे बदलेंगे। इस सबका खामियाजा आखिरकार देश की अर्थव्यवस्था को ही भुगतना होगा।

ईडी और सीबीआई छापे पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला भ्रष्टाचार विरोधी अभियान को और तेज करेगा

अशोक मधुप

सुप्रीम कोर्ट ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) के दुरुपयोग से जुड़ी कांग्रेस के नेतृत्व में 14 विपक्षी दलों की याचिका पर सुनवाई से इंकार कर दिया है। इसके बाद अब यह तय हो गया कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और केंद्रीय जांच ब्यूरो की जांच में और ज्यादा तेजी आएगी। ये दोनों संगठन और अन्य केंद्रीय जांच एजेंसियां अपनी कार्रवाई और तेज करेंगी। सुप्रीम कोर्ट के प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) के दुरुपयोग से जुड़ी कांग्रेस के नेतृत्व में 14 विपक्षी दलों की याचिका पर सुनवाई से इंकार के बाद विपक्षी दलों ने अपनी याचिका वापस ले ली। याचिका में विपक्षी नेताओं के खिलाफ केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) जैसी केंद्रीय जांच एजेंसियों के मनमाने उपयोग का आरोप लगाया गया था। याचिका में गिरफ्तारी, रिमांड और जमानत जैसे मामलों को नियंत्रित करने वाले दिशा-निर्देशों का नया सेट जारी करने की मांग की गई थी। उपयोग की गयी गाड़ी की क़ीमत। विज्ञापन ढूंढे विपक्षी दलों की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने तर्क दिया कि 2013-14 से 2021-22 तक सीबीआई और ईडी के मामलों में 600 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। ईडी की ओर से 121 राजनीतिक नेताओं की जांच की गई है। जिनमें से 95 प्रतिशत नेता विपक्षी दलों से हैं। सीबीआई की 124 जांचों में से 95 प्रतिशत से अधिक विपक्षी दलों से हैं। सिंघवी ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि राजनीतिक विरोध की वैधता पर इसका गहरा प्रभाव पड़ा है। सुप्रीम कोर्ट ने सिंघवी से पूछा कि क्या हम इन आंकड़ों की वजह से कह सकते हैं कि कोई जांच या कोई मुकदमा नहीं होना चाहिए? क्या नेताओं को इससे अलग रखा जा सकता है? सर्वोच्च कोर्ट का कहना है कि अंततः एक राजनीतिक नेता मूल रूप से एक नागरिक होता है और नागरिकों के रूप में हम सभी एक ही कानून के अधीन हैं। इस पर सिंघवी ने कहा कि पक्षकार नहीं चाहते कि याचिका से भारत में कोई लंबित मामला प्रभावित हो और वे मौजूदा जांच में हस्तक्षेप करने के लिए भी नहीं कह रहे हैं। प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला की पीठ ने कहा कि किसी मामले के तथ्यों से संबंध के बिना सामान्य दिशानिर्देश देना खतरनाक होगा। याचिका पर विचार करने में शीर्ष अदालत की अनिच्छा को भांपते हुए राजनीतिक दलों की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता एएम सिंघवी ने याचिका वापस लेने की अनुमति मांगी। पीठ ने आदेश दिया कि अधिवक्ता इस स्तर पर याचिका वापस लेने की अनुमति चाहते हैं। याचिका तदनुसार वापस ली गई, मानते हुए खारिज की जाती है। ये याचिका कांग्रेस, द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम (द्रमुक), राष्ट्रीय जनता दल (राजद), भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस), तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी), आम आदमी पार्टी (आप), राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा), शिवसेना (यूबीटी), झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो), जनता दल यूनाइटेड (जदयू), मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा), भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा), समाजवादी पार्टी (सपा) और जम्मू-कश्मीर नेशनल कान्फ्रेंस की ओर से दायर की गई थी। इस याचिका को दायर करने वाले दलों ने यह नहीं सोचा कि पुलिस समेत सभी सरकारी जांच एजेंसी जांच करती हैं। केस कोर्ट में सबूतों के आधार पर तय होता है। यदि सबूत नहीं होंगे तो केस खुद ही खारिज हो जाएगा। एक दो मामले में न्यायालय इस तरह की टिप्पणी कर भी चुका है। दूसरे राजनैतिक दबाव में भी कोई एजेंसी किसी गलत व्यक्ति को आरोपी नहीं बनाएगी।

क्योंकि न्यायालय में आरोप साबित नहीं करने पर बदनामी उसी की होगी। विपक्षी दलों के आरोप पर प्रवर्तन निदेशालय ने विपक्षी पार्टियों की ओर से लगाए जा रहे 'टारगेट कर कार्रवाई' के आरोपों के बीच एक नया डेटा जारी किया है। प्रवर्तन निदेशालय ने अपने डेटा में दावा किया है कि मनी लॉन्ड्रिंग को लेकर उसकी ओर से दर्ज मामले में जिनकी सुनवाई पूरी हो चुकी है, उसमें सजा की दर वास्तव में 96 प्रतिशत है। प्रवर्तन निदेशालय अनुसार, एजेंसी की ओर से 31 जनवरी तक 513 लोगों को गिरफ्तार की गयी है। 1.15 लाख करोड़ रुपए से अधिक की संपत्ति कुर्क की गयी है। ईडी के आंकड़ों के मुताबिक जनवरी 2023 तक ट्रायल पूरा हो चुके 25 मामलों में 24 मामलों में आरोप सही साबित पाए गए हैं। इनमें 45 अभियुक्तों को सजा हुई है। एक तरफ ईडी 96 फीसदी मामलों में दोष सिद्धि का दावा कर रही है तो दूसरी ओर राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) 94 फीसदी और सीबीआई 68 फीसदी मामलों में सजा का दावा करती है।

ये आंकड़े ये बताने के लिए काफी हैं कि कार्रवाई की जद में आए सभी आरोपी दूध के धुले नही हैं। उनमें से अधिकांश भ्रष्टाचार में लिप्त रहे हैं। वह सब अपने पर कार्रवाई और गिरफ्तारी के डर से एकत्र हुए हैं। एक बात और कोर्ट की ओर से उनकी अपील खारिज करने के बाद शोर मचाने के अलावा अब कोई विकल्प नहीं बचा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पिछली बार लाल किले से घोषणा कर चुके हैं कि भ्रष्टाचार के मामलों में तेजी होगी। नो टोलरेंस की नीति अपनाई जाएगी। सर्वोच्च न्यायालय के इस मामले को खारिज करने से एक दिन पूर्व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सीबीआई के डायमंड जुबली समारोह को संबोधित करते हुए उसे फ्री हैंड दे दिया। प्रधानमंत्री ने जोर देकर कहा कि मौजूदा सरकार में भ्रष्टाचार से लड़ने के लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी नहीं है। उन्होंने कहा कि देश और इसके नागरिकों की इच्छा है कि किसी भी भ्रष्ट व्यक्ति को बख्शा नहीं जाना चाहिए। पीएम मोदी ने अपने संबोधन में सीबीआई के कामकाज की खूब तारीफ की। उन्होंने कहा, 'साल 2014 के बाद हमारा पहला दायित्व, व्यवस्था में भरोसे को फिर कायम करने का रहा। इसलिए हमने काले धन को लेकर, बेनामी संपत्ति को लेकर मिशन मोड पर एक्शन शुरू किया। जहां भ्रष्टाचार होता है, वहां युवाओं को उचित अवसर नहीं मिलते। वहां सिर्फ एक विशेष इकोसिस्टम ही फलता-फूलता है। भ्रष्टाचार प्रतिभा का सबसे बड़ा दुश्मन होता है और यहीं से भाई-भतीजावाद, परिवारवाद को बल मिलता है। जब भाई-भतीजावाद और परिवारवाद बढ़ता है, तो समाज का, राष्ट्र का सामर्थ्य कम होता है। जब राष्ट्र का सामर्थ्य कम होता है तो विकास प्रभावित होता है। उन्होंने कहा, 'मुख्य रूप से सीबीआई की जिम्मेदारी भ्रष्टाचार से देश को मुक्त करने की है। भ्रष्टाचार कोई सामान्य अपराध नहीं होता। भ्रष्टाचार, गरीब से उसका हक छीनता है, अनेक अपराधों को जन्म देता है। भ्रष्टाचार, लोकतंत्र और न्याय के रास्ते में सबसे बड़ा रोड़ा होता है।' प्रधानमंत्री ने यह भी कहा, 'आज देश में भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई लड़ने के लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति में कोई कमी नहीं है। आपको कहीं भी हिचकने, कहीं रूकने की जरूरत नहीं है। आज विपक्ष अपने साथ के नेताओं पर कार्रवाई होने पर आरोप ही लगाता है। इसके अलावा उसके पास कहने को कुछ नही हैं। हाल ही में मानहानि के एक मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी को न्यायालय ने दो साल की सजा सुनाई। सजा न्यायालय ने की किंतु सभी दल एक सुर में दोष केंद्र सरकार और भाजपा को दे रहे हैं। कांग्रेस तो इस मामले को लेकर आंदोलन भी शुरू कर चुकी है। विपक्ष दिल्ली के उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के विरुद्ध कार्रवाई होने पर एकत्र होना शुरू हुआ। उसका सदा एक ही आरोप रहता है कि दुश्मनी के तहत छापे मारे जा रहे हैं। प्रश्न यह है कि यदि ये छापे दुश्मनी के तहत हैं तो मनीष सिसोदिया 27 फरवरी से अब तक जेल में क्यों हैं। सबूत के अभाव में ट्रायल कोर्ट ने क्यों नहीं उन्हें छोड़ दिया। न्यायालय उनके विरुद्ध क्यों रिमांड पर रिमांड दिए जा रहा है? पश्चिम बंगाल में वहां के हाईकोर्ट के आदेश पर सीबीआई शिक्षक भर्ती घोटाले की जांच कर रही है। इस मामले में पश्चिम बंगाल की ममता सरकार में शिक्षा मंत्री रहे पार्थ चटर्जी जेल में हैं। सर्वोच्च न्यायालय के विपक्ष का केस खारिज करने के बाद और प्रधानमंत्री का सीबीआई को फ्री हैंड देने से विपक्ष को केंद्रीय एजेंसियों की ओर से होने वाली तेज कार्रवाई के लिए तैयार रहना चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

प्रशांत महासागर के एक दूरस्थ हिस्से में 7.1 तीव्रता का भूकंप, सुनामी का कोई खतरा नहीं

वेलिंगटन। प्रशांत महासागर के एक दूरस्थ हिस्से में सोमवार को 7.1 तीव्रता का भूकंप आया, लेकिन सुनामी का कोई खतरा नहीं है। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अनुसार, भूकंप न्यूजीलैंड

के उत्तरी द्वीप से करीब 900 किलोमीटर उत्तर-पूर्व में केर्माडिक द्वीप के पास 49 किलोमीटर की गहराई पर आया। प्रशांत सुनामी चेतावनी केंद्र के अनुसार, भूकंप से हवाई और प्रशांत क्षेत्र को कोई खतरा नहीं है। न्यूजीलैंड की राष्ट्रीय आपात प्रबंधन एजेंसी ने एक बयान में बताया कि वह यह पता लगाने की कोशिश कर रहा है कि भूकंप फिर न्यूजीलैंड को प्रभावित कर सकता है या नहीं। लोगों को तटीय क्षेत्रों से दूर रहने की सलाह दी गई है। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अनुसार, न्यूयॉर्क के कुछ हिस्सों में रविवार दोपहर को भी 3.6 तीव्रता के मामूली भूकंप के कुछ झटके महसूस किए गए थे। जानमाल के नुकसान की कोई खबर नहीं है।

काले झंडे दिखाने का रहा है इतिहास,पीएम के कोच्चि दौरे से पहले हिरासत में लिए गए कांग्रेस कार्यकर्ता

नई दिल्ली। पुलिस ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सोमवार को इस बंदरगाह शहर के दौरे से पहले केपीसीसी सचिव सहित कम से कम सात कांग्रेस कार्यकर्ताओं को एहतियातन हिरासत में ले लिया गया। जिला कांग्रेस कमेटी (डीसीसी) के अध्यक्ष मोहम्मद शियास ने पुष्टि की कि पश्चिमी कोच्चि क्षेत्र के सात कांग्रेस कार्यकर्ताओं को सोमवार तड़के पुलिस ने एहतियातन हिरासत में ले लिया। उन्होंने कहा कि उनमें केपीसीसी सचिव थम्पी सुब्रह्मण्यम और डीसीसी सचिव श्रीकुमार शामिल हैं। पुलिस ने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं को एहतियातन हिरासत में लिया गया है, क्योंकि जब उनके प्रतिद्वंद्वी दलों के नेता उनके क्षेत्र में जाते हैं तो उन्हें काले झंडे दिखाने का इतिहास रहा है। कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं की हिरासत की निंदा करते हुए शियाओं ने कहा कि प्रधानमंत्री की कोच्चि यात्रा के संबंध में किसी भी तरह के विरोध प्रदर्शन की उनकी कोई योजना नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि केरल पुलिस की ओर से यह एक अलोकतांत्रिक कार्रवाई है। प्रधानमंत्री दो दिवसीय केरल दौरे पर सोमवार को यहां पहुंचेंगे, इस दौरान वह रोड शो समेत कई कार्यक्रमों में शिरकत करेंगे। मोदी शाम करीब पांच बजे कोच्चि में आईएनएस गरुड़ नौसैनिक हवाई अड्डे पर उतरेंगे और वहां से सेक्रेड हार्ट कॉलेज ग्राउंड्स के रोड शो के हिस्से के रूप में यात्रा करेंगे।

एमवीए एकजुट होकर बीजेपी के खिलाफ लड़े, संजय राउत ने कहा- शरद पवार यही चाहते हैं

नई दिल्ली। महा विकास अघाड़ी के घटकों एनसीपी, कांग्रेस और शिवसेना (यूबीटी) के बीच किसी भी मनमुटाव की खबरों पर मौजूदा अटकलों को खारिज करते हुए -शिवसेना यूबीटी नेता संजय राउत ने 24 अप्रैल को कहा कि यह एनसीपी प्रमुख शरद पवार की इच्छा रही है कि सभी दल एकजुट तरीके से चुनाव लड़ें। भविष्य में एमवीए गठबंधन की अनिश्चितता के बारे में पवार की कथित टिप्पणी पर राउत ने कहा कि यह शरद पवार की इच्छा रही है कि तीनों दल भाजपा के खिलाफ एकजुट होकर लड़ें। एमवीए के गठन पर उनका विशेष महत्व रहा है। हम लगभग हर दिन उनके साथ बात करते हैं। मुझे नहीं लगता कि वह एमवीए गठबंधन की अनिश्चितता के बारे में ऐसा कोई रुख अपनाएंगे। राउत ने आगे दावा किया कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को बदलने के लिए नई दिल्ली में पर्दे के पीछे आंदोलन शुरू हो गया था क्योंकि वर्तमान सरकार राज्य में भाजपा की लोकप्रियता को 'चोट' पहुंचा रही थी। राउत की टिप्पणी महाराष्ट्र के राजनीतिक युद्ध के मैदान में दैनिक विकास के बीच आई है, जिसमें अजीत पवार के सत्तारूढ़ शिंदे-बीजेपी सरकार में शामिल होने की चर्चा देखी गई है। हालांकि, अजीत पवार ने भी एमवीए के भीतर किसी भी विवाद के सुझावों का दृढ़ता से खंडन किया और कहा कि एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना-भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) गठबंधन केवल ध्यान भटकाने वाली रणनीति का इस्तेमाल कर रही है ताकि राज्य के मुद्दों को दबाने से ध्यान खींचा जा सके।

'यूपी में नो कर्फ्यू, नो दंगा, सब चंगा है', सीएम योगी बोले- अतीत हो चुके हैं माफिया-अपराधी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि राज्य और खुशहाली का प्रतीक बन गया है। उन्होंने कहा कि यूपी में माफिया अपराधी अतीत हो चुके हैं। यूपी अब सुरक्षा और खुशहाली का प्रतीक बना है। माफिया-गुंडों के उपचार के लिए हमारी पुलिस पर्याप्त है। यूपी में ना अब कर्फ्यू, ना दंगा, सब चंगा है। योगी ने कहा कि ना रंगदारी, ना फिरौती, अब यूपी में नहीं है किसी की बपौती। अब माफिया नहीं महोत्सव यूपी की

पहचान बन चुकी है। हमें तय करना है कि युवाओं के हाथ में तमंचे होंगे या स्मार्टफोन। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि गोलियों के तड़तड़ाहट चाहिए या भजन गंगा का प्रवाह। तय करना होगा शोहदों का आतंक चाहिए या सेफ सिटी। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज सहारनपुर में तो क्या, उत्तर प्रदेश में भी कहीं कर्फ्यू नहीं लगाता, अब तो कांवड़ यात्रा निकलती है। ये कांवड़ यात्रा पहचान बन चुकी है। उन्होंने कहा कि पहले नौजवानों पर झूठे मुकदमें होते थे, आज झूठा मुकदमा कोई नहीं कर सकता। किसान आत्महत्या करता था, आज किसान को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि मिल रही है।

न्यायपालिका के खिलाफ टिप्पणी के लिए ललित मोदी ने मांगी बिना शर्त माफी, सुप्रीम कोर्ट ने बंद की अवमानना की कार्यवाही

नई दिल्ली (एजेंसी)। सोशल मीडिया पोस्ट में न्यायपालिका के खिलाफ अपनी टिप्पणी के लिए बिना शर्त माफी मांगने के बाद

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को पूर्व आईपीएल आयुक्त ललित मोदी के खिलाफ अवमानना कार्यवाही बंद कर दी। जस्टिस एमआर शाह और जस्टिस सीटी रविकुमार की पीठ ने मोदी द्वारा दायर एक हलफनामे पर ध्यान दिया जिसमें उन्होंने कहा कि भविष्य में वह ऐसा कुछ भी नहीं करेंगे जो किसी भी तरह से अदालत या भारतीय न्यायपालिका की महिमा या गरिमा के साथ असंगत हो। हम बिना शर्त माफी स्वीकार करते हैं। हम प्रतिवादी (मोदी) को याद दिलाते हैं कि भविष्य में उनकी ओर से ऐसा कोई भी प्रयास, जो भारतीय न्यायपालिका और अदालतों की छवि को धूमिल करने जैसा होगा, उसे बहुत गंभीरता से देखा जाएगा। पीठ ने कहा कि हम खुले दिल से बिना शर्त माफी को स्वीकार करते हैं क्योंकि अदालत हमेशा माफी में विश्वास करती है, खासकर तब जब माफी बिना शर्त और दिल की गहराई से दी जाती है...माफी स्वीकार करते हुए हम वर्तमान कार्यवाही को बंद कर देते हैं। कोर्ट ने कहा कि सभी को संस्था का समग्र रूप से सम्मान करना चाहिए, यही हमारी एकमात्र चिंता थी। शीर्ष अदालत ने 13 अप्रैल को मोदी की न्यायपालिका के खिलाफ टिप्पणी को लेकर उन्हें फटकार लगाई थी और उन्हें सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और राष्ट्रीय समाचार पत्रों पर बिना शर्त माफी मांगने का निर्देश दिया था। यह देखते हुए कि मोदी कानून और संस्था से ऊपर नहीं हैं, इसने चेतावनी दी थी कि इस तरह के आचरण की पुनरावृत्ति को बहुत गंभीरता से देखा जाएगा।

चिकमगलुरू सीट से टीसी रवि और एचडी थम्मैया आमने-सामने

नई दिल्ली। चाय-कॉफी के बागानों के लिए जाना जाने वाला कर्नाटक के चिकमगलुरु शहर पर इन दिनों सभी की निगाहें टिकी हुई हैं। बता दें कि यह सीट सभी राजनीतिक दलों के लिए काफी खास है। फिलहाल इस सीट पर भाजपा का कब्जा है और भाजपा के सीटी रवि यहां से विधायक हैं। लेकिन इस बार कांग्रेस पार्टी ने एचडी थम्मैया को चुनावी मैदान में उतारा है। ऐसे में इस बार सीटी रवि को अपनी सीट बचाने के लिए मेहनत करनी होगी। बता दें कि चिकमगलुरु विधानसभा सीट उडुपी चिकमंगलूर लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आता है। साल 2018 के आंकड़ों के मुताबिक चिकमगलुरु निर्वाचन क्षेत्र में कुल 2,08,432 वोटर हैं। जिनमें से 1,04,357 पुरुष और 1,03,937 महिलाओं के अलावा 23 अन्य वोटर हैं। साल 2018 के कर्नाटक विधानसभा चुनाव के दौरान सीटी रवि ने कांग्रेस पार्टी के शंकर बी एल को भारी मतों के अंतर से हराया था।

नीतीश से मुलाकात के बाद ममता बोलीं-हम साथ साथ आगे बढ़ेंगे,बिहार के सीएम ने क्या कहा

नई दिल्ली (एजेंसी)। 2024 लोकसभा चुनाव को लेकर विपक्षी एकता की कोशिशे जारी है। बिहार के मपख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज कोलकता में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और टीएमसी नेता ममता बनर्जी से मुलाकात की। इस मुलाकात के बाद दोनों नेताओं ने एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित किया। इस दौरान दोनों ने विपक्षी एकता की बात की। इस मुलाकात के बाद नीतीश कुमार ने कहा कि आगामी लोकसभा चुनाव के लिए सभी दलों को साथ आना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमें यह संदेश देना है कि हम सभी एक साथ हैं। नीतीश कुमार ने कहा कि अब पता नहीं, ये(भाजपा) इतिहास

बदल देंगे या क्या कर देंगे? सभी को सतर्क होना है इसलिए हम सभी के साथ बातचीत कर रहे हैं। हमारे बीच बहुत अच्छी बात हुई है। आवश्यकता अनुसार हम भविष्य में अन्य पार्टियों को साथ में लाकर बातचीत करेंगे। नीतीश ने कहा कि हमने बातचीत की है, विशेष रूप से सभी दलों के एक साथ आने और आगामी संसद चुनाव से पहले सभी तैयारियां करने के बारे में। उन्होंने कहा कि आगे जो भी होगा, देशहित में किया जाएगा। जो लोग अभी शासन कर रहे हैं, उनके पास करने के लिए कुछ नहीं है। ये सिर्फ अपना प्रचार कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि देश के विकास के लिए कुछ नहीं किया जा रहा। वहीं, ममता बनर्जी ने कहा कि मैंने नीतीश जी से यही अनुरोध किया है कि जयप्रकाश जी का आंदोलन बिहार से हुआ था तो हम भी बिहार में ऑल पार्टी मीटिंग करें। हमें एक संदेश देना है कि हम सभी एक साथ हैं। मैंने तो पहले ही कह दिया है कि मुझे इससे कोई एतराज नहीं है, मैं चाहती हूं कि भाजपा जीरो बन जाए। ममता बनर्जी ने साफ तौर पर कहा कि हम साथ-साथ आगे बढ़ेंगे। हमारा कोई व्यक्तिगत अहंकार नहीं है, हम सामूहिक रूप से मिलकर काम करना चाहते हैं। अब तक, विपक्ष दो समूहों में विभाजित है- एक कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए और दूसरी ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली कांग्रेस माइनस ब्लॉक। इसी दोनों ग्रुप को नीतीश एक करने की कोशिश कर रहे हैं। बनर्जी ने पिछले महीने समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव और ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक के साथ इसी तरह की बैठकें की थीं। तेलंगाना के मुख्यमंत्री केसीआर भी कांग्रेस रहित विपक्ष की बात कर रहे हैं। लोकसभा चुनाव से पहले विपक्षी दलों को एकजुट करने के लिए कुमार ने इस महीने की शुरुआत में नई दिल्ली में कांग्रेस नेता राहुल गांधी और इसके अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल से मुलाकात की थी।

शहीद हुए थे दीपक सिंह, अब पत्नी होने जा रही है सेना में शामिल

नई दिल्ली। साल 2020 में पूर्वी लद्दाख की गलवान घाटी में चीनी सेना ने कायरतापूर्ण तरीके से देश में घुसने की कोशिश की थी, जिसे भारतीय सेना के जवानों ने नाकाम कर दिया था। गलवान घाटी में चीन और भारत के बीच हुए इस संघर्ष में भारतीय सेना के 20 जवानों ने अपनी जान गवा दी थी। इन्हीं जवानों में मध्य प्रदेश के रीवा के रहने वाले दीपक सिंह भी शामिल थे। दीपक की शहादत से उनकी पत्नी रेखा सिंह ने टूटने की बजाय भारतीय सेना में शामिल होकर अपने पति की तरह देश की रक्षा करने का प्रण लिया। इसके लिए रेखा ने दो साल कड़ी मेहनत की और अब वह जल्द ही बतौर लेफ्टिनेंट भारतीय सेना में शामिल होने जा रही है। रेखा इस 29 अप्रैल को पासिंग परेड में शामिल होंगी।

पति की शहादत के बाद भारतीय सेना में शामिल होने का सपना देखने वाली रेखा सिंह के लिए ये रास्ता बिलकुल भी आसान नहीं था। उन्होंने अपनी सरकारी शिक्षिका की नौकरी छोड़कर सेना की भर्ती परीक्षा की तैयारी शुरू की। इसके साथ उन्होंने फिजिकल ट्रेनिंग की भी प्रैक्टिस की। हालाँकि, पहले प्रयास में उन्हें सफलता नहीं मिली। बावजूद इसके उन्होंने अपने हौसलों को कम नहीं होने दिया और कोशिश जारी रखी। दूसरे प्रयास में रेखा ने पर्सनैलिटी और इंटेलिजेंस टेस्ट पास किया। इसके

बाद वह चेन्नई स्थित ऑफिसर ट्रेनिंग एकेडमी में नौ महीने की ट्रेनिंग के लिए गई, जो पूरी हो गयी है। अब रेखा 29 अप्रैल को पासिंग आउट परेड में शामिल होंगी और फिर वह सेना में लेफ्टिनेंट का पद संभालेंगी।

दीपक सिंह 15 जून 2020 को शहीद हो गए थे। इस दौरान उनकी और रेखा की शादी को महज 1 साल 3 महीने का समय ही बीता था। रेखा से शादी के करीब तीन महीने बाद दीपक की पोस्टिंग लद्दाख में हो गयी थी। इस दौरान दीपक की सिर्फ एक बार उनकी पत्नी से मुलाकात हो पायी। उन्होंने रेखा से जल्दी दुबारा वापस आने का वादा भी किया था, जिसे वो निभा नहीं पाए। रेखा ने बताया कि गलवान घाटी के संघर्ष से एक दिन पहले ही उनकी पति से बात हुई थी। दीपक ने रेखा के लिए कश्मीरी शॉल और गहने लेकर आने की बात कही थी।

बुनियादी ढांचा क्षेत्र की 354 परियोजनाओ की लागत 4.55 लाख करोड़ रुपये बढ़ी

नई दिल्ली। बुनियादी ढांचा क्षेत्र की 150 करोड़ रुपये या इससे अधिक के खर्च वाली 354 परियोजनाओं की लागत तय अनुमान से 4.55 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा बढ़ गई है। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि देरी और अन्य कारणों से इन परियोजनाओं की लागत बढ़ी है। सांख्यिकी और कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय 150 करोड़ रुपये या इससे अधिक की लागत वाली बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की निगरानी करता है। मंत्रालय की मार्च, 2023 की रिपोर्ट में कहा गया है कि इस तरह की 1,449 परियोजनाओं में से 354 की लागत बढ़ गई है, जबकि 821 परियोजनाएं देरी से चल रही हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, ''इन 1,449 परियोजनाओं के क्रियान्वयन की मूल

लागत20,69,658.30 करोड़ रुपये थी, लेकिन अब इसके बढ़कर 25,25,348.87 करोड़ रुपये हो जाने का अनुमान है। इससे पता चलता है कि इन परियोजनाओं की लागत 22.02 प्रतिशत यानी 4,55,690.57 करोड़ रुपये बढ़ गई है।'' रिपोर्ट के अनुसार, मार्च, 2023 तक इन परियोजनाओं पर 13,90,736.58 करोड़ रुपये खर्च हो चुके हैं, जो कुल अनुमानित लागत का 55.07 प्रतिशत है।

हालांकि, मंत्रालय ने कहा है कि यदि परियोजनाओं के पूरा होने की हालिया समयसीमा के हिसाब से देखें तो देरी से चल रही परियोजनाओं की संख्या कम होकर 616 पर आ जाएगी। वैसे इस रिपोर्ट में 333 परियोजनाओं के चालू होने के साल के बारे में जानकारी नहीं दी गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि देरी से चल रही 821 परियोजनाओं में से 190 परियोजनाएं एक महीने से 12 महीने, 177 परियोजनाएं 13 से 24 महीने की, 325 परियोजनाएं 25 से 60 महीने और 129 परियोजनाएं 60 महीने से अधिक की देरी से चल रही हैं।

इन 821 परियोजनाओं में विलंब का औसत 37.79 महीने है। इन परियोजनाओं में देरी के कारणों में भूमि अधिग्रहण में विलंब, पर्यावरण और वन विभाग की मंजूरियां मिलने में देरी और बुनियादी संरचना की कमी प्रमुख है। इसके अलावा परियोजना का वित्तपोषण, विस्तृत अभियांत्रिकी को मूर्त रूप दिये जाने में विलंब, परियोजना की संभावनाओं में बदलाव, निविदा प्रक्रिया में देरी, ठेके देने व उपकरण मंगाने में देरी, कानूनी व अन्य दिक्कतें, अप्रत्याशित भू-परिवर्तन आदि की वजह से भी इन परियोजनाओं में विलंब हुआ है।

पटना हाईकोर्ट से राहुल गांधी को मिली राहत एमपी-एमएलए कोर्ट में नहीं होना होगा पेश

नई दिल्ली। राज्यसभा सदस्य सुशील कुमार मोदी द्वारा मोदी उपनाम मामले में दायर मानहानि मामले में सांसद/विधायक कोर्ट के समन के खिलाफ कांग्रेस के पूर्व सांसद राहुल गांधी की याचिका पर सुनवाई करते हुए पटना हाईकोर्ट ने 15 मई तक के लिए रोक लगा दी। निचली अदालत ने गांधी को अपना बयान दर्ज कराने के लिए 25 अप्रैल को व्यक्तिगत रूप से पेश होने के लिए समन भेजा था। भाजपा के राज्यसभा सांसद और पूर्व उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी ने एमपी/एमएलए कोर्ट में मानहानि का मामला दर्ज कराया था। हाई कोर्ट ने निचली अदालत के उस आदेश पर रोक लगा दी, जिसमें राहुल गांधी को 12 अप्रैल को पेश होकर अपना पक्ष रखने को कहा था। हालांकि, बुधवार

को सुनवाई के दौरान, बचाव पक्ष के वकील ने यह कहते हुए एक और तारीख मांगी कि पूरी टीम सूरत मामले में व्यस्त थी, जिसमें गांधी को दो साल की जेल की सजा सुनाई गई थी और लोकसभा से अयोग्य घोषित किया गया था। इस पर, न्यायाधीश ने गांधी के वकील से 25 अप्रैल को मामले की सुनवाई की अगली तारीख पर अदालत के समक्ष उनकी उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए कहा था। भाजपा नेता सुशील कुमार मोदी के वकील एसडी संजय ने कहा कि पटना की निचली अदालत ने उन्हें 12 अप्रैल को अदालत में पेश होकर अपना पक्ष रखने को कहा था। निचली अदालत के उस आदेश के खिलाफ राहुल गांधी ने हाईकोर्ट में आदेश को रद्द करने के लिए याचिका दायर की थी।

एसडी संजय ने कहा कि अदालत ने मुझे इस मामले पर अपनी दलील रखने के लिए कहा है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के वकील वीरेंद्र राठौड़ ने कहा कि हमने रद्द करने की याचिका दायर की थी। जब कोई मामला सूरत की अदालत में पहले से ही विचाराधीन है तो उसी मामले में दूसरी अदालत में दूसरी सुनवाई नहीं हो सकती है, यह अवैध है। अगली सुनवाई 15 मई को है और तब तक निचली अदालतों की सभी कार्यवाही पर रोक लगा दी गई है। कोर्ट ने उनकी दलील को स्वीकार करते हुए उन्हें राहत दे दी। अब उन्हें पटना की निचली अदालत में पेश नहीं होना पड़ेगा।

अगर आप मंगल ग्रह पर भी फंसे होंगे तो भारत आपको बचा लेगा!

हम ले आए सूडान से अपने नागरिक निकाल के,देखती रह गई दुनिया

सूडान (एजेंसी)। अफ्रीकी देश सूडान में भीषण जंग चल रही है। सत्ता पर कब्जा करने के लिए सूडान की सेना और एक पैरा मिलिट्री फोर्स के बीच चल रही इस जंग में हजारों भारतीय लोग फंसे थे। पीएम मोदी और विदेश मंत्री एस जयशंकर पिछले कई दिनों से सूडान में फंसे भारतीय लोगों को सुरक्षित निकालने के लिए कई देशों के संपर्क में थे। लेकिन आपको ये जानकर खुशी होगी और गर्व होगा कि पीएम मोदी और विदेश मंत्री एस जयशंकर की कोशिश रंग लाई है। मोदी सरकार सूडान में फंसे भारतीय लोगों को सुरक्षित निकालने में सफल हो रही है। इस रेस्क्यू ऑपरेशन में सऊदी अरब भारत की सबसे ज्यादा मदद कर रहा है। सऊदी अरब ने भारतीय लोगों के पहले बैच को सुरक्षित निकाल लिया है।

बता दें कि सूडान की राजधानी खातूम और पड़ोसी शहरों में विभिन्न

स्थानों से भीषण झड़पों की खबरें आ रही हैं। इससे सुरक्षा हालात अस्थिर बने हुए हैं। वहां फंसे भारतीयों की सुरक्षा के लिए हम हर मुमकिन प्रयास कर रहे हैं। उनकी सुरक्षित निकासी के लिए विभिन्न सहयोगियों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। सूडान में स्थित भारतीय दूतावास, सहानी अधिकारियों संयुक्त सऊदी अरब, यूएई, इजिप्ट और अमेरिका सहित कई साझीदारों के संपर्क में हैं। सूडानी वायु क्षेत्र सभी विदेशी विमानों के लिए बंद है और जमीन पर आवाजाही में भी खतरा है। आपको बता दें कि विदेशी में भारतीयों को बचाने के लिए मोदी सरकार जबरदस्त एक्टिव रहती है। सूडान से पहले भारत ने ऑपरेशन गंगा चलाकर यूक्रेन से भी भारतीय नागरिकों को सुरक्षित निकाल लिया था। उस वक्त युद्ध के बीच पीएम मोदी ने रूस व यूक्रेन दोनों देशों के राष्ट्रपतियों से बात की थी।

आखिर क्यों पर्दे पर रोमांस करते नहीं नजर आएगें अर्जुन कपूर और कैटरीना कैफ..?

मुम्बई। बॉलीवुड एक्टर अर्जुन कपूर और वरुण धवन, कैटरीना कैफ से इतनी नफरत करते थे, एक टाइम पर इन दोनों एक्टर्स ने 'वी हेट कैटरीना' जैसा वाटस एप ग्रुप ही बना दिया था। इस राज का खुलासा खुद कैटरीना कैफ ने करण जौहर के शो 'कॉफी विद करण' में किया था। हालांकि कैटरीना, अर्जुन और वरुण धवन की यह नफरत अब प्यार में बदल चुकी है और यह तीनों अब काफी अच्छे दोस्त भी हैं। कैटरीना कैफ जल्द ही वरुण धवन के साथ फिल्म 'एबीसीडी 3' में डांस करते नजर आने वाली हैं। लेकिन आखिर ऐसा क्या हुआ कि कैटरीना कैफ दोस्ती होने के बाद भी अर्जुन कपूर के साथ फिल्मी पर्दे पर नजर नहीं आने वाली हैं।? दरअसल यह फिल्म न करने का फैसला किसी गुस्से या नफरत की वजह से नहीं बल्कि एक रिश्ते के चलते हैं। कैटरीना कैफ, अर्जुन कपूर को अपना राखी भाई मानती हैं। ऐसे में कैटरीना के लिए अर्जुन के साथ स्क्रीन पर रोमांस करना थोड़ा मुश्किल भरा है। इसलिए यह जोड़ी शायद स्क्रीन पर रोमांस करते नजर न आए।इन दिनों अर्जुन कपूर, अपनी बहन कैटरीना के कई सोशल मीडिया पोस्ट पर लगातार कमेंट कर रहे हैं। कैटरीना कैफ ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर बैक टु बैक फोटो और वीडियो शेयर की थी जिसपर अर्जुन ने कुछ फनी कमेंट किए थे। 'कैटरीना तुमको डैंड्रफ हो गया है क्या?' जिसको लेकर यह अफवाह उड़ी थी कि दोनों के बीच आखिर क्या चल रहा है? तो आपको बता दें, कैटरीना कैफ इन दिनों अर्जुन कपूर को राखी भाई मनती हैं और इनके बीच काफी अच्छा रिलेशन है। अर्जुन कपूर ने सोशल मीडिया पर एक तस्वीर शेयर करते हुए लिखा है कि यह कैटरीना तुमको अडवांस बर्थडे गिफ्ट है। 'तेरी ओर तेरी ओर तेरी ओर हाय रब्बा यह 2.0 वर्जन बस तुम्हारे लिए है'। बता दें, कैटरीना का बर्थडे 16 जुलाई को है। अर्जुन इस वक्त कैटरीना की फिल्म 'नमस्ते लंदन' के सीक्वल में काम कर रहे हैं और कैटरीना सलमान खान के द-बंग टूर में हैं। दरअसल सूत्रों की मानें तो,

'जिस दिन कैटरीना ने अर्जुन को अपने राखी-भाई के रूप में अपनाया था, यह फैसला लिया था कि वह कभी भी स्क्रीन पर एक साथ जोड़े नहीं जाएंगे, और ना ही स्क्रीन पर एक साथ कोई रोमांटिक फिल्म करेंगी। फिल्म में अगर साथ काम करेगी तो भाई बहन को रोल करेंगी। कैटरीना ने यह स्पष्ट कर दिया है कि वह स्क्रीन पर अपने भाई के साथ रोमांस नहीं करेगी' तो यह एक जोड़ी है जिसे हम कभी भी स्क्रीन पर रोमांस करते नहीं देख पाएंगे।

अर्जुन कपूर और मलाइका अरोड़ा यूरोप में मना रहे हैं रोमांटिक हॉलीडे, एक्ट्रेस ने शेयर की तस्वीरें

नई दिल्ली। अर्जुन कपूर और मलाइका अरोड़ा सार्वजनिक रूप से एक-दूसरे के लिए अपने प्यार और स्नेह की घोषणा करने से कभी नहीं कतराते। फिलहाल ये कपल काम से दूर अपना यूरोपियन हॉलिडे एन्जॉय कर रहा है। उन्हें पहले जर्मनी में देखा गया था और अब वे ऑस्ट्रिया में एक साथ हैं। अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर मलाइका ने अपनी और अर्जुन कपूर की कुछ प्यारी और आरामदायक सेल्फी साझा कीं। तस्वीरों को फैंस काफी पसंद कर रहे हैं। दोनों के लिए लोग अच्छे-अच्छे कमेंट कर रहे हैं।

इंस्टाग्राम पर मलाइका अरोड़ा ने तीन तस्वीरें साझा कीं और लिखा, 'गर्म और आरामदायक, मैं आपके आस-पास ऐसा ही महसूस करती हूं अर्जुन कपूर। बुरी नजर से बचने वाला इमोजी भी उन्होंने कैप्शन में एड किया। इन फोटोज में अर्जुन कपूर ग्रे टी-शर्ट के साथ विंटर जैकेट और ब्लैक बीनी पहने नजर आ रहे हैं। वहीं, मलाइका ब्लू कैप के साथ पफ्ड विंटर जैकेट में काफी खूबसूरत लग रही हैं।

अर्जुन कपूर पिछले कुछ समय से मलाइका अरोड़ा के साथ अच्छे रिश्ते में हैं। इस जोड़ी ने अपने रिश्ते को आधिकारिक बना दिया जब मलाइका ने 2019 में अर्जुन के लिए एक प्यारी सी जन्मदिन की पोस्ट साझा की। वे तब से एक प्रमुख युगल लक्ष्यों को पूरा कर रहे हैं। काम के मोर्चे पर, अर्जुन को आखिरी बार कुट्टी में देखा गया था, जो बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई थी।

डेब्यू फिल्म ने बनाया स्टार फिर माया नगरी में गुम हुई सोनल चौहान, अब ऐसे चलता है खर्चा-पानी

नई दिल्ली। जरा सी दिल में दे जगह तू... ये गाना अपने समय का सबसे लोकप्रिय सॉन्ग था। फिल्म जनन्त के इस गाने ने एक्ट्रेस सोनल चौहान को रातों रात मशहूर कर दिया था। इमरान हाशमी के साथ इस फिल्म में काम करने वाली सोनल चौहान की खूबसूरती के लोग कायल हो गये थे। सोनल की पहली फिल्म जनन्त सुपरहित हुई। इसी के साथ सोनल भी स्टार बन गयी। सुपरहिट फिल्म देने के बाद सोनल फैंस के दिल में जगह बनायी लेकिन बॉलीवुड में नहीं। सोनल ने बॉलीवुड की कई फिल्में की लेकिन वो फिल्में औंधे मुंह बॉक्स ऑफिस पर गिरी। धीरे धीरे जनन्त की एक्ट्रेस फिल्मों में लीड एक्ट्रेस से हट कर साइड रोल में नजर आने लगी। 2008 से लेकर 2021 तक हर साल वह संघर्ष करते छोटे -मोटे रोल में नजर आती रहीं। हाल ही में विद्युत जामवाल की जी5 पर रिलीज हुई फिल्म द पावर में भी वह नजर आयी थी। ऐसा माना जा रहा था कि सोनल चौहान का करियर खत्म हो गया है लेकिन द पावर में उन्होंने एक तरफा प्यार में पड़ी लड़की का किरदार निभाया जिसके लिए उन्हें तारीफ भी मिली है।सोनल चौहान एक एक्ट्रेस के साथ-साथ भारतीय मॉडल, गायिका भी है जो तेलुगु और हिंदी सिनेमा में काम करती हैं। उन्होंने सौंदर्य प्रतियोगिता जीती है। वह पहली बार हिमेश रेशमिया के गाने 'आप का सुरूर' में दिखाई दीं। इसके बाद वह डायरेक्ट इमरान हाशमी के साथ फिल्म जनन्त में दिखाई दीं। उसने भट्ट के साथ एक तीन-फिल्म सौदे पर हस्ताक्षर किए हैं, जिनमें से दो लंबित हैं। उन्होंने एक तेलुगु फिल्म लीजेंड में अभिनय किया, जिसमें नंदामुरी

बालकृष्ण की भूमिका निभाई और टॉलीवुड में उनकी वापसी हुई। उनका अगला प्रोजेक्ट पंडाग चेसको था। 2015 की शुरुआत में, उन्होंने दो तेलुगु फ़िल्में साइन कीं: साइज़ ज़ीरो आर्य के सामने और शेर नंदामुरी कल्याण राम के सामने। इस समय बॉलीवुड से ज्यादा सोनल को आप टॉलीवुड में एक्टिव देख सकते हैं। ताजा अपडेट के मुताबिक सोनल चौहान ने एक बार फिर अपने फैंस की दिल की धड़कने बढ़ा दी है। एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर अपनी बेहद ही बोल्ड तस्वीरें शेयर की है जिसमें वह बिकनी में दिखायी दे रही हैं। ताजा तस्वीरें सोनल के हॉलीडे की है। भले ही सोनल चौहान ने ज्यादा फिल्में नहीं की है लेकिन सोशल मीडिया पर उनके फैन फॉलोइंग की संख्या ज्यादा है। सोनल को 3.5 मिलियन लोग फॉलो करते हैं। उस बड़ी फैन फॉलोइंग के कारण उनकी अच्छी खासी इनकम भी हो जाती हैं। इस लिए सोनल आज भी काफी एक्टिव है। वह अपने हैल्थ का काफी ध्यान रखती है। फोटो शूट और ऐड के लिए सोनल चौहान काफी मोटी रकम लेती हैं। सोशल मीडिया पर अच्छी पकड़ होने के कारण एक्ट्रेस के पास मॉडलिंग का भी काफी काम आता है।

हेमा मालिनी ने सौतेले बेटों संग रिश्ते पर किया था खुलासा, सनी देओल को लेकर कही थी खास बात

मुम्बई। बॉलिवुड की वेटरन ऐक्ट्रेस हेमा मालिनी की लाइफ के दिलचस्प किस्सों के बारे में सभी जानना चाहते हैं। शादीशुदा

धर्मेंद्र के साथ शादी और सौतेले बेटे सनी देओल और बॉबी देओल के साथ रिश्ते को लेकर हेमा मालिनी ने कुछ साल पहले बात की थी। बताते चलें कि साल 1980 में ऐक्ट्रेस ने चार बच्चों के पिता धर्मेंद्र से शादी की थी।

हेमा मालिनी ने अपनी बायॉग्रफी के लॉन्च के दौरान मीडिया से बातचीत में कहा था, 'सब यही सोचते हैं कि हमारा रिश्ता कैसा है तो मैं बता दूं कि यह बहुत प्यारा और सौहार्दपूर्ण है। जब भी जरूरत पड़ती है सनी देओल हमेशा धरमजी के साथ मेरे पास मौजूद रहते हैं। हेमा मालिनी ने आगे कहा, 'खासकर जब मेरा ऐक्सिडंट हुआ था तो सनी देओल मझे घर पर देखने के लिए आने वाले पहले इंसान थे। उन्होंने देखा था कि डॉक्टर मेरा सही तरीके से इलाज कर रहे हैं। मेरे चेहरे पर जो टांके लगे हैं उन्हें सही से हटाया गया है। मुझे ये सब देखकर दिल से बहुत अच्छा लगा था तो इससे साफ होता है कि हम किस तरह का रिश्ता निभा रहे हैं।'

हेमा मालिनी और धर्मेंद्र ने कई साल तक एक-दूसरे को डेट किया और इसके बाद शादी की थी। उनके पिता शुरुआत से ही इस रिश्ते के खिलाफ थे। हेमा मालिनी ने अपनी बायॉग्रफी में बताया है कि उनकी जितेंद्र के साथ शादी होने वाली थी। उन्होंने जिक्र किया है कि किस तरह से दोनों परिवार उनकी शादी के लिए गुपचुप तरीके से चेनन्ई गए थे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, उनकी शादी की भनक लगने पर जितेंद्र अपनी गर्लफ्रेंड शोभा के साथ चेन्नई पहुंच गए थे, ताकि वह उनकी शादी को रोक सकें।

हेमा मालिनी ने एक बार खुलास किया था कि उनकी शादी के बाद उन्हें धर्मेंद्र के साथ ज्यादा समय नहीं बिताना था। एक न्यूज पोर्टल से बात करते हुए ऐक्ट्रेस ने कहा था, 'मुझे नहीं लगता कि मैं कुछ भी बदलना चाहती हूं। मुझे शादी के बाद धरमजी के साथ बिताने के पर्याप्त समय नहीं मिला। लेकिन यह ठीक है। हमारे पास जो भी समय है वह कीमती है।'

कॉमेडी शो एलओएल की मेजबानी करेंगे अरशद वारसी और बोमन ईरानी

मुंबई। अमेजन प्राइम वीडियो ने बुधवार को अंतरराष्ट्रीय अमेजन के मूल सीरीज 'एलओएल' के भारतीय संस्करण को शुरू करने की घोषणा की। इसकी मेजबानी अभिनेता अरशद वारसी और बोमन ईरानी करेंगे। 'एलओएल - हंसे तो फंसे' रियलिटी कॉमेडी शो छह कड़ी में प्रसारित होगा। कार्यक्रम का प्रसारण 30 अप्रैल से होगा। एसओएल-प्रोडक्शन की सीरीज में 10 कॉमेडियन - आदर मलिक, आकाश गुप्ता, अदिति मित्तल, अंकिता श्रीवास्तव, सायरस बरोचा, गौरव गेरा, कुशा कपिला, मल्लिका दुआ, सुनील ग्रोवर और सुरेश मेनन दिखेंगे। मूल कार्यक्रम का निर्माण जापान में हुआ था और बाद में ऑस्ट्रेलिया, मैक्सिको, जर्मनी, इटली और कनाडा में इसके संस्करणों का प्रसारण हुआ। अमेजन स्टूडियोज के स्थानीय प्रमुख जेम्स फैरेल ने कहा, ''कार्यक्रम के प्रसारण के लिए जाहिर तौर पर अगले देश के रूप में भारत का नाम हमारे जेहन में था। हमारे भारतीय दर्शक कार्यक्रम को जरूर पसंद करेंगे। हमें भरोसा है कि वे 'एलओएल - हंसे तो फंसे' को पसंद करेंगे।

भारत की एक लोकप्रिय पॉप गायिका ऊषा उत्थुप

नई दिल्ली। 1960 के दशक के उतर्राध, 1970 और 1980 के दशक में अपने लोकप्रिय हिट के लिए जानी जाती है। उन्होंने करीब 16 भाषाओं में गाने गाएं हैं जिसमें बंगाली, हिंदी, पंजाबी, असमी, उड़िया, गुजराती, मराठी, कोंकणी, मलयालम, कन्नड़, तमिल, तुलु और तेलुगु शामिल हैं। वह कई विदेशी भाषाओं में भी गाना गा सकती हैं जिसमें अंग्रेजी, डच, फ्रेंच, जर्मन, इतालवी, सिंहली, स्वाहिली, रूसी, नेपाली, अरबी, क्रियोल, ज़ुलु और स्पेनिश शामिल हैं। ऊषा के पिता सामी अय्यर मुंबई के पुलिस आयुक्त बने. उनकी तीनों बहने उमा पोचा, इंदिरा श्रीनिवासन और माया सामी गायिका हैं और उनके दो भाई भी हैं जिनमें से एक का नाम श्याम है। उनके छह भाई-बहनों में इनका स्थान पांचवां है। बचपन में वो बॉम्बे के बाइकुला के लोवलेन में स्थित पुलिस क्वार्टर में रहती थीं और वहीं के एक स्थानीय स्कूल में पढ़ाई करती थीं। जब वह स्कूल में थी उन्हें संगीत कक्षा से बाहर निकाल दिया गया था क्योंकि उनकी आवाज़ संगीत के अनुकूल नहीं थी। लेकिन उनके संगीत शिक्षक ने स्वीकार किया कि उनके भीतर कुछ संगीत है और उन्होंने बजाने के लिए उन्हें क्लैपर्स और ट्रैंगल दिया. हालांकि वह औपचारिक रूप से संगीत में प्रशिक्षित नहीं थी, वह संगीत के माहौल में पली-बढ़ी. उनके माता-पिता रेडियो पर किशोरी अमोनकर और बड़े गुलाम अली खान सहित पश्चिमी शास्त्रीय से हिन्दुस्तानी और करनाटिक संगीत की विस्तृत श्रृंखला को सुना करते थे और वो भी उनके साथ सुना करती थी। वे रेडियो सीलोन सुनने का आनंद लिया करती थी। उनके बगल के पड़ोसी एस.एम.ए. पठान थे, जो उस समय पुलिस उपायुक्त थे। उनकी बेटी ज़मीला ने ऊषा को हिन्दी सीखने, सलवार कमीज़ पहनने और भारतीय शास्त्रीय संगीत सीखने के लिए प्ररित किया। इस मिश्रित दृष्टिकोण ने उन्हें 1970 के दशक में अपने अनूठे ब्रांड की शुरूआत करने में मदद की. उन्होंने केरल के कोट्टायम के श्री उत्थुप से शादी की.उनका पहला सार्वजनिक गायन तब हुआ जब वह मात्र नौ वर्ष की थी। उनकी बहन, जो पहले से ही संगीत में अपना कैरियर तलाश रही थी, ऊषा को एक संगीतकार जिनका नाम अमीन सयानी था उनके पास ले गईं, जिन्होंने रेडियो सीलोन के ओवालटाइन म्यूज़िक आवर में गाने का उन्हें एक मौका दिया. उसमें उन्होंने मॉकिंगबर्डक नामक गाना गाया. उसके बाद, उन्होंने अपने किशोर समय में कई प्रदर्शन किए. 20 साल की उम्र में उथुप ने साड़ी और लेग कैलिपर पहन कर चेन्नई के माउंट रोड स्थित समकालीन सफायर थियेटर कॉम्प्लेक्स के तहखाने स्थित नाइन जेम्स नामक एक छोटे से नाइटक्लब में गाना शुरू किया उनकी गायकी की अधिक प्रशंसा के कारण नाइटक्लब के मालिक ने उन्हें एक सप्ताह तक प्रदर्शन करने की अनुमति दी नाइटक्लब की पहली प्रदर्शन की वाहवाही के बाद उन्होंने मुंबई के टॉक ऑफ द टाउनक और कलकत्ता के ट्रिनकसक जैसे नाइटक्लब में गाना शुरू किया ट्रिनकस में ही अपने भावी पति उथुप से इनकी मुलाकात हुई ट्रिनकस के बाद, अपने अगले अनुबंध पर उन्हें दिल्ली जाना पड़ा जहां उन्हें होटल ओबेरॉय में गाना था संयोगवश शशि कपूर सहित नवकेतन इकाई का एक फिल्मी दल नाइटक्लब में आया था उन्होंने फिल्म के लिए उन्हें पार्श्वगायन की आमंत्रिण दी परिणाम स्वरूप, उन्होंने फ़िल्म हरे रामा हरे कृष्णा के साथ अपना बॉलीवुड में पार्श्वगायन का आरंभ किया वास्तव में इन्हें आशा भोसले के साथ गीत दम मारो दमक गाना था हालांकि, अन्य गायकों के आंतरिक राजनीतिक गतिविधियों के फलस्वरूप, उन्होंने यह मौका खो दिया लेकिन उस गीत के अंग्रेजी पंक्तियाँ गाने का अवसर मिला। उन्होंने 1968 में एक ईपी रिकार्ड पर अंग्रेजी में जाम्बालयाक और द किंग्सटन ट्रायो नामक समूह का ग्रीनबैक डॉलरक नामक पॉप गानों की रिकॉर्डिंग की लव स्टोरी तथा किंग्सटन ट्रायो समूह का अन्य गीत स्कॉच एंड सोडाक की बिक्री भारतीय बाज़ार में अच्छी हुई इसके प्रारंभिक समय में उन्होंने लंदन में भी कुछ समय बिताया ये अक्सर लंदन के लांघम पर स्थित वर्नौन कोरिया के बीबीसी कार्यालय जाया करती थी।

राशिफल

मेष-:ताली-भुनी चीजों से दूर रहें और नियमित व्यायाम करते रहें. घरेलू सुख-सुविधा की चीज़ों पर ज़रूरत से ज़्यादा खर्च न करें। पिता का तल्ख बर्ताव आपको नाराज़ कर सकता है।

वृष-:जीवन की सभी कठिन परिस्थितियों में आपको अपने माता-पिता का पूरा सहयोग मिलेगा. जो लोग प्रेम के मोर्चे पर मायूस महसूस कर रहे हैं।

मिथुन-:क्षणिक क्रोध विवाद और दुर्भावना का कारण बन सकता है. मनोरंजन और सौन्दर्य वृद्धि पर आवश्यकता से अधिक समय व्यतीत न करें।

कर्क-:आज सभी ग्रह और सितारे आपके पक्ष में हैं, आप जिस भी काम में हाथ डालेंगे, उसमें आपको सफलता जरूर मिलेगी. आज के दिन यात्रा की योजना बन सकती है।

सिंह-:आपकी इच्छा शक्ति को प्रोत्साहन मिलेगा, क्योंकि आप बहुत उलझी हुई परिस्थितियों से निकलने में कामयाब रहेंगे. भावनात्मक फैसले लेते समय अपनी तार्किकता को न छोड़ें।

कन्या-:प्रेम के मामले में सफलता मिलेगी. नए कार्यों की शुरुआत करना शुभ रहेगा। आज अपने प्रिय के साथ अपनी व्यक्तिगत भावनाओं और गोपनीय मामलों को साझा करने का सही समय है।

तुला-: जो लोग आपके पास कर्ज के लिए आते हैं, बेहतर होगा आप उन्हें नजरंदाज करें. पारिवारिक मोर्चे पर चीज़ें अच्छी रहेंगी और आप अपनी योजनाओं को पूरा समर्थन मिलने की उम्मीद कर सकते हैं।

वृश्चिक-:छात्रों के लिए दिन अनुकूल है क्योंकि प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिल सकती है। जमीन-जायदाद संबंधी कार्य स्थगित करना आपके हित में रहेगा।

धनु-:इससे पहले कि नकारात्मक विचार मानसिक रोग का रूप लें, आपको उन्हें समाप्त कर देना चाहिए. आप किसी परोपकारी कार्य में हिस्सा लेकर ऐसा कर सकते हैं।

मकर-:लंबे समय से चली आ रही दिक्कतों से आज आपको छुटकारा मिल सकता है. आगे बढ़ने के बजाय अपने सभी आगामी कार्यों को पूरा करना ही समझदारी होगी।

कुंभ-:भावनात्मक रूप से बहुत अच्छा दिन नहीं रहेगा. आर्थिक समस्याओं के कारण आपको आलोचना और वाद-विवाद का सामना करना पड़ सकता है।

मीन-:आज आप सकारात्मक ऊर्जा से भरपूर रहेंगे, जिसका असर आपके आसपास के लोगों पर भी पड़ेगा. खुद के काम से समय निकालकर परिवार के साथ अधिक समय बिताना संभव नहीं होगा।

तेलुगु निर्माता का दावा शाकुंतलम की असफलता के बाद समांथा का करियर हुआ खत्म

मुम्बई। एक्ट्रेस सामंथा के लिए पिछले कुछ साल ज्यादा अच्छे साबित नहीं हुए। सबसे पहले नागा चैतन्य से उनका तलाक हुआ और उसके बाद वह एक गंभीर बीमारी का शिकार हो गयी। एक्ट्रेस हाल ही में शाकुंतलम मूवी में नजर आयी लेकिन वह कुछ खास कमाल नहीं दिखा सकी। सामंथा ने फिल्म शाकुंतलम में लीड रोल निभाया था जो 14 अप्रैल को रिलीज हुई थी। यह फिल्म गुनशेखर द्वारा निर्देशित है और शकुंतला और राजा दुष्यंत की कहानी पर आधारित है, जिसे कालिदास के नाटक अभिज्ञानशाकुंतला में सुनाया गया है। दुर्भाग्य से फिल्म बॉक्स ऑफिस पर विफल रही। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक यह फिल्म 60 करोड़ रुपये के बजट में बनी थी, लेकिन बॉक्स ऑफिस पर अब तक केवल 10 करोड़ रुपये ही कमा पाई है।

चिट्टी बाबू नाम के एक तेलुगु निर्माता ने एक ऑनलाइन मीडिया चैनल से बात की और कहा कि सामंथा का करियर 'खत्म' हो गया। उन्होंने कथित तौर पर कहा, 'सामंथा ने अपने तलाक के बाद पुष्पा द राइज़ में ऊ अंतवा आइटम गीत किया। उन्होंने इसे अपनी आजीविका के लिए किया। इस गाने के बाद उन्होंने अपनी एक स्टार नायिका की छवि को खो दिया। नायिका के रूप में

उनका करियर समाप्त हो गया और वह फिर से स्टारडम में वापस नहीं आ सकती।

चिट्टी बाबू ने मुंबई और कोच्चि जैसे शहरों में शाकुंतलम के प्रचार के दौरान समांथा के भावुक होने के तरीके की भी आलोचना की। उन्होंने कहा, 'यशोदा प्रमोशन के दौरान आंसू बहाए और एक हिट स्कोर करने की कोशिश की। अब शाकुंतलम के लिए भी उन्होंने वही किया। उन्होंने सहानुभूति पाने की योजना बनाई। हर बार, यह भावना काम नहीं करेगी। यदि भूमिका और फिल्म अच्छी है, तो लोग देखेंगे। ये सभी घटिया और पागल हरकतें हैं। मुझे आश्चर्य है कि समांथा, जो अपनी नायिका का दर्जा खो चुकी है, शकुंतला की भूमिका के लिए कैसे उपयुक्त है। सामंथा के प्रशंसक उनके लिए खड़े हुए। निर्माता चिट्टी बाबू की टिप्पणी सामंथा के प्रशंसकों को अच्छी नहीं लगी और वे सोशल मीडिया पर गढ़ अभिनेत्री के समर्थन में मजबूती से सामने आए। सामंथा फिलहाल लंदन में राज एंड डीके के सिटाडेल की शूटिंग कर रही हैं। उन्होंने 18 अप्रैल को अपने इंस्टाग्राम पर भगवद गीता के एक श्लोक को उद्धृत किया, जिसका अनुवाद है, 'आप केवल अपना कर्म कर सकते हैं, फल की इच्छा नहीं। व्यक्ति को इनाम की इच्छा से कर्म नहीं करना चाहिए।'

सिद्धांत चतुर्वेदी, तृप्ति डिमरी के साथ धड़क 2 बना रहे हैं करण जौहर? फिल्म निर्माता का खबरों पर आया रिएक्शन

मुम्बई। सिद्धांत चतुर्वेदी और तृप्ति डिमरी की धड़क 2 की खबरें सोशल मीडिया पर वायरल हुईं। एक मीडिया पोर्टल ने बताया कि करण जौहर ईशान खट्टर और जान्हवी कपूर की धड़क की दूसरी किस्त का निर्माण करेंगे। हालांकि फिल्म निर्माता ने धड़क 2 की अफवाहों को खारिज कर दिया। उन्होंने सीधे अपने सोशल मीडिया हैंडल पर रिकॉर्ड बनाया। करण जौहर ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर अफवाह के बारे में बात की और उन्हें खारिज किया। उन्होंने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा, 'हम (धर्मा प्रोडक्शंस) धड़क 2 शीर्षक वाली फिल्म नहीं बना रहे हैं, जैसा कि विभिन्न लेखों में बताया जा रहा है।'

इससे पहले पिंकविला ने बताया था कि धड़क 2 को सिद्धांत चतुर्वेदी और तृप्ति डिमरी के साथ बनाया जाएगा। पिंकविला ने कहा था कि 'धड़क अनिवार्य रूप से प्यार की एक गहन कहानी थी, जिसमें दो नायक समाज को एक साथ रहने के लिए लड़ रहे थे। फिल्म निर्माता का मानना है कि प्यार के लिए सभी बाधाओं के खिलाफ जाने के इस क्षेत्र में मताधिकार मूल्य प्राप्त करने की क्षमता है। कई विषयों पर विचार करने के बाद, फिल्म निर्माता ने हरियाली एक विषय है जो धड़क की अगली कड़ी बनने के योग्य है। फिल्म का निर्देशन शाज़िया इकबाल द्वारा किया जाएगा और एक निर्देशक के रूप में उनकी पहली फिल्म होगी। सिद्धांत और तृप्ति दोनों एक कच्ची और गहन प्रेम कहानी में शामिल होने के लिए उत्साहित हैं। तैयारी का काम जल्द ही शुरू होगा। काम के मोर्चे पर करण की अगली फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी है। फिल्म में रणवीर सिंह, आलिया भट्ट, धर्मेंद्र, जया बच्चन और शबाना आजमी हैं।

विज्ञापन प्रतिनिधि
श्री सुजीत कुमार
मो. 7007632314

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक
दीपक अरोरा द्वारा
रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।